हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

बोकारो, बुधवार

19.11.2025

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 30

www.rashtriyamukhyadhara.com

अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत का विकास मॉडल दुनिया के लिए आशा का प्रतीक बना: पीएम

छठवें रामनाथ गोयनका व्याख्यान में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छठवें रामनाथ गोयनका व्याख्यान में दिए अपने भाषण को साझा करते हुए देशवासियों से अगले दस वर्षों में गुलामी की मानसिकता से पूर्ण मुक्ति का संकल्प लेने अपील की। उन्होंने कहा कि यह मानसिकता उपनिवेशवाद की देन है और अब समय आ गया है कि देश इससे पूरी तरह बाहर निकले। उन्होंने देशवासियों से सामूहिक संकल्प के साथ औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए अपने पोस्ट में कहा कि रामनाथ गोयनका का जीवन राष्ट्रप्रथम की भावना और सत्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने हमेशा कर्तव्य को सर्वोपरि रखा और यही भावना आज भी पत्रकारिता और लोकतंत्र दोनों के लिए प्रेरणा है। लोकतंत्र पर बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड मतदान और विशेष रूप से महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत का लोकतंत्र लगातार सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत के विकास को विश्व के लिए आशा का मॉडल बताते हुए कहा कि देश की आर्थिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन दुनिया के सामने मिसाल बन रहे हैं। चुनाव जीतने का मूल मंत्र जनता की भावनाओं को समझना है, न कि लगातार चुनाव मोड में बने रहना। प्रधानमंत्री ने कहा कि माओवाद का प्रभाव लगातार घट रहा है, जो भारत के विकास और सुरक्षा के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है।

पीएम आज आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु दौरे पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के दौरे पर जाएंगे। सुबह करीब 10 बजे वे आंध्र प्रदेश के पुट्टापर्थी स्थित भगवान श्री सत्य साईं बाबा के धाम और महासमाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद लगभग 10:30 बजे वह सत्य साईं बाबा के शताब्दी उत्सव में शामिल होंगे, जहां प्रधानमंत्री उनके जीवन और शिक्षाओं पर आधारित स्मारक सिक्का और डाक टिकटों का सेट जारी करेंगे। इस कार्यक्रम में वे सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आंध्र प्रदेश के बाद प्रधानमंत्री कल दोपहर तमिलनाडु के कोयंबटूर पहुंचेंगे, जहां करीब 1:30 बजे 'दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री देश के 9 करोड़ किसानों को समर्थन देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे, जिसकी राशि 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। 19 से 21 नवंबर तक चलने वाला दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन तमिलनाडु नेचुरल फार्मिंग स्टेकहोल्डर्स फोरम द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत, पर्यावरण अनुकूल और रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देना है।

दिल्ली में कोर्ट और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली में चार जिला अदालतों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर संबंधित स्कूलों और अदालत परिसरों को खाली करा लिया गया है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को मंगलवार सुबह फोन कर दावा किया कि प्रशांत विहार और द्वारका स्थित सीआरपीएफ के स्कूलों में बम लगाए गए हैं। इसके बाद दोनों परिसरों को खाली करा लिया गया। उन्होंने बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट, साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और द्वारका कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अदालतों में कामकाज अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। बम की धमकी ई-मेल के जरिये मिली थी। सीआरपीएफ और बम निरोधक दस्ते मामले की जांच में जुड़े हैं। हालांकि जांच में अभी तक किसी भी अदालत में बम मिलने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग के अनुसार आज सुबह करीब 9 बजे आए इस कॉल के बाद स्थानीय पुलिस, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड, आपदा प्रबंधन, अग्निशमन विभाग सहित अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर घंटों जांच की गयी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दोनों स्कूलों को खाली कराया।

राष्ट्रपति ने छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और जल संचय-जनभागीदारी पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और जल संचय-जनभागीदारी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जनसंख्या की तुलना में जल संसाधन सीमित होने के कारण देश में जल का कुशल उपयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रभावी जल प्रबंधन व्यक्तियों, परिवारों, समाज और सरकार की भागीदारी से ही संभव है। जल का सक्षम उपयोग, एक वैश्विक अनिवार्यता है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में नदियाँ, झीलें और अन्य जलस्रोत पूजनीय हैं। हमारे राष्ट्रीय गीत में बंकिम चंद्र चटर्जी ने जो पहला शब्द लिखा था, वह है सुजलाम। इसका अर्थ है 'प्रचुर जल संसाधनों से धन्य।' यह तथ्य हमारे देश के लिए जल की प्राथमिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का सर्वाधिक सक्षम तरीके से उपयोग करना हमारे सभी देशवासियों की जीवन-शैली का अभिन्न अंग होना चाहिए। व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर सभी को जल संरक्षण के प्रति निरंतर सचेत रहना है। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि पिछले वर्ष शुरू की गई जल संचय-जनभागीदारी पहल के तहत 35 लाख से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों और उद्यमियों को कम से कम पानी का उपयोग करके, अधिक से अधिक उत्पादन के नए-नए तरीके अपनाने चाहिए। उत्साह के साथ व्यक्तिगत योगदान देने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी जल महत्वपूर्ण हितधारक हैं। जल से जुड़ी चक्रीय अर्थव्यवस्था की प्रणालियों को अपनाकर सभी उद्योग तथा अन्य हितधारक जल-संसाधन का प्रभावी उपयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जल पुरस्कारों का उद्देश्य लोगों में जल के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन्हें जल उपयोग के सर्वोत्तम तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पहल सामुदायिक भागीदारी और संसाधनों के अभिसरण के माध्यम से कृत्रिम भूजल पुनर्भरण के लिए विविध, मापनीय और अनुकरणीय मॉडलों के उद्भव में अग्रणी रही है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश की सीमा पर मारा गया खूंखार नक्सली हिड़मा, पत्नी समेत 6 नक्सली ढेर

जगदलपुर। सुरक्षाबलों ने खूंखार नक्सली हिड़मा को मार गिराने में बड़ी सफलता हासिल की है। मारा गया नक्सली हिड़मा सबसे चर्चित और खतरनाक नक्सली नेताओं में शामिल था। जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़–आंध्रप्रदेश सीमा पर चली मुठभेड़ में 06 नक्सली मारे गए हैं। इनमें हिड़मा और उसकी पत्नी भी शामिल बताए गए हैं। मौत की अधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। वैसे घटनास्थल से सभी नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए और क्षेत्र में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। एर्राबोर थाना क्षेत्र के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने उनके खिलाफ अभियान शुरू किया था। इसी अभियान के तहत मंगलवार सुबह से सुरक्षाबल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के बाद सुरक्षबलों ने घटनास्थल से एक नक्सली का शव बरामद किया। इसके अतिरिक्त सुकमा में दूसरी मुठभेड़ 18 नवंबर की सुबह से जारी है। बताया गया है कि पहली कार्रवाई के साथ ही सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र में भी दूसरे मार्चे पर भी मुठभेड़ चल रही है। इस भिड़ंत के दौरान कई नक्सलियों के घायल होने की सूचना है। सुरक्षा बलों ने इलाके को चारों ओर से घेरकर कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। दरअसल पुलिस को रात में सूचना मिली थी, कि एर्राबोर के जंगलों में बड़ी संख्या में नक्सली एकत्रित हो रहे हैं।

दिल्ली धमाका: अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े 3 राज्यों के 30 ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

नई दिल्ली। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके की जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। जांच की रडार पर आए अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े 30 ठिकानों पर मंगलवार की सुबह 5 बजे 25 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की। जांच एजेंसियों को दिल्ली ब्लास्ट और फरीदाबाद से बरामद विस्फोटकों से यूनिवर्सिटी का लिंक मिला है, जिसके बाद अल-फलाह के खिलाफ ताबड़तोड़ ऐक्शन जारी है।ये कार्रवाई विश्वविद्यालय, उसके ट्रस्टीज और उससे जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है। एजेंसी ने वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की एक बैठक और दिल्ली-हरियाणा से एमपी तक हलचल, 30 जगहों पर हो रही रेडदिल्ली ब्लास्ट और उससे जुड़े फरिदाबाद टेरर मॉड्यूल की जांच में अब केंद्र सरकार ने पूरी ताकत झोंक दी है। ईडी ने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क पर औपचारिक रूप से केस दर्ज कर लिया है और शनिवार सुबह से ही देश के तीन राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चल रहा है।अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार सुबह से दिल्ली, हरियाणा के फरीदाबाद और मध्यप्रदेश में कुल 30 लोकेशंस पर एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। यह छापेमारी सीधे तौर पर उस नेटवर्क को खंगालने के लिए है जो फरिदाबाद टेरर मॉड्यूल और कथित व्हाइट कॉलर आतंकी फंडिंग के शक के दायरे में आया है।

ईडी ने दिल्ली-एनसीआर में अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े 25 ठिकानों पर छापा मारा

एजेंसी। नई दिल्ली

लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट केस में केंद्रीय जांच एजेंसियां लगातार जांच में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के नई दिल्ली स्थित ओखला कार्यालय सहित अन्य 25 ठिकानों पर छापा मारा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को अल फलाह विश्वविद्यालय मामले में उसके ट्रस्टियों, संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं से जुड़े मामलों में सुबह 5 बजे से छापेमारी कर रहा है। ईडी की ये कार्रवाई दिल्ली सहित अन्य 25 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम अल फलाह ट्रस्ट पर शिकंजा कसने को लेकर ईडी की टीम ने दिल्ली और फरीदाबाद में अलग-अलग जगहों पर ये छापेमारी की है। ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) से जुड़े एक मामले के तहत की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी को संदेह है कि यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े मालिकों और प्रबंधन ने बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों को अंजाम दिया है। इसी वजह से उनके ठिकानों पर दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों की तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले ईडी ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी और इसके संचालकों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप है कि यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट के नाम पर करोड़ों की अवैध फंडिंग की गई, विदेशी दान (एफसीआरए) नियमों का उल्लंघन हुआ और संपत्तियों के गलत इस्तेमाल से काले धन को वैध रूप दिया गया।

क्या अब रुमालों का कैसे इस्तेमाल हो, इस पर भी हम नजर रखें?

वकीलों के पहनने वाले बैंड्स से जुड़ी याचिका देखकर सुप्रीम कोर्ट भड़का

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को वकीलों के पहनने वाले बैंड्स से जुड़ी एक याचिका पहुंची। इसमें कहा गया कि इस्तेमाल के बाद इन बैंड्स के निपटान के लिए एक समान व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार से इनकार कर दिया है। साथ ही बेंच ने सवाल उठाया है कि क्या अब रुमालों का कैसे इस्तेमाल हो, इस पर भी हम नजर रखें? दरअसल याचिकाकर्ता साक्षी विजय ने जनहित याचिका दाखिल की थी। उन्होंने मांग की थी कि इन बैंड्स को इकट्ठा करने और निपटान के लिए एक समान और ईको-फ्रैंडली व्यवस्था की जाए। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस

विनोद चंद्रन की बेंच याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक याचिका देख कोर्ट ने कहा कि हमारा काम फिर कहां खत्म होगा? इसकी निगरानी करना कि रुमालों का इस्तेमाल कैसे हो रहा है? या गांव में कचरे का किया जा रहा है?... हमें रिट कहां जारी करनी चाहिए। याचिकाकर्ता जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

याचिकाकर्ता का कहना था कि उन्हें कोर्ट के बाहर कचरे के डिब्बे के पास, फुटपाथ के पास सिंथैटिक बैंड्स पड़े मिले थे। इसमें कहा गया है कि हालात पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और पेशे की गरिमा को दर्शाते हैं। याचिका में इस बात पर जोर दिया था कि सफेद बैंड्स के सम्मान के साथ निपटान की कोई नीति नहीं है। साथ ही पर्यावरण के लिहाज से भी मौजूदा हालात पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि पहले के समय में वकील कॉटन के बैंड्स का इस्तेमाल करते थे, जो धुलकर दोबारा इस्तेमाल हो सकते थे। जबकि, मौजूदा स्थिति में बैंड्स सिंथैटिक के हैं और नॉन बायोडिग्रेडेबल हैं। ये 10 रुपए के आते हैं और कई वकील एक बार के इस्तेमाल के बाद इन्हें फेंक देते हैं। याचिका में कहा गया कि ऐसे हजारों बैंड्स रोज फेंके जा रहे हैं, जिन्हें डिकम्पोज होने में 200 साल से ज्यादा का समय लगेगा। याचिका में पर्यावरण (सुरक्षा) कानून का हवाला दिया गया। उनकी मांग की थी कि भारतीय बार काउंसिल और संबंधित सरकारी मंत्रालयों को बैंड डिस्पोजल बिन लगाने के निर्देश दे।

आईसीजी ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर 79 बांग्लादेशी मछुआरों को पकड़ा

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पर निगरानी के दौरान 79 मछुआरों को पकड़ा है। यह सभी मछुआरे भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ने के लिए नौकाओं के साथ आये थे। आईसीजी ने उनकी मछली पकड़ने वाली तीन नौकाओं (बीएफबी) को भी जब्त किया है। कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि 15 एवं 16 नवंबर को भारत के ईईजेड के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तीन बांग्लादेशी मछली पकड़ने वाली नौकाओं (बीएफबी) और उनके 79 चालक दल के सदस्यों को पकड़ा गया है। नियमित निगरानी के दौरान मछली पकड़ने वाली नौकाओं को भारतीय जल क्षेत्र के भीतर पाया गया, जो भारतीय समुद्री क्षेत्र (विदेशी जहाजों द्वारा मछली पकड़ने का विनियमन) अधिनियम, 1981 का उल्लंघन था। आईसीजी की बोर्डिंग टीमों ने नौकाओं को तुरंत रोककर गहन निरीक्षण किया। आईसीजी के अनुसार किसी भी चालक दल के पास भारत के समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने का वैध प्राधिकरण या परमिट नहीं था।

कॉप 30 में बोले भूपेंद्र यादव- विकसित देश पहले नेट-जीरो हासिल करें

बेलेम। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तनमंत्री भूपेंद्र यादव ने विकसित देशों से अधिक जलवायु महत्वाकांक्षा दिखाने, समय से पहले नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करने और जलवायु वित्त को अरबों नहीं बल्कि खरबों में उपलब्ध कराने की सख्त अपील करते हुए कहा कि कॉप 30 को "अमल का कॉप" और "वादों की पूर्ति का कॉप" के रूप में याद किया जाना चाहिए। उन्होंने ब्राजील के बेलेम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन कॉप 30 के उच्च स्तरीय सत्र में ब्राजील सरकार और अमेजन क्षेत्र के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि अमेजन पृथ्वी की पर्यावरणीय संपदा का जीवंत प्रतीक है और ऐसे स्थान पर यह सम्मेलन वैश्विक जलवायु जिम्मेदारी की गंभीरता को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों ने अब तक अपने वादों पर पर्याप्त प्रगति नहीं दिखाई है, जबकि जलवायु संकट तेजी से बढ़ता जा रहा है। विकसित देशों को मौजूदा समय-सीमा से काफी पहले नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करना चाहिए और नई अतिरिक्त और रियायती जलवायु वित्त सहायता खरबों के स्तर पर देनी होगी।

मतदाता सूची की पवित्रता की रक्षा के लिए कांग्रेस पूर्णतः प्रतिबद्धः खरगे

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से गुजर रहे 12 राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कांग्रेस के महासचिव, संबंधित राज्यों के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, विधानमंडल दल के नेता और राष्ट्रीय सचिव शामिल हुए। बैठक के बाद खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची की पवित्रता की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का भरोसा कमजोर हो रहा है, ऐसे समय में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग का रवैया अत्यंत निराशाजनक रहा है। चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह किसी राजनीतिक दबाव में तो काम नहीं कर रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह एसआईआर प्रक्रिया को वोट चोरी के साधन के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है। इस पर चुनाव आयोग को आंखें नहीं मूंदे रहना चाहिए। खरगे ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता, बूथ स्तर अधिकारी तथा जिला, शहर एवं ब्लॉक अध्यक्ष पूर्ण सतर्कता के साथ हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने या फर्जी नाम जोड़ने की किसी भी कोशिश को बेनकाब किया जाएगा। खरगे ने दोहराया कि कांग्रेस किसी भी संस्था के दुरुपयोग से लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर नहीं होने देगी।

एसआईआर का विरोध: केरल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, कर्मचारियों ने किया बायकॉट का ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल के बाद केरल और तमिलनाडु में विरोध बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु के बीएलओ के साथ ही तहसीलदार लेवल तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बायकॉट का ऐलान किया है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने केरल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें कहा गया है कि एसआईआर और स्थानीय निकाय चुनावों को साथ-साथ नहीं कराया जा सकता। याचिका में कहा गया है कि राज्य में 9 और 11 दिसंबर को दो चरणों में स्थानीय निकाय चुनावों होने वाले हैं, जबकि एसआईआर ड्राफ्ट 4 दिसंबर को पब्लिश होनी है।

इससे निकाय चुनाव की प्रक्रिया पर असर पड़ेगा। तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी संघों के संगठन ने कहा कि वे वर्कलोड, कम लोग, टाइम लिमिट दबाव और अधूरी ट्रेनिंग और मेहनताने विरोध में प्रदर्शन करेंगे। इधर, केरल सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव पूरे होने तक एसआईआर स्थगित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राज्य का तर्क है कि स्थानीय चुनावों के साथ-साथ एसआईआर कराना कठिन है। आयोग ने असम में एसआईआर कराने का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, असम में 1 जनवरी 2026 को 18 साल के हो रहे नए वोटरों को शामिल किया जाएगा और पुराने वोटर्स का सत्यापन किया जाएगा। फाइनल वोटर लिस्ट 10 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। यह 12 राज्यों में हो रहे एसआईआर से अलग है। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य में स्पेशल रिविजन के लिए क्वालिफाइंग डेट 1 जनवरी, 2026 होगी। यानी इस दिन तक वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जा सकेंगे। घर-घर जाकर वोटर वेरिफिकेशन 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक होगा। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन 27 दिसंबर को होगा।12 राज्यों में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

जेएससीए के बाहर छह जगहों पर गाड़ी पार्क कर सकेंगे क्रिकेट प्रेमी

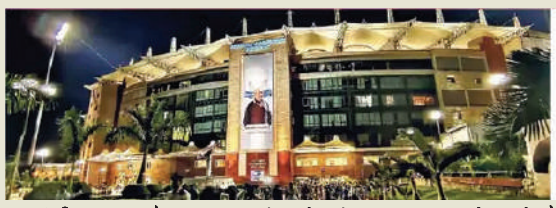

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को वनडे मैच खेला जाएगा। रांची में होने वाले इस वनडे मैच को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मैच देखने के लिए पहुंचने वाले क्रिकेट प्रेमियों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पार्किंग को लेकर हर बार जो किचकिच होती थी, इसे दूर करने के लिए इस बार एक की जगह छह पार्किंग की व्यवस्था होगी। एचईसी ने इसके लिए 6 मैदानों को चिह्नित भी कर लिया है। इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। चिह्नित 6 मैदान को टेंडर के माध्यम से एचईसी एक दिन के लिए पार्किंग के लिए देगा। एचईसी अधिकारियों की मानें तो फिलहाल टेंडर प्रक्रियाधीन है। एक से दो दिनों में टेंडर फाईनल कर लिया जाएगा। पार्किंग शुल्क में ठेकेदार की मनमानी को रोकने के लिए भी इस बार विशेष प्लान तैयार किया गया है। टेंडर में ही कार व बाइक के लिए अलग-अलग पार्किंग शुल्क निर्धारित होगा। 9 अक्टूबर 2022 को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए क्रिकेट मैच देखने के लिए पहुंचने वाले वाहन सवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। पार्किंग स्थल पर खड़े युवकों द्वारा जेएससीए की पर्ची दिखाकर अवैध वसूली करने का आरोप लगा था। पार्किंग के नाम पर मनमाना पैसा लेते हुए लाखों रुपए की अवैध वसूली की गई थी। मैच देखने के लिए पहुंचने वाले बाइक सवार से 100-200 रुपया जबकि कार सवार से 200-400 रुपए तक लिए गए थे। इस संबंध में जेएससीए ने स्टेडियम के बाहर का मामला होने की बात कहते हुए पल्ला झाड़ लिया था। क्रिकेट मैच के लिए टिकट की बिक्री 25 या 26 नवंबर से शुरू होगी। क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम के पश्चिमी गेट के पास बने काउंटर से ऑफलाइन टिकट खरीद सकेंगे। जेएससीए ने फिलहाल टिकट बिक्री के तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। टिकट का दर जारी कर दिया गया है। सबसे न्यूनतम दर की टिकट पूर्वी और पश्चिमी हिल एरिया के लिए निर्धारित की गई है। टिकट का न्यूनतम दर 1200 रुपए जबकि अधिकतम 12 हजार रुपए रखा गया है। टिकटों की बिक्री ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन भी होगी। 30 को राजधानी में चरम पर होगा क्रिकेट का रोमांच, आमने-सामने होंगी भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम एक आदमी को 5 से ज्यादा टिकट नहीं: कालाबाजारी को रोकने के लिए एक व्यक्ति को अधिकतम 5 टिकट देने का ही नियम बनाया गया है।

एसीबी ने पूर्व उत्पाद आयुक्त फैज अक अहमद से की पूछताछ, आज फिर बुलाया

रांची। शराब घोटाला में जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को तत्कालीन उत्पाद आयुक्त और वर्तमान में रामगढ़ उपायुक्त फैज अक अहमद से लंबी पूछताछ की। उनसे मैन पॉवर सप्लाई करने वाली दो प्लेंसमेंट एजेंसियों विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित सवाल पूछे गए। फैज के कार्यकाल के दौरान ही इन दोनों प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा फर्जी बैंक गारंटी देने का मामला सामने आया था। मंगलवार को एसीबी ने फैज को फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। एसीबी सूत्रों के अनुसार अगर फैज अहमद इस मामले में सरकारी गवाह बन जाते हैं तो तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसीबी इस मामले में जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। शराब घोटाला में एसीबी उत्पाद विभाग के दो पूर्व आयुक्त से पूछताछ कर चुकी है। एसीबी पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस मामले में किसके कार्यकाल में क्या कार्रवाई हुई है। ताकि उसका उल्लेख चार्जशीट में किया जा सके। एसीबी के अनुसार दो प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा फर्जी बैंक गारंटी दिए जाने की वजह से उत्पाद विभाग को 38.44 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ। इसी को आधार बनाकर एसीबी में शराब घोटाला की प्राथमिकी दर्ज की गई। एसीबी अबतक तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे, तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह, जेएसबीसीएल के तत्कालीन महाप्रबंधक सुधीर कुमार सहित एक दर्जन से अधिक को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि इनमें से अधिकतर को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

झारखंड में कामकाजी महिलाओं के लिए बनेगा 500 बेड का हॉस्टल

कामकाजी महिलाओं के लिए राज्य के पांच जिलों में 500-500 बेड का वर्किंग वूमन हॉस्टल बनेगा। पहले चरण में रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, जमशेदपुर एवं बोकारो में बनाया जाएगा। इसके बाद धनबाद और देवघर समेत चार और जिलों में बनाए जाएंगे। एक वर्किंग वूमन हॉस्टल के निर्माण पर करीब 24 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उद्योग विभाग के प्रस्ताव पर विभागीय मंत्री संजय प्रसाद यादव ने स्वीकृति दे दी है। केंद्र सरकार के गाइडलाइन के अनुसार इन छात्रावास के निर्माण के लिए राज्य सरकार निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराएगी। सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने पर राज्य सरकार उक्त जमीन का मूल्य वहन करेगी। पांच छात्रावास के लिए झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (जियाडा) द्वारा स्थल भी चिन्हित किए गए हैं। इन हॉस्टलों का निर्माण केंद्र सरकार के स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट के तहत होगा। केंद्र सरकार राज्यों को 50 वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। झारखंड को 163 करोड़ की स्वीकृति केंद्र से मिल चुकी है। इन 163 करोड़ में से पहले चरण में बनने वाले 5 कामकाजी महिला छात्रावास पर करीब 118 करोड रुपए खर्च होंगे। इसके निर्माण के लिए झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम (जिडको) ने तकनीकी स्वीकृति के साथ-साथ डीपीआर भी उपलब्ध करा दिया है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद संपत्ति का स्वामित्व उद्योग विभाग के अधीन होगा, जबकि रखरखाव की जिम्मेदारी जियाडा की होगी। औद्योगिक क्षेत्र वाले इलाकों में इन हॉस्टलों के निर्माण की रूपरेखा तय की गई है।

राजमहल एवं तालझारी प्रखंड के सभी स्कूलों का निरीक्षण किया गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज जिला के तालझारी एवं राजमहल प्रखंडों के अंतर्गत यूएमएस कस्बा, यूपीएस सैद बाजार, प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल, यूएमएस फूलबड़िया, मॉडल स्कूल सहित कई विद्यालयों का निरीक्षण जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्र उपस्थिति, मध्याह्न भोजन व्यवस्था, आधारभूत संरचना एवं शिक्षकों की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई।

संबंधित शिक्षकों को नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करने तथा समय पर विद्यालय आने का स्पष्ट निर्देश दिया गया। विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति में और सुधार लाने हेतु स्थानीय नेता, जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, अभिभावक एवं समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया।

साथ ही निर्देश दिया गया कि छात्रों को राज्य मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षकों की कमी वाले विद्यालयों में कक्षा संलग्नता के नवीन तरीकों, जैसे—संयुक्त कक्षाएं, वैकल्पिक शिक्षण विधियां, उपलब्ध मानव संसाधनों का प्रभावी उपयोग—का निर्देश दिया गया, ताकि शिक्षण कार्य बाधित न हो।शिक्षा नीति के आलोक में विद्यालयों में अतिरिक्त कमरों, कक्षाओं एवं अवसंरचना की संभावित आवश्यकता का भी स्थलीय विश्लेषण कर आवश्यक प्रतिवेदन तैयार करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।दो परीक्षा केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया, जहां शिक्षक आवश्यकता मूल्यांकन (TNA) परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही थी। परीक्षाओं की सुरक्षा, व्यवस्थापन एवं अनुशासन की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

असामाजिक तत्वों ने निर्माणाधीन स्कूल भवन का छज्जा गिराया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : गोला थाना क्षेत्र के रजरप्पा रोड स्थित एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में जिला परिषद मद से बन रहे स्कूल भवन का छज्जा को रविवार की रात को असामाजिक तत्वों ने गिरा दिया।बताया जाता है कि उक्त भवन का निर्माण कार्य सोनल सौरभ कंट्रक्शन के द्वारा किया जा रहा हैं।इस संबंध में संवेदक ने बताया कि छज्जा की ढलाई रविवार की शाम को कराने के बाद वे अपने घर निकल गए।सोमवार सुबह जब पुन कार्यस्थल पर पहुंचे तो देखा कि ढलाई किया गया छज्जा गिरा हुआ है।बताया जाता है कि उक्त विद्यालय में पिछले कुछ दिनों से असामाजिक तत्वों की टेढ़ी नजर है।ओर इससे पूर्व भी वे कई तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।लेकिन इसके बावजूद पुलिस अभी तक किसी तरह की कारवाई नहीं की है।जिसके कारण स्कूल के शिक्षकों में भय का माहौल है।

रत्न श्री पुरस्कार 2025 का पोस्टर विमोचन, आवेदन प्रक्रिया शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : स्टोरी लाइन इंडिया द्वारा झारखंड की पच्चीसवीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले रत्न श्री पुरस्कार 2025 की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। कार्यक्रम का आयोजन 20 दिसंबर को ऑड्रे हाउस, कांके, रांची में होगा। इसके लिए पोस्टर विमोचन सोमवार को वाम्स इंस्टीट्यूट, सीरम टोली चौक में किया गया, जहाँ प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए स्टोरी लाइन इंडिया की फाउंडर और रत्न श्री पुरस्कार की आयोजक साधना कुमर ने बताया कि अवार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। इच्छुक लोग व्हाट्सएप नंबर 8709109902, वेबसाइट या ईमेल के माध्यम से संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदनकर्ता को अपना प्रोफाइल भेजना अनिवार्य है। निर्णायक मंडली सभी आवेदन की समीक्षा करेगी और चयनित प्रतिभागियों को कॉल के माध्यम से सूचना दी जाएगी। साधना कुमर ने कहा कि भारत के किसी भी राज्य के लोग, जिन्हें लगता है कि वे इस सम्मान के पात्र हैं, वे जल्द से जल्द आवेदन करें। कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन के दौरान वसीम आलम, साबिर हुसैन, अवधेश ठाकुर, हुमा, अमरजीत कुमार, मेघा रानी, राजेश कुमार और साधना उपस्थित रहे।

सिविल सर्जन मिले विधायक एम टी राजा से अस्पतालों और स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति सुधारने पर हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज जिला के सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा से उनके राजमहल स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल, ग्रामीण अस्पतालों और पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में विधायक एमटी राजा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों सहित अनुमंडल मुख्यालय एवं सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त रखना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि झारखंड सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से चलाई जा रही सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान तक आमजन को मिलना चाहिए।

राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में चारदीवारी निर्माण, डेंटिस्ट और महिला चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने कहा कि इन सुविधाओं के सुदृढ़ होने से स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

पीरामल फाउंडेशन द्वारा पीवीटीजी मैत्री परियोजना के तहत कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया : मंगलवार को गोमिया प्रखंड कार्यालय के सभागार में पीरामल फाउंडेशन द्वारा पीवीटीजी मैत्री परियोजना के अंतर्गत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी मुखिया एवं सचिवों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव महतो द्वारा किया गया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सामुदायिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम सभी मिलकर बच्चों के सीखने के स्तर को उठाने के लिए प्रतिबद्ध रहें, तो निश्चित ही आने वाले समय में हमारे प्रखंड के शिक्षा परिणाम बेहतर होंगे। यह कार्यशाला ग्रामीण शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने हेतु नये उपाय, नवाचार और प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा करना रहा। साथ ही स्थानीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्य के महत्व और उसके क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी गई।

फाउंडेशन की ओर से प्रोग्राम लीडर सुश्री पौलोमी रॉय ने कार्यशाला का नेतृत्व किया। उनके साथ टीम के अभिषेक शिवहरे, वैभव घाटे, राखी और शितांशु भी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों, अनुभवों और व्यवहारिक रणनीतियों से परिचित कराया गया। अंत में मुखिया रामवृक्ष मुर्मू, तारामणि भोक्ता, शांति देवी, पार्वती देवी, बलराम रजक सोनाराम मुर्मू, विनोद विश्वकर्मा ,हाथी मिकाइल अंसारी सहित सभी मुखियाओं व पंचायत सचिव मोहसिन परवीन, राधा कुमारी सहित सभी पंचायत सचिवों ने यह संकल्प लिया कि वे पंचायतों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

मिर्जाचौकी थाना प्रभारी ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ की मासिक समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मंडरो: मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव ने मंगलवार को थाना परिसर स्थित थाना प्रभारी कार्यालय कक्ष में थाना में दर्ज कई कांडों के अनु संधानकर्ताओं के साथ मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करते हुए कई तरह के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जहां इस दौरान विभिन्न कांडों के अनुसंधानकर्ता से लंबित मामलों की प्रगति, जांच की गुणवत्ता और समयबद्ध कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस मौके पर थाना प्रभारी ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी पुलिस पदाधिकारियों को कई तरह के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

चांडिल में विवेकानंद केंद्र का नया अध्याय

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : विवेकानंद केंद्र सेवा एवं प्रशिक्षण प्रकल्प का नया भवन 19 नवंबर 2025 को सुबह 10 बजे लोकार्पित किया जाएगा। यह तिथि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन केंद्र के प्रेरणास्रोत एकनाथ रानादे का जन्मोत्सव मनाया जाता है। उसी अवसर पर इस भवन को समाज को समर्पित करने का निर्णय लिया गया है। समारोह में झारखंड के राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और भवन का उद्घाटन करेंगे।

चांडिल में विवेकानंद केंद्र की शुरुआत वर्ष 1977–78 में नौरंगराम स्वर्गीय देवी ट्रस्ट के अंतर्गत हुई थी। एकनाथ रानादे और भगवती प्रसाद खेतान ने केंद्र को वह उद्देश्य दिया, जिसमें स्वामी विवेकानंद के विचारों के आधार पर चरित्रवान और राष्ट्रभाव से प्रेरित युवाओं का निर्माण प्रमुख था। वर्षों से केंद्र संस्कार वर्ग, योग, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसी गतिविधियों के माध्यम से "मानव निर्माण से राष्ट्र निर्माण" की भावना पर काम करता आया है।

पुराने भवन में लंबे समय तक गतिविधियाँ चलने के बाद बढ़ती जरूरतों को देखते हुए नया परिसर बनाना आवश्यक हो गया था। समाज के दानदाताओं और सहयोगियों के योगदान से यह भवन अब आधुनिक और अधिक सशक्त रूप में तैयार है।

लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद और केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ, चांडिल की विधायक सविता महतो और विवेकानंद केंद्र के अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष प्रवीण देवोलकर भी शामिल होंगे। इनके साथ कई प्रमुख कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे—अनाथ मिश्रा, चिराग परमार, सुशील कुमार लाल शाहदेव, आशीष कुंडू, कालीचरण गुप्ता, गुलशन कुमार और मनोज सिंह।

नया परिसर स्थानीय युवाओं, महिला समूहों, ग्रामसभा कार्य, संस्कार शिक्षा, योग प्रशिक्षण और सेवा गतिविधियों का अहम केंद्र बनने जा रहा है। स्वामी विवेकानंद के संदेश—"उठो, जागो और स्वयं को जानो"—को आगे बढ़ाने में यह भवन आने वाले वर्षों में प्रेरणा का स्रोत बनेगा। चांडिल में कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह है और इसे क्षेत्र की एक बड़ी सामाजिक और सांस्कृतिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

उपायुक्त ने किया झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, दुलमी का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़: उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने मंगलवार को झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, दुलमी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, शैक्षणिक व्यवस्थाओं तथा छात्राओं को प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली।उपायुक्त ने आवासीय परिसर में रह रही बच्चियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की। भोजनागार, रसोईघर और खाद्य सामग्री के भंडारण की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण करते हुए उन्होंने भोजन व्यवस्था को और बेहतर तथा पौष्टिक बनाए रखने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चियों से विद्यालय के माध्यम से प्राप्त हो रही सुविधाओ शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, खेलकूद और सुरक्षा के संबंध में उनके अनुभव और सुझाव जाने। उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि प्रशासन हमेशा बालिकाओं के हित में समर्पित है और किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा।उन्होंने विद्यालय की कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, कक्षाओं, खेल सामग्री एवं अन्य संसाधनों का निरीक्षण किया। लैब में उपलब्ध उपकरणों की कार्यशीलता, डिजिटल शिक्षण सामग्री की उपलब्धता तथा पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या एवं उपयोग की स्थिति की जानकारी ली।उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि बच्चियों को शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों और खेलकूद के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि खेल, रचनात्मकता और तकनीकी शिक्षा से बालिकाओं के आत्मविश्वास और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।अंत में, उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को सभी सुविधाओं के नियमित रखरखाव, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा छात्राओं की सुरक्षा मानकों को लगातार प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम, प्रखंड विकास पदाधिकारी दुलमी अमित कुमार, अंचल अधिकारी दुलमी किशोरी यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शेरे आलम बने कसमार प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि

प्रखंड स्तरीय बैठकों में करेंगे प्रतिनिधित्व

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के युवा झामुमो नेता शेरे आलम को गोमिया विधायक सह राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कसमार प्रखंड का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस मनोनयन के साथ शेरे आलम अब कसमार प्रखंड मुख्यालय स्तर पर आहूत सभी बैठकों में विधायक का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री ने उन्हें अधिकृत करते हुए कहा है कि वे जनसमस्याओं और विकास कार्यों के समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। शेरे आलम की इस नियुक्ति से उनके समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। स्थानीय स्तर पर उनकी सक्रियता, संगठन में पकड़ और लोगों से जुड़ाव को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गयी है। मनोनयन के बाद उन्होंने मंत्री योगेंद्र प्रसाद के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे जनता और संगठन के विश्वास पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। उनकी नियुक्ति पर प्रखंड बीस सूत्री समिति सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार हेंब्रम, सोहेल अंसारी, सुभाष चंद्र ठाकुर, कुलदीप करमाली, मोबिन अंसारी, शास्त्री मुर्मू, धनंजय स्वर्णकार सहित कई नेताओं ने बधाई दी है।

जमीन के नेचर परिवर्तन व मुआवज़े को लेकर ग्रामीण जाएंगे हाईकोर्ट

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के मुरहूलसूदी पंचायत में मंगलवार को ग्रामीणों की एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई, जिसमें जमीन के गलत नेचर दर्ज होने और उचित मुआवजा नहीं मिलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक की अध्यक्षता सिद्धेश्वर महतो ने की। ग्रामीणों ने बताया कि 2016-17 में जिन जमीनों का सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहण किया गया था, उनका वास्तविक स्वरूप आज तक राजस्व अभिलेखों में परिलक्षित नहीं किया गया है। जहां लोगों के पक्के मकान और आबादी मौजूद है, उस भूमि को रिकॉर्ड में कृषि नेचर दिखा दिया गया है। इस वजह से मुआवज़ा भी पुराने और न्यूनतम दरों पर दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि अंचल कार्यालय से लेकर जिला स्तर तक कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हाल ही में एक विस्तृत आवेदन मुख्यमंत्री सचिवालय को भी भेजा गया है, जिसमें सही नेचर दर्ज करने और उचित मुआवज़ा सुनिश्चित कराने की मांग की गई है।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब इस मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की जाएगी, ताकि प्रभावित परिवारों को न्याय मिल सके। बैठक में सिद्धेश्वर महतो के अलावा राजेंद्र महतो, रामविलास महतो, केदार महतो, लालमोहन महतो, विनोद बिहारी मुंडा,जयराम करमाली, देवेन महतो, अखिलेश्वर महतो, बेनीलाल महतो, रामचरण महतो, कामेश्वर महतो, मंगरू महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

कसमार प्रखंड में पंचायतवार शिविरों की तिथियां की गयी घोषित

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड में आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के तहत विभिन्न पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों की तिथियां तय कर दी गयी हैं। बीडीओ नम्रता जोशी द्वारा जारी सूचना के अनुसार 21 नवंबर से लेकर 15 दिसंबर 2025 तक क्रमवार पंचायतों में शिविर लगेगा। प्रत्येक शिविर सुबह साढ़े 10 बजे से लेकर अपराह्न साढ़े 3 बजे तक संचालित होगा। अभियान के दौरान आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ स्थल पर ही उपलब्ध कराने, प्रमाण-पत्र निर्गत करने, शिकायतों के निदान और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बताया गया कि 21 नवंबर को दांतू पंचायत भवन, 24 को पोण्डा, 25 को सोनपूरा, 27 को गर्री, 28 को बरईकला, 29 को मधुकरपुर, एक दिसंबर को दुगदा, दो को बगदा, चार को मंजूरा, पांच को टांगटोना, नौ को खैराचातर, दस को सिंहपुर, 12 को मुरहूलसूदी, 13 को हिसीम तथा 15 दिसंबर को प्रखंड मुख्यालय, कसमार में शिविर लगेगा। बीडीओ ने ग्रामीणों से निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

राज्यस्तरीय टीम ने किया कुष्ठ रोगी खोज अभियान का औचक निरीक्षण

कसमार (बोकारो) : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कसमार अन्तर्गत कुष्ठ रोगी खोज कार्यक्रम 2025 में कार्यरत टीम का औचिक निरीक्षण मंगलवार को राज्य स्तरीय टीम द्वारा किया गया। टीम के सेंट्रल मॉनिटर लाल बाबू सिंह ने दल द्वारा किये गए अब तक के कार्यो का अवलोकन किया एवं दल के सदस्यों को इस कार्य को और बेहतर कार्य करने को निर्देश दिया। इसके पूर्व राज्यस्तरीय टीम के सदस्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद कसमार पहुँचकर इस कार्यक्रम से सम्बंधित आवश्यक कार्यो के विषय में पीएमडब्लू राजेश कुमार से प्राप्त किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसमार द्वारा अब तक किये प्रतिदिन के रिपोर्ट को देखा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। कार्यक्रम में शामिल पर्यवेक्षकों में अमित विक्रम, अविनाश रंजन एवं कविता टैगोर से मिलकर उनसे भी अब तक किये गए रिपोर्ट की जानकारी ली। राज्यस्तरीय टीम के सदस्यों में लाल बाबू सिंह सेंट्रल मॉनिटर के अलावा काशीनाथ चक्रवर्ती, एनएलआर मोहम्मद सज्जाद आलम, जिला कुष्ठ सलाहकार व अन्य लोग शामिल थे।

संगीत समारोह में शास्त्रीय व सुगम संगीत की सुमधुर प्रस्तुतियों से कलाकारों ने बांधा समां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : वरिष्ठ संगीतज्ञ पं. बच्चन जी महाराज के संयोजन में सेक्टर 5 बोकारो क्लब के बैडमिंटन हॉल में ध्रुपद सम्राट पं रामवृक्ष पाठक अखिल भारतीय संगीत समारोह का आयोजन किया गया। आईडी शाह कॉलेज ऑफ म्यूजिक, डांस एंड फाइन आर्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस संगीत समारोह में बोकारो व बाहर से आये ख्याति प्राप्त कलाकारों के साथ ही कुछ उदीयमान कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को आनंदित किया। संगीत समारोह का उद्घाटन बीएसएल के डीजीएम संजय कुमार शर्मा व उनकी धर्मपत्नी सरिता शर्मा, दूरदर्शन व आकाशवाणी के गायक पं. कृष्ण मोहन पाठक, देश-विदेश में कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुके पं. शैलेन्द्र कुमार पाठक, बोकारो की संगीतज्ञ उषा रानी पाठक ने किया। कार्यक्रम संयोजक पं. बच्चन महाराज ने आगंतुकों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया।

उन्होंने कहा कि संगीत व कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन बीच बीच में संस्था द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम में एक ओर जहां ख्याति प्राप्त कलाकारों को सुनने का अवसर संगीत प्रेमियों को मिलता है, वहीं नवोदित कलाकारों को भी मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत कृष्णा तुलसी द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। तबले पर राजू गोस्वामी ने संगति की। तत्पश्चात आराध्या, कनक आनंद, आरोही मिश्रा, अद्विका मिश्रा ने राग यमन में गायन प्रस्तुत किया। तबले पर रुद्र आनंद ने साथ दिया। हिमांशु राज ने राग पटदीप सुनाया इनके साथ तबले पर पीयूष अनुराग ने संगति की। अथर्व श्रेष्ठ ने एकल तबला वादन व आदित्य राज ने एकल गिटार वादन प्रस्तुत किया। शंकर कुमार के ख्याल गायन में तबले पर आदित्य दुबे ने संगति की। सूरज गोस्वामी, पंडित श्याम गोस्वामी, शंकर कुमार, सूरज ठाकुर ने भजन प्रस्तुत किया। इनके साथ तबले राजू गोस्वामी, शंकर कुमार, दीप नारायण गोस्वामी व हरेक नाथ गोस्वामी ने संगति की। पं. बच्चन महाराज के शिष्य हिमांशु शेखर मिश्रा ने एकल तबला वादन प्रस्तुत किया। चंद्रकांत शर्मा ने राग श्याम कल्याण एवं नंद, मिलन गोस्वामी राग बागेश्री में ख्याल गायन, प्रभा मोहनन नायर ने कर्नाटक शैली में राग भीमपलासी में गायन, हरेक नाथ गोस्वामी ने राग बिहाग, पं. शैलेन्द्र कुमार पाठक ने राग भूपकल्याण, पं अभिराम पाठक ने राग बिहाग में धुरपद, पं कृष्ण मोहन पाठक ने राग अड़ाना, धुरपद व धमार सुनाकर शास्त्रीय संगीत के कद्रदानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनके साथ पखावज पर पं. राम वचन पाठक उर्फ बच्चनजी महाराज ने संगति की। इस अवसर वरिष्ठ संगीतज्ञ डॉ राकेश रंजन, अरुण पाठक, सुमन उपाध्याय, श्रुति रंजन, अरुण कुमार, कमलेश मिश्र, शैलेश कुमार हिमांशु आदि संगीत प्रेमी श्रोता उपस्थित थे।

शिकायतें जिला मुख्यालय तक न पहुंचें, पूरी निष्ठा से काम करें क्षेत्रीय पदाधिकारी : उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के प्रशासनिक मुखिया ने आज जिले के क्षेत्रीय पदाधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने मंगलवार को आयोजित नियमित जनता दरबार में स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतों का निष्पादन त्वरित और संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता की शिकायतें जिला स्तर तक न पहुंचें।

जनता दरबार में आज लगभग 60 से ज्यादा मामले पहुंचे, जिसमें आमजन अनेकों मामले एवं शिकायतों को लेकर उपायुक्त के समक्ष हाजिर हुए। इनमें ज्यादातर शिकायतें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड के साथ-साथ भूमि विवाद से संबंधित थीं। उपायुक्त श्री झा ने एक-एक कर सभी के आवेदन एवं शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों की त्वरित जांच करते हुए इसके निष्पादन के लिए निर्देशित किया। डीसी झा ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अपने कार्यालय कार्यों को पूरी जवाबदेही एवं गंभीरता से करें। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ आम जनता के साथ व्यवहार करने का निर्देश दिया। जनता दरबार के दौरान अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मानदेय नहीं मिलने से जैनामोड़ की 10 पंचायतों में 22 नवंबर से बंद होगी जलापूर्ति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

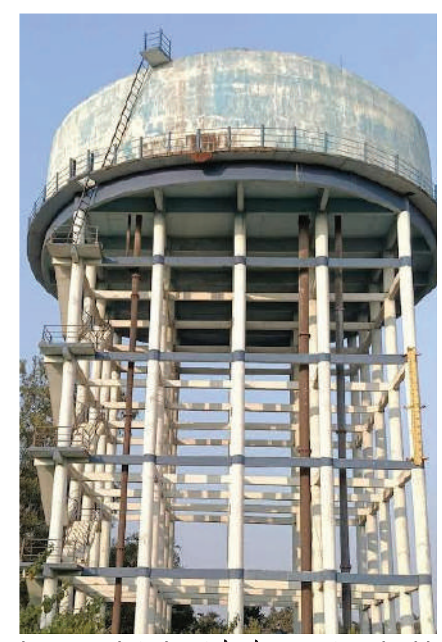

बोकारो : जैनामोड़ ग्रामीण जलापूर्ति योजना से जुड़ी 10 पंचायतों के घरों में आगामी 22 नवंबर से रोजाना सुबह मिलने वाला सप्लाई पानी बंद हो जाएगा। खुटरी स्थित पानी टंकी से जलापूर्ति करने वाले आठ कर्मचारियों ने यह कड़ा कदम उठाने की घोषणा की है।

कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें बहु पंचायत समिति से विगत पांच महीने से बकाया मानदेय नहीं मिला है, जिसके कारण उनके घर चलाने में भारी दिक्कत हो रही है। कर्मचारियों ने अपनी मजबूरी बताते हुए कहा, पानी बंद करना पाप होगा, पर हमारी भी मजबूरी है।

कर्मचारियों ने बताया कि मानदेय के अलावा, तुपकाडीह पम्प हाउस समेत कई स्थानों पर मेन पाइप लाइन में लीकेज और वितरण पाइप में लगभग पचास जगह फटा होना भी काम करने में बड़ी बाधा है। कर्मी सरयू महतो, अरुण मरांडी, विशेश्वर ठाकुर, सत्यम मिश्रा और मुकेश महतो ने बताया कि मेन रोड की मरम्मत के समय मशीन से तीन-चार स्थानों में पाइप दब गया है। पंप हाउस में लगा बिजली कनेक्शन भी खराब है, जिससे जैसे-तैसे मशीन चलाकर पानी उठाना पड़ता है। बहु पंचायत समिति को जानकारी देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती। इधर, प्रमुख देवनारायण भगत ने कहा कि थोड़ी परेशानी है और जल्द ही मानदेय देने पर विचार किया जा रहा है।

बीएसएल में तकनीकी ज्ञान का महाकुंभ, फर्नेस लाइफ बढ़ाने की रणनीति पर हुई कार्यशाला में जुटे देश के महारथी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) आज देश के प्रमुख स्टील प्लांट्स और औद्योगिक साझेदारों के लिए तकनीकी नवाचार का केंद्र बन गया। री-हीटिंग फर्नेस कैम्पेन लाइफ को बढ़ाने तथा फर्नेस में स्केल फॉर्मेशन को कम करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आज एचआर-एलएंडडी विभाग एवं हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एलईओ (लर्निंग, एक्सेलेंस व ऑप्टिमाइजेशन) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में सेल की भिलाई, राउरकेला, बोकारो, इस्को बर्नपुर और दुर्गापुर स्टील प्लांट, आरडीसीआईएस सहित देश के प्रमुख निजी स्टील प्लांट्स जैसे जेएसडब्ल्यू विजयनगर वर्क्स तथा जिंदल स्टील प्लांट, ओडिशा एवं औद्योगिक साझेदार जैसे डेनिएली इंडिया और फाइव्स स्टीन इंडिया के इंजीनियरों, मेंटेनेंस प्रोफेशनल्स एवं फर्नेस विशेषज्ञों ने सक्रिय भागीदारी की। यह आयोजन ज्ञान के आदान–प्रदान हेतु एक उत्कृष्ट सहयोगात्मक मंच सिद्ध हुआ।

नियमित मेंटेनेंस पर जोर– कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) ए. के. दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सर्विसेज) अरविंद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एफएंडए) निर्मल कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) पी. के. वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) नीता बा की उपस्थिति में हुआ।

स्वागत संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) पी. के. वर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्य को फर्नेस मेंटेनेंस, परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन एवं कैम्पेन लाइफ इंप्रूवमेंट के क्षेत्र में तकनीकी उत्कृष्टता और सहयोग को बढ़ावा देने वाला बताया।

अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाते हुए री-हीटिंग फर्नेस की नियमित एवं प्रिवेंटिव मेंटेनेंस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्केल एवं रस्ट फॉर्मेशन को नियंत्रित करने से न केवल फर्नेस की आयु बढ़ती है, बल्कि उत्पाद की गुणवत्ता और परिचालन लागत में भी उल्लेखनीय सुधार होता है।

तकनीकी सत्रों में एडवांस्ड प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, रिफ्रैक्ट्री रणनीतियाँ और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। यह कार्यशाला स्वस्थ, तकनीकी रूप से जागरूक एवं सशक्त औद्योगिक परिवेश के निर्माण की दिशा में बीएसएल की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करती है।

बीएसएल के मन्नान अली ने राष्ट्रीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में जीता रजत पदक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में कार्यरत मन्नान अली ने राष्ट्रीय स्तर पर प्लांट और राज्य का नाम रौशन किया है। उन्होंने 35वीं राष्ट्रीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एवं इंक्लाइन बेंच प्रेस चैम्पियनशिप 2025–2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इंक्लाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता (95 किलोग्राम वर्ग) में रजत पदक जीतकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

यह राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भारतीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग फेडरेशन के तत्वावधान में सिक्किम स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा 10 से 13 नवंबर, 2025 तक गंगटोक में आयोजित की गई थी। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच श्री अली ने अपने उत्कृष्ट कौशल, तकनीक, शक्ति, अनुशासन और खेल-भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। बीएसएल शीर्ष प्रबंधन ने मन्नान अली की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

राजकीयकृत उमवि नई बस्ती की दयनीय स्थिति, एक कमरे में तीन कक्षाओं के विद्यार्थी पढ़ने को विवश

राष्ट्रीय मुख्यधारा : कुमार संजय

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के डीवीसी पुर्नवासित गांव नई बस्ती स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय (उमवि) की शैक्षिक व्यवस्था जर्जर भवनों के साये में चल रही है। विद्यालय के छह कमरों की स्थिति वर्तमान में अत्यंत दयनीय है, जिसके चार कमरों का प्लास्टर गिर चुका है और छत से लोहे की छड़ें दिखाई दे रही हैं। राज्य सरकार की ऐसी व्यवस्था सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों की बराबरी का दंभ भरने की खोखली दावेदारी को उजागर करती है।

एक एकड़ 37 डिसमिल जमीन पर वर्ष 1953 में डीवीसी ने पुर्नवासित गांव के बच्चों की पढ़ाई के लिए इस विद्यालय की स्थापना की थी, लेकिन कालांतर में डीवीसी ने भी इसकी सुध लेना छोड़ दिया। स्थापना के समय प्राथमिक तक की पढ़ाई होती थी, जिसे बाद में उत्क्रमित कर आठवीं तक कर दिया गया। वर्तमान में स्कूल में 101 बच्चे नामांकित हैं, परंतु कमरों के घोर अभाव के कारण आठवीं तक के बच्चों की पढ़ाई महज तीन कमरों में मैनेजिंग सिस्टम के तहत करवाई जा रही है। एक कमरे में कक्षा छह से आठवीं, दूसरे में कक्षा चार एवं पांचवीं तथा तीसरे कमरे में कक्षा एक से तीन तक के विद्यार्थी जैसे-तैसे बैठकर पढ़ने को विवश हैं। अन्य दो कमरों में से एक में स्कूल की लाइब्रेरी और दूसरे में प्रधानाध्यापक) का कार्यालय है।

स्कूल में आठवीं तक की पढ़ाई स्कूल के एचएम मो. इबरार अहमद के अलावा केवल दो पारा शिक्षकों के भरोसे चल रही है। जर्जर कमरों की हालत यह है कि सुरक्षा की दृष्टि से उनमें ताला बंद कर रखना पड़ रहा है। एचएम मो. इबरार अहमद ने बताया कि विद्यालय के सभी जर्जर कमरों की मरम्मत और निर्माण के लिए प्रखंड कार्यालय से लेकर डीवीसी बोकारो थर्मल सीएसआर और सीसीएल स्वांग-गोविंदपुर के पीओ को दर्जनों बार लिखित पत्र दिया जा चुका है, परंतु कहीं से भी कमरों की मरम्मत या निर्माण कार्य नहीं किया गया। स्कूल की चारदीवारी को ऊंचा करवाने के लिए अरमो पंचायत के मुखिया से भी आग्रह किया गया, लेकिन वह भी नहीं हो सका, जिसके कारण स्कूल में चोरी का भय बना रहता है। स्कूल के सामने ही गिरिडीह सांसद के प्रतिनिधि जितेंद्र यादव का आवास होने के बावजूद, उनके द्वारा भी स्कूल की मरम्मत करवाने को लेकर कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। इस उपेक्षा के कारण स्कूल प्रबंधन वर्तमान में जैसे-तैसे तीन कमरों में ही शिक्षा व्यवस्था चलाने को विवश है।

पीवीटीजी मैत्री परियोजना के तहत कार्यशाला आयोजित, शैक्षणिक उत्थान का सामुदायिक संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया (बोकारो) : गोमिया प्रखंड कार्यालय के सभागार में पीरामल फाउंडेशन ने अपनी महत्वाकांक्षी पीवीटीजी मैत्री परियोजना के तहत एक विशेष कार्यशाला मंगलवार को आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण आयोजन में क्षेत्र के सभी मुखियाओं एवं पंचायत सचिवों ने उत्साहपूर्वक और सक्रिय रूप से भाग लिया, जो ग्रामीण शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में सामुदायिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने प्रभावी संबोधन में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सामुदायिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम सभी मिलकर बच्चों के सीखने के स्तर को उठाने के लिए प्रतिबद्ध रहें, तो निश्चित ही आने वाले समय में हमारे प्रखंड के शिक्षा परिणाम बेहतर होंगे। यह कार्यशाला ग्रामीण शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने हेतु नए उपायों, नवाचारों और प्रभावी रणनीतियों पर गहन चर्चा करना रहा। इसके अतिरिक्त, स्थानीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्य के महत्व और उनके सफल क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी गई, जो प्रतिभागियों को वैश्विक लक्ष्यों से जोड़ने का एक प्रयास था।

फाउंडेशन की ओर से प्रोग्राम लीडर सुश्री पौलोमी रॉय ने इस कार्यशाला का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया। उनके साथ टीम के सदस्य अभिषेक शिवहरे, वैभव घाटे, राखी, और शितांशु भी उपस्थित रहे, जिन्होंने मिलकर पूरे कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को बच्चों की सीखने की क्षमता को अधिकतम करने हेतु विभिन्न गतिविधियों, अनुभवों और व्यवहारिक रणनीतियों से परिचित कराया गया। कार्यशाला का समापन एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। मुखिया रामवृक्ष मुर्मू, तारामणि भोक्ता, शांति देवी, पार्वती देवी, बलराम रजक, सोनाराम मुर्मू, विनोद विश्वकर्मा, हाथी मिकाइल अंसारी सहित सभी मुखियाओं और पंचायत सचिव मोहसिन परवीन, राधा कुमारी सहित समस्त पंचायत सचिवों ने यह दृढ़ संकल्प लिया कि वे अपने-अपने पंचायतों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर और समर्पित प्रयास करते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

रक्तदान शिविर में 36 यूनिट रक्त संग्रह

धनबादः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निरसा एवं भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 36 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिसे सदर अस्पताल धनबाद के ब्लड सेंटर को सुपुर्द कर दिया गया।

शिविर का उद्घाटन निरसा विधायक अरूप चटर्जी, मुस्कान संस्था की ललिता चौहान, एसडीपीओ निरसा रजत मानिक बाखला, डाक्टर रोहित गौतम ने फीता काट किया।

शिविर के आयोजन में चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, चेयरमैन सलाहकार सह कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, नोडल पदाधिकारी वाहन देवेन्द्र कुमार, डीआरसीएचओ डॉ रोहित गौतम, प्रभारी स्वास्थ्य केंद्र निरसा डॉ.मृणाल श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष झामुमो लक्खी सोरेन, सीओ निरसा, बीडीओ निरसा एवं दुर्गा सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सड़क किनारे लगे अवैध दुकानों पर अतिक्रमण अभियान चलाया गया

साहिबगंज जिला के नगर परिषद् के निर्देश पर आज नगर प्रबंधक और बृजेश कुमार के नेतृत्व में रेलवे के जीआरपी मंदिर से नगर थाना के गांधी चौक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे अस्थायी रूप से अव्यवस्थित तरीके से लगाए गए दुकानदारों को पीछे हटाया गया तथा उन्हें सख्त हिदायत दी गई कि वे दोबारा दुकान को आगे की ओर न बढ़ाएँ।

टीम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सड़क पर अतिक्रमण से आम जनता की आवाजाही प्रभावित होती है और यातायात व्यवस्था बाधित होती है, इसलिए भविष्य में अतिक्रमण पाए जाने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत में मतदाता सूची से नाम गायब, मुखिया ने सौंपा हस्ताक्षरयुक्त आवेदन

गोमिया : गोमिया प्रखंड की लोधी पंचायत में मतदाता सूची से लोगों के नाम गायब होने का गंभीर मामला सामने आया है। लोधी पंचायत की मुखिया जुबेदा खातून ने मंगलवार को गोमिया प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी आफताब आलम को एक ग्रामीण सहस्ताक्षरित आवेदन सौंपा।

मुखिया ने बताया कि पंचायत के ग्राम लोधी, टोला कोडवा एवं प्रतिया के कई मतदाता वर्षों से नियमित रूप से मतदान करते आ रहे हैं और उनके मतदाता पहचान पत्र भी उपलब्ध हैं। बावजूद इसके, वर्तमान में चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएआर) कार्य के अंतर्गत आवश्यक वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पंचायत के कई लोगों के नाम दर्ज नहीं हैं। साथ ही, वर्तमान मतदाता सूची के भाग संख्या 29 में भी उनके नाम नहीं मिल रहे हैं।

लोगों ने मांग की है कि उनके नाम भाग संख्या 29 में सम्मिलित कर एसएआर प्रक्रिया पूरी कराई जाए, ताकि वे आगामी चुनाव में मतदान कर सकें। इस संबंध में प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी आफताब आलम ने बताया कि मतदाता सूची का भाग संख्या 29 अभी उपलब्ध नहीं है, उसे मंगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही संबंधित शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

विद्यार्थियों में नवाचार की सोच को मजबूत बनाता है मंचः प्रो.पंकज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

सिंदरी (धनबाद): इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC 8.0), बीआइटी सिंदरी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय नवाचार महोत्सव आइडिया ट्राइब के प्रथम दिन मंगलवार का सत्र रचनात्मकता, तकनीकी दृष्टिकोण और सामाजिक समस्याओं पर आधारित समाधान प्रस्तुतियों के साथ हुआ। बीआइटी सिंदरी, आरवीएस जमशेदपुर , जीइसी बोकारो, गोड्डा, कोडरमा, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक धनबाद तथा अन्य तकनीकी संस्थानों से चयनित टीमों ने अपने नवाचारी विचार विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

इस अवसर पर सिंदरी के निदेशक प्रो.(डॉ.) पंकज राय ने कहा कि ऐसे राज्य स्तरीय मंच विद्यार्थियों में नवाचार की सोच को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि "आइडिया ट्राइब" जैसे आयोजन युवाओं को वास्तविक समस्याओं से जुड़ने और समाज के लिए सार्थक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

IIC 8.0 के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. (डॉ.) प्रकाश कुमार ने कहा कि आइडिया ट्राइब कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल युवा नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहित करना है, बल्कि ट्राइब समुदाय में भविष्य के उद्यमियों का निर्माण करना और झारखंड के संपूर्ण स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त

बनाना भी है।

मुख्य अतिथि हरेंद्र सिंह, सीईओ, असर्फी हॉस्पिटल, ने कहा कि नवाचार तभी सार्थक होता है जब वह समाज और समुदाय के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उन्होंने प्रतिभागियों और आयोजनकर्ताओं को शुभ कामनाएं दी ।

विशिष्ट अतिथि अर्पणा रावल, उद्यमी (ESG & Consulting), ने प्रतिभागियों को बताया कि मूल्यांकन में स्पष्टता, व्यवहारिकता और सामाजिक प्रभाव जैसे मानदंडों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीकी सरलता और स्थानीय आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

प्रथम दिवस की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन एक विशिष्ट निर्णायक मंडली प्रो.(डॉ.) प्रकाश कुमार, अर्पणा रावल, रवि रंजन सिंह (स्टार्टअप झारखंड), देबाशीष चटर्जी (सीनियर मैनेजर—टेक्निकल्स, TEXMiN हब, IIT ISM धनबाद), सुमित कुमार (डायरेक्टर एवं CEO, VISAPEN), सुजीत श्रीवास्तव (असिस्टेंट डायरेक्टर, MSME धनबाद), डॉ.जनार्दन प्रसाद (पूर्व छात्र, BIT सिंदरी), प्रो. एससी दत्ता (वाइस प्रेसिडेंट, IIC 8.0), प्रो.विजय कुमार बेसरा (R&D ऑफिसर, IIC 8.0), प्रो.मुकेश चंद्र (इनोवेशन कोऑर्डिनेटर, IIC 8.0) तथा राजेन दासगुप्ता (एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, TEXMiN हब, IIT ISM धनबाद) द्वारा किया गया।

दिनभर प्रतिभागी टीमों ने स्वास्थ्य, पर्यावरण, डिजिटल परिवर्तन, ग्रामीण विकास, सततता और राज्य-विशिष्ट समस्याओं से जुड़े अनेक नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों में प्रतिभागियों की विषय-ज्ञान की समझ और समाज में प्रभावकारी बदलाव लाने की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

पहले दिन की सफल पूर्णता के साथ आइडिया ट्राइब प्रतियोगिता अब दूसरे और अंतिम दिन की ओर बढ़ रही है, जिसमें शेष प्रस्तुतियां होंगी और विजेताओं की घोषणा की जाएगी। यह आयोजन झारखंड में नवाचार, उद्यमिता और युवा-नेतृत्व वाली समस्या-समाधान क्षमता को प्रोत्साहित करने में बीआइटी सिंदरी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की शिकायतें, शीघ्र समाधान करने का दिया भरोसा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों की शिकायत सुनी। उन्होंने आमजनों को उनकी शिकायत का शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिया।

जनता दरबार में गोविंदपुर, थापर नगर, टुंडी, बरवाअड्डा, बलियापुर, कलियासोल, पाथरडीह, निरसा, जोरापोखर, झरिया, महुदा सहित अन्य क्षेत्रों से आमजन पहुंचे थे।

जनता दरबार में गोविंदपुर की सखीना बीवी ने पति के उपचार, तेलीपाड़ा के भवानी ओझा ने अपने पुत्र के इलाज, निरसा के भक्त गोराई ने उनके बच्चे के इलाज तथा धनसार के सुमित कुमार ने बीमारी के इलाज के लिए सहायता प्रदान करने की गुहार लगाई।

वहीं बरवाअड्डा के दुबे हाजरा ने ऑनलाइन पंजी टू में नाम दर्ज कराने, बलियापुर के कमली महताईन ने आम रास्ता बंद कर देने, कलियासोल के प्रतीक कुमार चंद्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने का आवेदन दिया। जबकि बेकारबांध की किशोर कुमार रजक ने उनकी जमीन के ऊपर से हाई टेंशन तार हटाने, झरिया के रंजीत यादव ने भौंरा आठ नंबर के दलित परिवारों को पुनर्वास कराने, पीठाकियारी के बुलू पांडेय ने अबुआ आवास निर्माण में स्थानीय लोगों द्वारा बाधा पहुंचाने की शिकायत की।

उपायुक्त ने आमजनों के आवेदनों का त्वरित निष्पादन करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

जनता दरबार में प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद मौजूद थे।

समाहरणालय परिसर में नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

» नशामुक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का लिया गया संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः नशा मुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगाँठ के अवसर पर मंगलवार को समाहरणालय परिसर में नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर पदाधिकारियों और कर्मियों को यह शपथ दिलाई गई।

इस संक्षिप्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने नशामुक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। एडीएम सप्लाई

जियाउल अंसारी ने सभी उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई।

शपथ संदेश में कहा गया कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं और उनकी शक्ति का समाज व देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए नशामुक्त भारत अभियान में युवाओं का सर्वाधिक संख्या में जुड़ना आवश्यक है। सभी ने स्वयं को, परिवार को और समुदाय को नशामुक्त बनाने की प्रतिज्ञा ली, यह मानते हुए कि बदलाव की शुरुआत स्वयं से होती है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करना है। इसके तहत आज सभी प्रोजेक्ट तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में भी शपथ दिलाई गई।

दिनदहाड़े युवक को मारी गोली, हालत नाजुक, बाइक सवार अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

झरिया (धनबाद): झरिया थाना क्षेत्र के कतरास मोड़ स्थित रतनजी पेट्रोल पंप के पास मंगलवार दोपहर अपराधियों ने एक युवक को दिनदहाड़े गोली मार दी। गोली सीधे युवक के सिर में लगी, जिससे वह घटनास्थल पर ही गंभीर रूप से जख्मी होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही झरिया पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी युवक को अपनी गाड़ी से तत्काल इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है।

पुलिस ने घटनास्थल से युवक का मोबाइल फोन, एक चप्पल और एक खाली खोखा बरामद किया है। सभी सामानों को फॉरेंसिक जांच के लिए कब्जे में लिया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली

मारने के बाद बाइक सवार अपराधी तेजी से भाग निकले। घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई है। बताते हैं कि बाइक सवार अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। जख्मी युवक पैदल जा रहा था।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि घटना किसी पुरानी रंजिश या आपसी विवाद में हुई या किसी अन्य कारण से।

झरिया थाना प्रभारी ने बताया कि अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

गैर–अधिग्रहित भूमि पर आईईएल के हस्तक्षेप से आक्रोश; ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया (बोकारो) : पलिहारी–गुरूडीह पंचायत स्थित पंचायत भवन में विस्थापित संघर्ष समिति, गोमिया की एक महत्त्वपूर्ण बैठक समिति के अध्यक्ष विनय महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में भूमि अधिग्रहण और आईईएल (आईईएल) प्रबंधन द्वारा हाल ही में गैर-अधिग्रहित भूमि पर किए गए कथित हस्तक्षेप को लेकर विस्थापितों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। समिति के सचिव राकेश कुमार ने जानकारी दी कि निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज के लिए प्रस्तावित यह भूमि गोमिया एवं पलिहारी–गुरूडीह पंचायत के रेयतों व विस्थापितों की निजी संपत्ति है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया

जिला भू-अर्जन कार्यालय में पूरी हो चुकी है, और मुआवजा भुगतान हेतु फरवरी 2025 में नोटिस भी जारी किया जा चुका है। वर्तमान में, मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके बावजूद, आईईएल प्रबंधन द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना और असंवैधानिक तरीके से जेसीबी मशीन लगाकर भूमि की साफ-सफाई कराना अत्यंत निंदनीय है।

ग्रामीणों का स्पष्ट मत है कि यह भूमि आईईएल के अधिग्रहण क्षेत्र से बाहर है, इसलिए कंपनी का यह हस्तक्षेप पूर्णतः अनुचित और अमान्य है। बैठक में उपस्थित विस्थापितों ने प्रबंधन को सीधी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि आईईएल प्रबंधन भविष्य में इस प्रकार की गतिविधि दोबारा दोहराता है, तो विस्थापितों सहित पूरे गोमिया के लोग आईईएल के मुख्य द्वार पर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

इस विरोध बैठक में विस्थापित नेता मुकेश कुमार, सूरज कुमार, अरविंद कुमार, चमन प्रजापति, रोशन सोनी, रामचंद्र प्रसाद, नंदकिशोर साव, महेश चौधरी, अमित कुमार, संजय पासवान, नवल किशोर साहू, नरेश साहू, शांति देवी, प्रवेश कुमार, रोहित पासवान, लोकनाथ ठाकुर, मनोज कुमार, किशोर नायक सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

बीडीओ ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बैठक कर दिया दिशा निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

टुंडी (धनबाद): सरकार आपके द्वार के पांचवें संस्करण का सफल क्रियान्वयन को लेकर बीडीओ विशाल कुमार पांडेय की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रखंड सभागार में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अंचल, प्रखंड, बाल विकास आदि कार्यालय के कर्मियों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्तियों को दिलाने के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही कल्याण मंच से वितरण के लिए हर दिन सभी विभागों से लाभुकों को ऑन स्पोर्ट प्रमाण पत्रों एवं सरकारी परिसम्पति वितरण का रूप रेखा तैयार किया गया। साथ ही बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि 21 नवम्बर से शुरू हो रहे इस कार्यक्रम को पंचायत में विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार कर हर अहर्ता प्राप्त योग्य व्यक्ति

को शिविर में बुलाकर उसको लाभ दिलाने को लेकर भी चर्चा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ के अलावे बीपीआरओ बबलेश शाह, बीपीओ उदित नारायण महतो, प्रखंड समन्वयक गोरी शंकर यादव,प्रभारी अंचल निरीक्षक मो शहाबुद्दीन, राजस्व उप निरीक्षक अशोक कुमार महतो, चितरंजन सिन्हा, धनेश्वर भोक्ता, उदित महतो, गौरी शंकर चौधरी के अलावे बल विकास कार्यालय के महिला पर्यवेशिकाओं ने भाग लिया।

असर्फी अस्पताल में तोड़फोड़ व पुलिस बल पर पथराव करनेवाले छह आरोपी गिरफ्तार

» मरीज की मौत के बाद मचा था उपद्रव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद के असर्फी अस्पताल में उपद्रव मचाने व पुलिस बल पर पथराव करने के आरोप में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पिछले माह 24 अक्टूबर की रात 8 लेन में सड़क में नंदू राय नामक युवक सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ था। इलाज के लिए उसे असर्फी अस्पताल लाया गया था, इसी क्रम में नन्दु राय को चिकित्सक के द्वारा मृत घोषित कर दिया गया था। बाद में मृतक के परिजनों एवं सहयोगियों के द्वारा असर्फी अस्पताल में जमकर उपद्रव मचाते हुए चिकित्सकों के साथ गाली गलौज एवं मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। साथ ही अस्पताल

का करीब 40 से 50 लाख की सम्पति का नुकसान कर दिया गया था। उपद्रवियों को रोकने एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु उपस्थित पुलिस बल पर भी पथराव किया गया था, जिससे पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। कांड के आलोक में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने विभिन्न जगहों पर छापामारी कर कांड में संलिप्त छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। डीएसपी ने बताया कि इस कांड में 40 से 50 अन्य लोगों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज है और उनसभी की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापामारी की जा रही है। डीएसपी ने लोगों से यह भी अपील की है कि कभी लोग आक्रोशित होकर इस तरह से अस्पतालों में तोड़फोड़ न करें विधि व्यवस्था बिगाड़ने वालों से पुलिस सख़्ती से निपटेगी।

संक्षिप्त समाचार

बाल मेला 2025 में विप्लव दा के दार्शनिक चित्र और किसानों को सब्जी उगाने की दी गई ट्रेनिंग

पूर्वी सिंहभूम। शहर के जाने-माने चित्रकार विप्लव दा चतुर्थ बाल मेले में आये हुए हैं। मंगलवार को सुबह 11 बजे से एक तस्वीर बना रहे थे। तस्वीर इस बात को बताती है कि जीवन का सफर समुद्र की लहरों के समान है जो एकलय में नहीं रहती। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। जैसे सूर्य सभी को ऊर्जा प्रदान करता है, उसी प्रकार सकारात्मक सोच भी हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। विप्लव दा अपने चित्र के बारे में बताते हैं-मेरी सोच यह है कि चित्र के माध्यम से जीवन का सच बताया जाए। इससे ज्यादा कुछ नहीं।

बाल मेले में झारखंड सरकार के उद्यान विभाग का भी स्टॉल लगा है। पटमदा से कृषि मित्र यहां आए हुए हैं। इन्होंने बताया कि जिन किसानों के पास 65.5 डिसमिल जमीन है, उन्हें माली की ट्रेनिंग दी जाती है। प्रशिक्षण का पहला चरण चांडिल में और आखिरी चरण नोएडा में पूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि जो इच्छुक किसान हैं, उन्हें कृषि विभाग ओल, लौकी, भिंडी, करेला, नेनुआ और गोभी के बीज मुफ्त में देता है। सरकार की मंशा यह है कि किसान सब्जियां ज्यादा से ज्यादा उगाएं ताकि उनकी आमदनी बढ़ सके।

गांजा के साथ विक्रेता गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के नावाटोली चौक के एक दुकान में पुलिस ने छापेमारी करते हुए अवैध गांजा का बिक्री करते दुकानदार को गिरफ्तार कर लोहरदगा जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि एसपी सादिक अनवर रिजवी को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में गांजा की अवैध बिक्री किया जा रहा है। एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी अजीत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। सोमवार देर शाम लगभग आठ बजे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अंचलाधिकारी कुडू और थाना प्रभारी की ओर से नावाटोली चौक मे संचालित दुकान के संचालक सूरज कुमार साहू के दुकान की विधिवत जांच किया गया, जांच के क्रम में दुकान से 28 पुड़िया अवैध गांजा बरामद किया गया। अवैध गांजा के संबंध में पूछने पर सूरज कुमार साहू की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और अंचलाधिकारी कुडू के समक्ष 28 पुड़िया गांजा को जब्त कर अभियुक्त कुडू नावाटोली निवासी सुरज कुमार साहू को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित के विरूद्ध कुडू थाना मे एनडीपीएस के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लोहरदगा जेल भेज दिया गया है। अवैध गांजा पकड़ने और छापेमारी में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार, किशोर कुमार दास तथा पुलिस जवान शामिल थें।

लूटकांड का खुलासा, हथियार के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। बिरसानगर थाना क्षेत्र में 10 नवंबर को विश्वकर्मा इंजीनियरिंग कंपनी में हुई लाखों की लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो अपराधियों अजीत बेहरा और बाबू सरदार उर्फ नेपु को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों के पास से लूट की रकम में से 1.23 लाख रुपये नकद, एक देसी कट्टा, जिंदा कारतूस, एक स्कूटी, हेलमेट और लूट के पैसों से खरीदा गया एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

मंगलवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि लूटकांड का मास्टरमाइंड अजीत बेहरा ही था, जो विश्वकर्मा इंजीनियरिंग कंपनी में काम करता था और उसका पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। अजीत ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी, जिनमें से एक और सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य फरार अपराधियों की तलाश जारी है।

सिटी एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में 10.25 लाख रुपये की लूट की बात सामने आई थी, लेकिन आरोपी अब इस राशि से इनकार कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार करीब साढ़े चार लाख रुपये की लूट हुई थी, जिसमें से 1.23 लाख रुपये की बरामदगी कर ली गई है। पुलिस फरार आरोपितों की गिरफ्तारी और शेष राशि की बरामदगी का प्रयास कर रही है।

बुजुर्ग महिला की कुएं में गिरकर मौत

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिला के चांडिल अनुमंडल के तिरुलडीह थाना क्षेत्र स्थित चोकेगाड़िया गांव में मंगलवार सुबह एक घटना सामने आई। शौच के लिए घर से निकली 80 वर्षीय महिला बटन मांझी की पैर फिसलने से कुएं में गिरकर मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बटन मांझी, पत्नी स्वर्गीय लाल मांझी सुबह शौच के लिए घर से निकली थीं। आशंका है कि रास्ते में अचानक उनका पैर फिसल गया और वे पास के कुएं में जा गिरीं। कुआं गहरा होने के कारण महिला की मौके पर ही दम घुटने से मौत हो गई। काफी देर तक जब वे घर नहीं लौटीं तो ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की और कुएं में उनका शव तैरता देखा।

ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना तिरुलडीह थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया।

सड़क निर्माण कर्मी की हत्या, साथी मजदूरों पर आरोप

पूर्वी सिंहभूम। एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा स्थित नेशनल हाईवे-33 पर सड़क निर्माण कार्य के दौरान एक बड़ी घटना सामने आई है, जहां ठेकाकर्मी प्रताप सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मामले में पुलिस ने प्रताप के साथ काम करने वाले तीन मजदूर जसकरण सिंह, विशाल और अर्षप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है। यह घटना तीन दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन मामले का खुलासा मंगलवार को उसके परिजनों के जमशेदपुर पहुंचने के बाद हुआ।

जानकारी के अनुसार, पंजाब निवासी प्रताप सिंह अपने भाइयों और रिश्तेदारों के साथ सड़क चौड़ीकरण कार्य में लगा हुआ था। शनिवार को निर्माण स्थल पर मजदूर क्रेन की मदद से लोहे की प्लेटें फिट करने का काम कर रहे थे। साइट फोरमैन रंजीत सिंह रंधावा ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी कि एक प्लेट लग चुकी है और दूसरी लगाने की तैयारी चल रही है। उन्होंने सभी मजदूरों से सावधानी बरतने को कहा था। बाद में दोबारा फोन करने पर कॉल रिसीव नहीं हुआ। कुछ समय बाद कॉल बैक आया, जिसमें बताया गया कि प्रताप सिंह के साथ मारपीट हुई है और उसे अस्पताल ले जाया गया है।

प्रताप सिंह को गंभीर हालत में एमजीएम अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम हाउस के शीतगृह में रखा गया था। मंगलवार को उसके परिजन पंजाब से जमशेदपुर पहुंचे, जिसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई।

फिलहाल घटना का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल सहित अन्य मजदूरों के बयान के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बयान से मामले की दिशा और स्पष्ट होगी।

डीपीएस बोकारो में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित, नौनिहालों ने दिखाई प्रतिभा

मनमोहक रूप धर बच्चों ने दिया प्रकृति-संरक्षण, अच्छी सेहत और राष्ट्रीय एकता का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ उनमें कलात्मक व रचनात्मक गुणों के विकास को लेकर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय की प्राइमरी इकाई में आयोजित तीन-दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता में शामिल नन्हे छात्र-छात्राओं की मनोहारी वेशभूषा, उनकी सुंदर रूप-सज्जा, मासूम अदाकारी और तोतली जुबान में उनके संवाद-प्रेषण ने खूब लुभाया। लगभग साढे चार सौ बच्चों ने अलग-अलग समूहों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अपनी प्रस्तुतियां देकर सबकी भरपूर सराहना बटोरीं। अलग-अलग स्वरूपों और पात्रों में ढलकर अपनी प्रस्तुतियों के जरिए नन्हे विद्यार्थियों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता और अनेकता में एकता, प्रकृति एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण तथा अच्छी सेहत का सुंदर संदेश दिया।

प्रेप कक्षा की कुछ छात्राएं परियों की कहानियां लेकर आईं, तो कुछ बच्चे चींटी, मकड़ी सहित अन्य कीड़े-मकोड़े एवं रेंगने वाले जंतुओं का वेश धर मंच पर उतरे तथा सभी जीव-जंतुओं के संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, कुछ प्रतिभागियों ने घर के साजो-सामान के रूप में खुद को प्रस्तुत कर सबकी महत्ता समझाई।

नर्सरी कक्षा के प्रतिभागियों ने अलग-अलग कार्टून कैरेक्टर को दर्शाया, फल-सब्जियों के वेश में अच्छी सेहत के लिए उनकी अहमियत समझाई और पशुओं के स्वरूप में पशु-संरक्षण का संदेश दिया। इसी प्रकार, पहली कक्षा के विद्यार्थी भगवान शिव, विष्णु, जगन्नाथ, बालाजी, महाकाली, देवी दुर्गा, सरस्वती, अर्द्धनारीश्वर सहित अन्य देवी-देवताओं के वेश में पहुंचे तथा आध्यात्मिक ऊर्जा को प्रदर्शित किया। कुछ प्रतिभागियों ने भारत के विभिन्न राज्यों की वेशभूषा के जरिए वहां की संस्कृति को दर्शाया। इसके अलावा, विभिन्न खाद्य-वस्तुओं के रूप में उनकी खासियत बताई। आकर्षक परिधानों में बच्चों की अप्रतिम साज-सज्जा, उनकी और उनके अभिभावकों की मेहनत बयां कर रही थी। मौके पर बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में समूहवार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ऐसी गतिविधियां नन्हे शिक्षार्थियों में आत्मविश्वास, संचार कौशल और रचनात्मक सोच विकसित करने में अत्यंत आवश्यक हैं। बच्चों को ऐसी स्पर्धाओं में अवश्य भाग लेना चाहिए। हार-जीत से ज्यादा प्रतिभागिता महत्वपूर्ण है।

तोरपा थाना परिसर में लगे शिविर में 12 लोगों ने किया रक्तदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए पुलिस की ओर से जिले के सभी थाना परिसरों में अलग अलग दिनों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए जिला रक्तकोष को सुदृढ़ करना और पुलिसकर्मियों में सामाजिक सेवा की भावना को और मजबूत करना है।

इसी कड़ी में मंगलवार को तोरपा थाना परिसर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम ने भी रक्तदान किया। इसके अलावा समाजसेवी धर्मेन्द्र कुमार सहित कुल 12 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में पुलिसकर्मी, स्थानीय युवा और समाजसेवी शामिल थे।

मौके पर थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त तीन लोगों को जीवनदान दे सकता है। ऐसे कार्यक्रम पुलिस और समाज के बीच समन्वय को और मजबूत करते हैं। उन्होंने यह भी अपील किया कि अधिक से अधिक लोग रक्तदान के लिए आगे आएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने बताया कि खूंटी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी थानों में ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं बल्कि सामाजिक दायित्वों के प्रति भी संवेदनशील भूमिका निभा सके।

पति-पत्नी का विवाद सड़क पर पहुंचा, पति की पिटाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के जुबली पार्क के पास मंगलवार दोपहर अचानक हंगामा मच गया, जब एक चाय दुकान चलाने वाली महिला का अपने पति के साथ विवाद सड़क पर हाथापाई में बदल गया। महिला रोज की तरह दुकान पर काम कर रही थी, तभी उसका पति अचानक वहाँ पहुँचा और दुकान की कमाई में से पैसे की मांग करने लगा। महिला की ओर से पैसे देने से मना करने पर दोनों के बीच बहस शुरू हुई, जो धीरे-धीरे उग्र हो गई।

महिला ने बताया कि उसका पति कामकाज नहीं करता और न ही घर की किसी जिम्मेदारी में सहयोग देता है। इसके उलट वह आए दिन उसे और बच्चों को गंदी गालियां देता है, जिससे घर में लगातार तनाव बना रहता है। विवाद के दौरान पति बार-बार अपशब्द कहता रहा, जिसके बाद गुस्से में महिला ने सड़क पर ही उसकी पिटाई कर दी।

इस दौरान महिला का छोटा बच्चा रोते हुए उसे रोकने की कोशिश करता रहा और बार-बार कहता रहा कि "मां छोड़ दो, पुलिस आ जाएगी। बावजूद इसके, महिला ने पति को छोड़ने से इनकार कर दिया और सबके सामने यह भी कह दिया कि अब वह उसके साथ किसी भी तरह का संबंध नहीं रखना चाहती।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और किसी तरह दोनों को अलग किया। अचानक घटित इस प्रकरण से कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है और आगे की जांच की जा रही है।

बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना की हो सीबीआई जांच : सुबोध

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना को लेकर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और पंचायत पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष और भाजपा जिला मुख्यालय प्रभारी सुबोध झा ने कहा कि यह योजना दोनों पक्षों के लिए सोने का अंडा देने वाली बन गई है, जबकि 20 हजार की आबादी अब भी स्वच्छ पानी के लिए जूझ रही है।

झा ने मंगलवार को कहा कि बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के 1140 घरों के लिए शुरू हुई इस जलापूर्ति योजना में अब तक करोड़ों रुपये आवंटित किए जा चुके हैं। पाइपलाइन बिछाने के लिए 1 करोड़ 10 लाख रुपये, फिर योजना के लिए 21 लाख 63 हजार रुपये दिए गए एवं हाल ही में फिल्टर प्लांट निर्माण के लिए 1 करोड़ 88 लाख रुपये की स्वीकृति मिली। इसके बावजूद योजना से लोगों को आज तक एक बूंद भी स्वच्छ पानी नसीब नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी, जिसकी पूर्व आबादी 9,000 थी, आज आधुनिक विस्तार के बाद 3,300 मकानों तक पहुंच चुकी है। लेकिन जलापूर्ति योजना को पुराने पैमाने पर ही सीमित रखकर करोड़ों रुपये खर्च कर दिया गया।

झा ने पंचायत पर अवैध वसूली और अवैध कनेक्शन देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रत्येक घर से 100 रुपये मासिक और 1050 रुपये सुरक्षा राशि के तौर पर लेती है, लेकिन उसका कोई हिसाब उपलब्ध नहीं कराती। सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगने पर भी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया जाता है।

उन्होंने बताया कि मजबूर होकर जनहित याचिका झारखंड हाई कोर्ट में दायर की गई, जिसके बाद नया फिल्टर प्लांट निर्माण स्वीकृत हुआ। वहीं 26 जुलाई 2024 तक योजना पूरी करने का निर्देश था, लेकिन आज तक कार्य पूरा नहीं हुआ।

झा ने स्पष्ट कहा कि यह योजना पंचायत के भरोसे नहीं चल सकती। इसके संचालन की जिम्मेदारी किसी स्वतंत्र एजेंसी—जैसे जुस्को या सीधे पेयजल एवं स्वच्छता विभाग—को देनी होगी।

सुबोध झा ने कहा कि विभाग और पंचायत दोनों मिलकर जनता को बेवकूफ बना रहे हैं, जबकि लोग मजबूरी में 25–30 रुपये प्रति बोतल पानी खरीदकर पीने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच होनी चाहिए, ताकि वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई हो सके और जनता को न्याय मिल सके।

बच्ची के गले से काटा सोने का लॉकेट, आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। मां के साथ कपड़े खरीद रही बच्ची के गले से सोने का लॉकेट काटने वाले युवक को गिरफ्तार किया गया है। घटना के 24 घंटे के भीतर आरोपित को पकड़ा गया। बच्ची की मां ने इसमें सक्रियता दिखाई। मंगलवार दोपहर ढाई बजे आरोपित चोर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना 15 नवंबर को मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के छहमुहान पर हुई थी। सीसीटीवी कैमरे के आधार पर आरोपित की पहचान हुई और फिर उसे पकड़ा गया। चोर की पहचान शहर थाना क्षेत्र के जेलहाता निवासी कुलदीप कुमार यादव (38) के रूप में हुई है।

शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योति लाल रजवार ने मंगलवार को बताया कि 15 नवंबर को लातेहार बरवाडीह की मीरा देवी, पति प्रिंस कुमार सिंह अपनी 4 साल की बेटी सिया कुमारी एवं अन्य बच्चों के साथ छहमुहान पर कपड़े खरीद रही थी। इसी क्रम में सिया के गले से सोने का लॉकेट काट लिया गया।

फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ

जब ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैं। रोजगार बचाना आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि-अधिकार हो जाएगा।

आलोचक अक्सर कहते हैं कि मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का वास्तविक अर्थ हैः फायदे का निजीकरण और घाटे का समाजीकरण। यानी जो फायदा हुआ, वह कंपनी मालिकों की जेब में जाएगा, लेकिन घाटा हुआ, तो उसे करदाताओं के पैसे भरा जाएगा। यह प्रवृत्ति अब बेहद आम हो चुकी। लेकिन इस कारण आर्थिक प्रबंधन का यह ढांचा आम जन की निगाह में लगातार अपनी साख खोता चला गया है। फिलहाल, इस प्रवृत्ति के तहत भारतीय करदाताओं को 84 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की चपत लगने की आशंका पैदा हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया (वीआई) कंपनी पर बकाया एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) की कुल रकम का पुनर्मूल्यांकन करने और उसे माफ करने की अनुमति केंद्र को दे दी है।

यह फैसला सोमवार को आया और उसी दिन आय कर विभाग ने ट्रांसफर प्राइसिंग केस में इस कंपनी पर 8,500 करोड़ रुपये के बकाया से संबंधित मुकदमे को वापस ले लिया। 2020 के न्यायिक निर्णय के मुताबिक वीआई पर 58,254 करोड़ रुपये का बकाया एजीआर तय किया गया था। ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के साथ यह रकम 83,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। अब ये सारी रकम माफ की जा सकेगी। इसके पहले केंद्र ने इस कंपनी को बेलआउट देने के क्रम में इसमें 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी। इसके तहत 36,950 करोड़ रुपये इस कंपनी में लगाए गए।

तब यह जुमला भुला दिया कि बिजनेस में शामिल होना सरकार का काम नहीं है! दरअसल, जब कभी ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैं! रोजगार बचाना एक आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि अगर कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि-अधिकार हो जाएगा। मगर भारत सरकार को द्वि या एकाधिकार से कोई दिक्कत है, इसे मानने का शायद ही कोई आधार मौजूद हो! असल मकसद है अपनी अक्षमताओं के कारण फेल हो रही एक कंपनी को बचाना। यह सिरे से फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ है। दरअसल, ऐसे कदम क्रोनिज्म के दायरे में आते हैं। मगर आज इसकी शायद ही किसी को फिक्र हो!

मेरा अरमान

डॉ प्रशान्त करण, आईपीएस

आजकल पता नहीं लोगों को कैसे सच पता चल गया कि घर के बाहर पता नहीं किस के द्वारा ऐसे छिपकर यह गाना सुबह -सुबह बजाया जाता है कि मेरे कान तक पंहुच जाए -

" दिल के अरमां आंसुओं में बह गए "–मेरा अपने अपने पास सुरक्षित एक अदद असली दिल मचलने लगता है .मचलकर फिर उदास होकर रुआँसा होने लग जाता है . लोग अक्सर पूछ भी बैठते हैं कि भाईसाहब अब बता भी दीजिये कि कौन कौन से अरमान बाकी रह गए हैं. मुझे शक होने लगता है कि यह मुआं मेरे किन - किन अरमानों का पता लगा चुका है और कहीं ऐसा तो नहीं कि उनके पूरा न हो पाने के उपाय में लग गया है . मैं चुपचाप उसे भांपता हूँ और मेरा सशंकित मन उनके काट ढूंढने में लग जाता है . पर ससुरा यह गाना है कि बंद होने का नाम ही नहीं ले रहा . धीरे -धीरे अब अभ्यस्त होकर मैं थोड़ा बेफिक्र होकर अपने अरमानों की पूरी लम्बी -चौड़ी सूचि में फिर से समय और परिस्थिति के हिसाब से उसे पुनरक्षित और परिमार्जित करने में पिल पड़ता हूँ .

मेरा पहला अरमान है कि हिंदी साहित्य का कोई सरकारी बड़ा और अधिक राशि वाला सम्मान मुझे किसी तरह मिल जाए .यदि आसानी से न मिले तो इसे मिलने के पिछले रस्ते की पक्की जानकारी ,तरीके और कम खर्च में कैसे झटक लिया जाए इसकी तो कम से कम जानकारी हाथ लग जाए . मैंने कइयों को इस काम पर लगा रखा है. कोशिश तो यही है कि मुझे यदि किसी तरह के जुगाड़ से भी न मिल पाए तो कम से कम मेरे परिचितों अथवा दुश्मनों को यह सम्मान न मिलने पाए.ऐसी बातें ज्यादा सुख दे जाती हैं.

मेरा दूसरा अरमान यह है कि मेरी छः प्रकाशित पुस्तकें खरीदी जाएँ, विद्यालयों से लेकर महाविद्यालयों , पुस्तकालयों आदि के लिए थोक में खरीद ली जाएँ. मैंने इसके लिए बकायदा दलाल भी लगाए.लेकिन कमीशन की राशि ससुरी मिलने वाली रॉयल्टी से कई गुणा अधिक निकली.दोस्तों और परिचितों से लगातार किये गए अनुरोध भी बेकार साबित हुए. बस इससे लाभ तो सिर्फ दीमकों को हो रहा है .इसके कारण घर की सफाई में काफी खर्च होने लगा है.घर वाले इसे कबाड़ी के हाथों बेचने पर आमदा हैं. पर मेरा सकारात्मक दृष्टिकोण. रोड़ा बनकर बिच में अड़ा है .जुगाड़ पर जुगाड़ लगाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रख रहा. उम्मीद है कि मेरी व्यथा पढ़कर कोई थोक में खरीद करने वाला आ ही टपके. यह टोटका काम कर जाए .

मेरा अगला अरमान है कि मुफ्त में मेरे अर्नगल लिखे लेख किसी तरह छपने लगें. उनके छपने के सिलसिले के बाद लेख छापने वाले समाचार पत्रों , पत्र -पत्रिकाओं के संवादकों को अचानक सद्बुद्धि आ जाए और वे लेखों के पारिश्रमिक के रूप में मोटी रकम मेरे खाते में जमा कराने लगें. मेरी रचनाओं पर तारीफ की चिट्ठी भिजवाने के लिए मैंने पैसे देकर लोगों कभी से इस काम में लगा रखा है.कुछ लगातार छपाउ किस्म के लोगों से छपने की कला भी सिखने में लग गया हूँ . पर अरमान बस धरे के धरे रह जा रहे हैं .

मेरा अरमान है की सामाजिक से लेकर साहित्यिक कार्यक्रमों में मुझे अतिथि के रूप में लिफाफे देकर बुलवाया जाए .मैंने इस काम में कुछ निवेश भी क्र लिया है. उदाहरण कतौर पर बता दूँ कि समय पर न जाकर घंटों विलम्ब से जाने का अभ्यास, मंच पर बैठकर अचानक किसी के फोन आने पर उठकर किसी दूसरी बड़ी जगह जाने की बात कहकर उठकर चलने का अभ्यास , अतिथि योग्य महंगे आधुनिक कपड़े ,घड़ी, जूते आदि किराए पर लेने ,अध्यक्षीय भाषण लिखने के लिए पेशेवर को अग्रिम देने ,आयोजन स्थल तक आने जाने के लिए चालक सहित महंगी गाड़ी किराये पर लेने के लिए अग्रिम की व्यवस्था आदि कर चुका हूँ.गर्दन में माला न पड़ने से मेरा स्वास्थ्य भी खराब रहने लगा है. लोग समझने लगे हैं कि खराब तबियत में चला चली की बेला है,पता नहीं कब टपक जाए . अभी तक ललक लगी हुई है कि कहीं से कोई अवसर निकल आए और मैं अतिथि,विशिष्ट अतिथि अथवा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर लिया जाऊं. कई टोटके और जुगाड़ भी अंदर अंदर लगा रहा हूँ .खिन्न अरमान तो पूरे हों !

मुझे अरमान है कि मई रातोंरात धनी आदमी के रूप में गिना जाने लगूँ . कोई तैयार ही नहीं हो रहा है छापा मारने को.सभी ने यह कहकर मना कर दिया कि पूरा शहर क्या राज्य जानता है कि आप की आर्थिक स्थिति पतली है.आपके यहाँ छापा मारने से कुछ मिलने वाला तो है नहीं और फिर हमलोगों की ही जगहंसाई होगी. मैंने उन्हें सलाह दी कि आप अपने घर से ही कुछ रुपये मेरे घर में रख दें और फिर उसे छापे में जप्त रख लें.आपकी भी इज्जत बच जाएगी और मई रातोंरात प्रसिद्ध हो जाऊंगा कि मई धनाढ्य निकला. इसपर वे यह कहकर बिदक गए कि अब जप्त रकम रख लेना असम्भव हो गया है .पहले की बात और थी और पहले की बात फिर से होते रहना अब उनके अरमान निकले. मुझे धनाढ्य बनने के लिए कोई बैंक ऐसे ही ऋण भी नहीं दे रहा .

सब कहते हैं की माल्या और नीरव मोदी के मामले के भंडाफोड़ के बाद अब ऐसा सम्भव नहीं रह गया . मैंने बिट कॉइन क्रिप्टो करेंसी में भी अमिताभ बच्चन जी से प्रेरणा लेकर निवेश के जुगाड़ में लगने वाला ही था कि वित्त मंत्रालय भारत सरकार इस पर जल्द कानून लाने वाली है,जानकर यह भी आइडिया फ्लॉप हो गया.अरमान धरे के धरे रह गए.

अब हालत यही है कि मैं चुपचाप बैठा हूँ और प्रतीक्षा में हूँ कि कोई आए , मेरे नए अरमानों को जगा जाये. और उन्हें साकार कर जाए . आप मदद करेंगे न ?प्लीज !

नीतीश कुमार की अगुवाई में सत्ता गठन के संकेत और बदलते केंद्र-राज्य समीकरणों का परिदृश्य

कांतिलाल मांडोत

बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव परिणामों के साथ भारतीय राजनीति को एक बार फिर चौंकाया है। जिस प्रकार के जनादेश ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को सत्ता के शिखर पर पहुंचाया है, वह न केवल राज्य की राजनीतिक दिशा बदलने वाला क्षण है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। इस जनादेश के बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में शपथ-ग्रहण समारोह संपन्न हो सकता है, और बिहार एक बार फिर स्थिर शासन की ओर कदम बढ़ाएगा। यह चुनाव केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं, राजनीतिक मूल्यों और विकास के नए मानकों की अभिव्यक्ति भी है। बिहार लंबे समय से राजनीतिक उठापटक और गठबंधन परिवर्तनों का केंद्र रहा है, लेकिन इस बार का फैसला अपेक्षा से कहीं अधिक स्पष्ट और निर्णायक है। इससे देशभर में यह संदेश गया है कि जनता बार-बार अस्थिरता, अनिर्णय और नकारात्मक राजनीति को नकार रही है। नीतीश कुमार की वापसी अनुभव, विश्वसनीयता और प्रशासन का भरोसा है। नीतीश कुमार पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति का केंद्रीय चेहरा रहे हैं। भले ही वे कई बार राजनीतिक गठजोड़ों में बदलाव करते रहे हों, लेकिन एक बात सदैव कायम रही है और वो उनकी प्रशासनिक विश्वसनीयता है।सड़क-परिवहन और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे बुनियादी ढाँचे में परिवर्तन,महिलाओं के लिए आरक्षण तथा शराबबंदी जैसे सामाजिक सुधार आदि इन कदमों ने उन्हें आज भी बिहार की राजनीति में एक स्वीकार्य नेता बनाए रखा है। 2025 के चुनाव में बिहार ने उनके अनुभव पर दोबारा भरोसा जताया है। जनता यह संदेश देना चाहती थी कि राज्य को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जो राजनीतिक अस्थिरता से ऊपर उठकर शासन को केंद्र में रखे। यही कारण है कि उनकी नेतृत्व क्षमता के इर्द-गिर्द गठबंधन की जीत को एक मजबूत जनादेश के रूप में देखा जा रहा है। शपथ-ग्रहण को लेकर बढ़ती उत्सुकता और बिहार में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं।चुनाव परिणाम सामने आने के बाद से ही राज्य में नए मंत्रिमंडल के गठन की चर्चा तेज है। राजनीतिक गलियारों में यह माना जा रहा है किं19 या 20 नवंबर के बीच नए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का शपथ-ग्रहण संभव है।तेजी से आगे बढ़ती यह प्रक्रिया दर्शाती है कि गठबंधन में स्पष्ट एकता और नेतृत्व को लेकर कोई मतभेद नहीं है। इसकी दो महत्वपूर्ण वजहें हैं। जनादेश बेहद स्पष्ट है और विपक्ष बिखरा हुआ दिखा। गठबंधन नेतृत्व पर विश्वास और भाजपा, जदयू और अन्य सहयोगी दलों में इस बार तालमेल पहले से अधिक मजबूत दिख रहा है। शपथ-ग्रहण का यह चरण सिर्फ सरकार के औपचारिक गठन भर का विषय नहीं, बल्कि जनता को यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि नई सरकार समय गंवाए बिना अपने वादों और योजनाओं पर काम शुरू करेगी।

इंदिरा गांधी : नारी शक्ति का सबसे सशक्त राजनीतिक रूप

श्वेता गोयल

भारतीय राजनीति के व्यापक क्षितिज पर यदि किसी नेता का व्यक्तित्व अद्भुत दृढ़ता, निर्भीक निर्णय क्षमता और असाधारण नेतृत्व का प्रतीक बनकर उभरा तो वह निसंदेह इंदिरा गांधी थी। वह केवल एक राजनेता नहीं थी बल्कि भारतीय जनमानस में विश्वास, सुरक्षा और सामाजिक संतुलन की प्रतिमूर्ति के रूप में प्रतिष्ठित थी। उनके भीतर एक ऐसी ज्वाला थी, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें अडिग बनाए रखती थी। उनका पूरा जीवन इस बात की मिसाल है कि किसी राष्ट्र का नेतृत्व केवल राजनीतिक चातुर्य से नहीं बल्कि साहस, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति से किया जाता है। इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व जितना दृढ़ था, उतना ही संवेदनशील भी। अपने पारिवारिक जीवन से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक, उन्होंने उतने ही साहसिक निर्णय लिए, जितनी निर्भीकता से उन्होंने स्वयं को विपरीत परिस्थितियों में संभाला। भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में बचपन से ही जुड़ने वाली इंदिरा ने महज 13 वर्ष की आयु में 'वानरसेना' का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम का परिचय दिया था। यह वही बालिका थी, जो आगे चलकर भारत की पहली और अभी तक की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री बनी। 1966 में जब एक युवा और अपेक्षाकृत अनुभवहीन महिला प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने पद संभाला, तब विश्व की बड़ी शक्तियां भी हैरान थीं। कई लोगों ने उन्हें 'गूंगी गुड़िया' के रूप में कमतर आंका लेकिन यह वही इंदिरा थी, जिन्होंने कुछ वर्षों में ही अपनी ऐसी छवि बनाई कि दुनिया उन्हें 'आयरन लेडी ऑफ इंडिया' कहने लगी। अमेरिकी मीडिया ने जिस सम्मान और गंभीरता से उनकी पहली अमेरिका यात्रा को कवर किया, वह उस समय किसी भी भारतीय नेता के लिए अभूतपूर्व था। उनका आत्मविश्वास, तेजस्विता और राजनीतिक परिपक्वता शीघ्र ही भारत की राष्ट्रीय पहचान बन गई। इंदिरा गांधी के तीन निर्णय भारतीय राजनीति के इतिहास में स्थायी रूप से अंकित रहेंगे, 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजाओं के प्रिवीपर्स की समाप्ति और 1971 में पाकिस्तान पर निर्णायक विजय। इन तीन कदमों ने न केवल उनके अद्वितीय साहस का प्रमाण दिया बल्कि भारत को नए आर्थिक, सामाजिक और भू-राजनीतिक मार्ग पर आगे बढ़ाया। बैंकों के राष्ट्रीयकरण ने देश की अर्थव्यवस्था को आम लोगों के अधिकार में लाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की। प्रिवीपर्स की समाप्ति ने भारत के गणतांत्रिक चरित्र को मजबूत किया और 1971 का युद्ध भारत की सैन्य और कूटनीतिक क्षमता का वैश्विक ऐलान था। इंदिरा के नेतृत्व में जन्मा बांग्लादेश न केवल क्षेत्रीय भू-राजनीति का नया आयाम था बल्कि मानवता और जनचेतना का भी अन्यतम उदाहरण था। उनकी राजनीतिक शैली की सबसे दिलचस्प बात यह थी कि वह विपक्ष या अंतर्राष्ट्रीय दबावों से कभी नहीं घबराती थी। संसद में उन्हें घेरना आसान नहीं था। इंदिरा ने जीवन के हर मोड़ पर संघर्ष को अपना साथी बनाया। उनका निजी जीवन भी राजनीतिक जीवन की भांति रोमांचक और जटिल था। फिरोज गांधी से विवाह पर पिता की नाराजगी झेलने से लेकर वैवाहिक मतभेदों के बीच अपनी पहचान बनाए रखने तक, इंदिरा ने हमेशा अपने निर्णय स्वयं लिए। फिरोज गांधी की 1960 में अचानक मृत्यु ने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया लेकिन इस आघात के बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और देश की राजनीति में अग्रसर रही। यह वही दौर था, जब केवल 41 वर्ष की आयु में वे कांग्रेस की अध्यक्ष बनी और आगे चलकर देश की सत्ता का सबसे बड़ा दायित्व अपने हाथों में लिया। उनका जीवन केवल उपलब्धियों से भरा नहीं था, उसमें परीक्षाओं की लंबी श्रृंखला भी थी। 1975 का आपातकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे विवादास्पद अध्याय रहा। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन ने जब सत्ता को चुनौती दी, तब उन्होंने प्रेस पर सेंसरशिप लगाई, नागरिक अधिकार सीमित किए और कई विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करवा दिया। यह निर्णय आज भी भारतीय लोकतंत्र में बहस का विषय है और इसे लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। 1977 में उन्हें चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह हार मानने वालों में से नहीं थी। तीन वर्ष बाद ही 1980 के चुनावों में उन्होंने अप्रत्याशित रूप से सत्ता में वापसी की और साबित कर दिया कि जनता का विश्वास पुनः अर्जित करना असंभव नहीं। उनके जीवन का अंतिम अध्याय अत्यंत मार्मिक और दार्शनिक प्रतीत होता है। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर में उन्होंने जो भाषण दिया, वह मानो अपने भविष्य की पूर्वसूचना थी, 'मैं आज यहां हूं, कल शायद यहां न रहूं, मेरे खून का एक-एक कतरा भारत को मजबूत करेगा' यह वाक्य उनकी अटूट आस्था और बलिदान की भावना को दर्शाता है। इस भाषण को सुनकर वहां मौजूद लोग स्तब्ध रह गए थे। जैसे उनकी आत्मा उन्हें आने वाले अनिष्ट का संकेत दे रही थी। अगली ही सुबह 31 अक्तूबर 1984 को अपने निवास के बाहर उन्होंने जीवन की अंतिम यात्रा तय कर ली। ऑपरेशन ब्लू स्टार के प्रतिशोध में अपने ही अंगरक्षकों द्वारा चलाई गई गोलियों की बौछार ने उन्हें राष्ट्रमाता से अमरत्व की ओर पहुंचा दिया। उनकी मृत्यु केवल एक प्रधानमंत्री का अंत नहीं थी बल्कि एक युग का अवसान था। भारत ने उस दिन केवल एक नेता नहीं खोया बल्कि वह शक्ति खो दी, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर दृढ़ता, संकल्प और गरिमा से परिचित कराया था। इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व का एक और महत्वपूर्ण पहलू था उनका विश्व दृष्टिकोण। उन्होंने तीसरी दुनिया के देशों की आवाज को मजबूती दी, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को नई दिशा दी और वैश्विक मंचों पर भारत के आत्मसम्मान को सशक्त रूप से स्थापित किया। वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती थी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें जितना सम्मान मिला, उतना ही सम्मान भारत के आम नागरिकों के हृदय में भी वे अर्जित करती रही। उनके भीतर का दृढ़ राष्ट्रवाद, सामाजिक सामरसता के प्रति प्रतिबद्धता और महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रेरणा लाखों लोगों में आज भी जीवित है। उनका जीवन यही संदेश देता है कि बड़े पद और शक्तियां भी मनुष्य को कमजोर बना सकती हैं परंतु दृढ़ संकल्प, निडरता और नैतिकता ही किसी नेतृत्व की सच्ची कसौटी होती है। इंदिरा गांधी इसी कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरी। इसीलिए उन्हें केवल भारत की नहीं बल्कि विश्व राजनीति की महानतम नेताओं की श्रेणी में रखा जाता है। उनकी संपूर्ण जीवन यात्रा ने उन्हें भारत की लौह-स्तंभ बना दिया। इंदिरा गांधी का जीवन विरोधाभासों और अद्भुतताओं से भरी एक ऐसी महागाथा, जो संघर्ष से शुरू होकर शौर्य पर समाप्त होती है लेकिन अपने पीछे प्रेरणा की अमर छाप छोड़ जाती है। आज उनकी जयंती पर जब हम उन्हें स्मरण करते हैं तो उनकी राजनीतिक विरासत, उनकी दृढ़ता, उनका त्याग और राष्ट्र के लिए उनका अटूट समर्पण हमें पुनः याद दिलाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो स्वयं को नहीं बल्कि अपने राष्ट्र को सर्वोपरि रखता है।

मेष राशिफलः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर आप भगवान की कृपा बनी रहेगी और आप अच्छे काम करेंगे। आज आपका मन भावनात्मक तौर पर अधिक मजबूत रहेगा। आपका दिन परोपकार के कार्यों में लग सकता है। आज आप अपने किसी सहकर्मी या मित्र की सहायता कर सकते हैं जिससे आपके मन को बहुत संतुष्टि मिलेगी।

वृषभ राशिफलः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका आपके जीवन साथी के साथ किसी बात को लेकर चल रहा वाद विवाद आज समाप्त हो सकता है। अपने परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर आप थोड़ा सा चिंतित हो सकते हैं। आप अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखेंगे। व्यापार करने वाले लोगों के लिए दिन सामान्य रहेगा, आप अपने व्यापार में किसी प्रकार का फेर बदल ना करें।

मिथुन राशिफलः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपना कामकाज को आप अपने समय से पूरा कर लेंगे, जिससे आपका मन संतोष रहेगा। बहुत दिनों से आप अपने काम को लेकर परेशान थे, यदि आप सामाजिक या राजनीति क्षेत्रों में कोई काम करते हैं, तो आपको मान सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है। आपको किसी प्रकार की कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त हो सकती है, जिसमें आपका आत्मविश्वास बहुत बढ़ेगा।

कर्क राशिफलः कर्क राशि वालों आजका दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों के प्रति सावधान रहना होगा। आप व्यर्थ के खर्चों पर अधिक ध्यान ना दें, अपने सामानों को खरीदने से पहले एक आवश्यक कार्यों के लिस्ट बनाएं कि किस समान की अधिक आवश्यकता है, केवल उसी समान को अधिक खरीदें।

सिंह राशिफलः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। अगर आपका किसी कारण से मन परेशान है, तो उसे शांत रखने के लिए आप अपने बच्चों के साथ थोड़ा सा समय बताएं, तो आपका मन अच्छा हो जाएगा। आप अपने संतान की सेहत को लेकर लापरवाही ना बरते अन्यथा आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

कन्या राशिफलः कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाहन करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञों को लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द्र की वृद्धि होगी।

तुला राशिफलः तुला राशि वालों आज आपका दिन ख़ुशी से भरा रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे आपको अच्छा लगेगा।

वृश्चिक राशिफलः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन नयी उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोगआज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण प मन ही मन परेशान हो सकते है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को भी ख़ुशी होगी।

धनु राशिफलः धनु राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में कठोरता आ सकतीहै दूसरों के प्रति स्नेह भाव बनाएं रखें। पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी।

मकर राशिफलः मकर राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। कोई प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है।

कुंभ राशिफलः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन सुख शांति से भरा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा। आपसी रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन राशिफलः मीन राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे उसमे उन्नति हासिल करेंगे। आज आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा। सफलता की नयी किरण दिखाई देगी। आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा। पढ़ाई में दोस्तों की सहायता मिलेगी।

कठोर निर्णयों की प्रणेता और भारत की लौह आवाज इंदिरा गांधी

योगेश कुमार गोयल

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था। इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुवर्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं। बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई। 1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'***; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव** । Mob/WhatsApp- 8873319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी

बोकारो, बुधवार, 19 नवंबर, 2025

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाते हुए पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें कार्य- डीएम

नीलाम पत्र वादों को प्राथमिकता में रखते हुए तेजी से निष्पादन करने का दिया निर्देश

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी जिला के जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में डीआरडीए स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ अंतर विभागीय समन्वय, विभिन्न विकास योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता एवं कार्यालय गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित किया गया। जिलाधिकारी श्री शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक सोमवार को बैठक में अंतर्विभागीय समस्याओं का निष्पादन किया जाएगा ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। डीएम ने कहा कि बैठक में प्राप्त भूमि अतिक्रमण, भूमि की उपलब्धता, भूमि का सीमांकन आदि मामलों को पोर्टल पर डालने के लिए कहा तथा उन्होंने कहा कि इसे एडीएम राजस्व मुकेश रंजन देखेंगे एवं अगली बैठक में इसकी प्रगति से अवगत करवाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतर विभागीय मामलों में सिर्फ पत्राचार से काम नहीं चलेगा, इसमें तीव्रगति से समाधान करना होगा ताकि विकास योजनाओं को ससमय क्रियान्वित किया जा सके। बैठक में शिक्षा विभाग के कुछ विद्यालयों में अतिक्रमण, भूमि की उपलब्धता एवं सीमांकन आदि मामलों को अविलंब समाधान के लिए अपर समाहर्ता मुकेश रंजन को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। बस स्टैंड के लिए आवंटित भूमि का शीघ्र सीमांकन करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिले के शेष छूटे हुए टोला में नल जल योजना के क्रियान्वयन के लिए भूमि की उपलब्धता के लिए भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कई विभागों द्वारा सड़क निर्माण के लिए भू अर्जन, कार्यालयों एवं योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता, भूमि अतिक्रमण,एनओसी आदि मामलों को जिलाधिकारी द्वारा अविलंब समाधान का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि अंतर्विभागीय मामलों का अविलंब समाधान करे ताकि विकास कार्यों को तेज गति प्रदान की जा सके।

डीएम ने जिला नीलाम पत्र वाद, जिला स्तरीय जनता दरबार में प्राप्त आवेदन, सीपी ग्राम, जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों, उच्च न्यायालय में चल रहे मामलों, सूचना का अधिकार, मानवाधिकार आदि से संबंधित मामलों की बारी बारी से समीक्षा की गई। नीलाम पत्र वादों की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर तेजी से निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी बड़े राशि वाले कम से कम पाँच मामले का चयन कर उसका निष्पादन करे। विभागीय कारवाही की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि विभागीय कार्यवाही के मामले में संचालन पदाधिकारी निर्धारित अवधि के अंदर अपनी रिपोर्ट दें। कर्मियों के लॉगबुक की समीक्षा के क्रम में डीएम ने निर्देश दिया कि कार्यालयों में लॉग बुक का संबंधित पदाधिकारी नियमित रूप से जाँच करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समय से संचिकाओं को प्रस्तुत नहीं करने वाले सहायकों पर करवाई करें। जिलाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय से निष्पादन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय में लंबित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य करें। इसमें थोड़ी भी शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से लंबित रखने वाले पदाधिकारी को स्पष्टीकरण करें। समीक्षा के क्रम में सिडब्लूजेसी में शिक्षा विभाग एवं भू-अर्जन विभाग में सबसे अधिक मामले लंबित पाए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर प्रगति लाएं। बैठक में एडीएम मुकेश रंजन झा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजेश कुमार, डीटीओ मधुबनी, सिविल सर्जन डॉ.हरेंद्र कुमार, डीपीओ नमामि गंगे आनंद अंकित, जिला समन्वयक आईसीडीएस स्मित प्रतीक, जिला कृषि पदाधिकारी,जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया सोनपुर मेला में 'रेल ग्राम प्रदर्शनी' का शुभारंभ

सोनपुर, एजेंसी। सोमवार को पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा बिहार के हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में ''रेल ग्राम प्रदर्शनी'' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार, सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह भी उपस्थित थीं। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि महाप्रबंधक ने रेल ग्राम में आकर्षण का केंद्र बने वाणिज्य यांत्रिक, सिग्नल,संरक्षा, सुरक्षा एवं चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में यात्री सेवा एवं रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं एवं यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं सहित रेलवे से संबंधित जानकारियों को पोस्टर द्वारा दर्शाया गया है। रेल ग्राम में लगाये गये टॉय ट्रेन बच्चों के मध्य विशेष आकर्षण का केंद्र है। रेल ग्राम परिसर में श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष टिकट काउंटर भी खोला गया है।

रेल ग्राम प्रदर्शनी को सम्मिलित रूप देते हुए जम्मू -कश्मीर के पीर पंजाल रेलवे सुरंग का रूप दिया गया है, जिसमें मेलार्थियों को रेल कोच का अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही सभी कंपार्टमेंट में अलग-अलग विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई है। पीर पंजाल टनल में कवच सुरक्षा प्रणाली से आप अवगत होते हुए विभिन्न विभागों के प्रदर्शनियों से रूबरू होते है।

यहां ''रेल स्मृति केंद्र'' भी खोला गया है जहां से रेलवे से संबंधित स्मृति खरीद सकते हैं। यहां बच्चों के मनोरंजन हेतु गेमिंग ज़ोन, सेल्फ़ी पॉइंट आदि लगाए गए हैं। सेल्फी के लिए हवा में लटकते इंजन वंदे भारत का मॉडल इत्यादि उपलब्ध है।

समारोहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ वैदेही कला परिषद का कार्यक्रम

मधुबनी, एजेंसी। वैदेही कला परिषद द्वारा आयोजित नवंबर माह का मासिक कार्यक्रम एक स्कूल के तत्वधान में भोलानंद झा की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्नेहा वत्स द्वारा राम विवाह गीतों से हुआ। जाह्नवी मिश्र ने जेहन किशोरी मोरी.. गा कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया खूब सराहना बटोरी। कुमारी छवि 6 वर्ष ने बच्चे मन के सच्चे तथा राशिका ने मैना के बच्चा गाकर माहौल खुशनुमा कर दिया। राजलाल के हा हम बिहारी हैं जी , पिंकी मंडल के जरा देर ठहरो तथा सुबोध मंडल के मुझे दस बना के रख लेना ने भी श्रोताओं से खूब तालियां बटोरी। शिवम मिश्र द्वारा गाए ग़ज़लों को श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में अध्यक्ष भोलानंद झा ने राग भीमपलासी में दिनन को

आसरा प्रभु तुमरो गा कर मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में तबला पे संगत धीरज मिश्र तथा चैतन्य ने की तथा हारमोनियम पर प्राचार्य रविशंकर मिश्र ने साथ दिया। मंच संचालन रविशंकर मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन सन्नी कुमार ने किया। कार्यक्रम में उदय जायसवाल, प्रो. शुभ कुमार वर्णवाल, ज्योति रमण झा, चन्देश्वर खां, रेवती रमन झा, वेदानंद साह सहिय कई अन्य लोग उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर पटना जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर

सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी की गई रद्द

पटना, एजेंसी। 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होने वाले नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर पटना जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कार्यक्रम की सुरक्षा और व्यवस्थित संचालन के लिए पटना के जिआदिकारी डॉ. त्यागराजन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, 20 नवंबर तक किसी भी परिस्थिति में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जाएगा। सभी कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यस्थलों पर मौजूद रहना अनिवार्य होगा, ताकि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रहे। आपको बता दें कि 20 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण

समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं दर्जनों गणमान्य लोगों की मौजूदगी में नितीश कुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

आज भंग होगी विधानसभा, राज्यपाल से मिले नीतीश

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर पत्र सौंपा है। जिसमें 19 नवंबर को विधानसभा भंग किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही एनडीए की प्रचंड जीत को लेकर नीतीश कुमार को बधाई दी गई है। इससे पहले सोमवार को आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई, जिसमें मौजूदा विधानसभा को 19 नवंबर को भंग भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ।

मंगलवार को जदयू विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है। बीजेपी विधायक दल की भी बैठक होगी। इसके बाद कल होनेवाली एनडीए की बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। 20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि नई कैबिनेट में 36 मंत्री होंगे, जिसमें 16 भाजपा से, 15 जदयू से, 3 लोजपा (आर) से, हम और रालोमो से 1-1 मंत्री होंगे। गांधी मैदान में इसकी तैयारी चल रही है। शपथ ग्रहण में मप्र नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

पिता की अर्थी को कंधा देने जा रहा था बेटा, रास्ते में बाइक सवार ने रौंदा

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां किस्मत के क्रूर मजाक ने एक परिवार को दो दिनों में पूरी तरह उजाड़ दिया। पिता की मौत के बाद उनकी शवयात्रा में शामिल होकर अंतिम विदाई देने जा रहे बेटे की भी सड़क हादसे में जान चली गई। यह घटना सौर बाजार थाना क्षेत्र के सुहथ पंचायत के अर्रहा वार्ड-04 की है। परिजनों के अनुसार, रामचलीतर साह (50) अपने पिता, 75 वर्षीय घूरण साह की रविवार रात करीब 10:30 बजे बीमारी से हुई मौत के बाद सोमवार सुबह निकली शवयात्रा में शामिल थे। गांव और समाज के लोग शव यात्रा को श्मशान घाट लेकर जा रहे थे, वहीं रामचलीतर साह भी पैदल अपने पिता को अंतिम विदाई देने जा रहे थे। श्मशान घाट से पहले, बैजनाथपुर-सोनबरसा मुख्य मार्ग पर घर से लगभग 700 मीटर की दूरी पर तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात बाइक सवार ने रामचलीतर को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत रामचलीतर को सौर बाजार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें सदर अस्पताल, सहरसा रेफर कर दिया गया। लेकिन सोमवार रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। रामचलीतर तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और मजदूरी कर पूरे परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके चाचा अनिल कुमार के अनुसार, मृतक अपने पीछे चार बच्चे दो बेटे और दो बेटियां छोड़ गए हैं। परिवार में दो दिनों के भीतर दादा और पिता की मौत से कोहराम मचा हुआ है। घटना की पुष्टि करते हुए सौर बाजार थाना अध्यक्ष अजय पासवान ने बताया कि अज्ञात बाइक की ठोकर से रामचलीतर साह की मौत हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार सुबह शव परिजनों को सौंप दिया।

पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में गिरी कंटेनर मुजफ्फरपुर में ड्राइवर-कंडक्टर बाल-बाल बचे; पुलिस ने गाड़ी को निकाला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के करजा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसा होते-होते टल गया। करजा पुल पर एक कंटेनर बेकाबू होकर रेलिंग तोड़ते हुए सीधे बाया नदी में जा गिरी। हादसे में किसी तरह का जान का नुकसान नहीं हुई है। कंटेनर के चालक और उपचालक समय रहते बाहर निकलकर सुरक्षित बच गए। थानाध्यक्ष परम हंस ने बताया कि कंटेनर रेवा रोड में दूध उतारकर मुजफ्फरपुर लौट रहा था। इसी दौरान करजा बाया नदी पुल के पास सामने से आ रहे एक बेकाबू ट्रैक्टर ने अचानक चकमा दे दिया।

कंटेनर को बाहर पुलिस ने निकाला

इस दौरान कंटेनर चालक स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरा। थानाध्यक्ष परमहंस ने बताया कि हादसे में चालक-उपचालक दोनों सुरक्षित हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कंटेनर को बाहर निकाला हैं। फिलहाल सड़क पर यातायात नियंत्रित तरीके से चलाया जा रहा है।

कंटेनर रेवा रोड में दूध उतारकर जा रहा था। इसी दौरान करजा बाया नदी पुल के पास सामने से आ रहे एक बेकाबू ट्रैक्टर ने चकमा दे दिया। इस दौरान कंटेनर चालक स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरी।

थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे में चालक-उपचालक दोनों सुरक्षित हैं। कुछ देर के रेवा रोड एनएच सड़क पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची करजा थाना पुलिस और 112 टीम ने जाम को हटवाया। उसके बाद रेवा रोड में यातायात व्यवस्था फिर से चालू हो गया है। पुलिस और स्थानीय लोग कंटेनर को बाहर निकालने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन के माध्यम से कंटेनर को बाहर निकाल लिया गया है। स्थानीय युवक रंजीत कुमार ने बताया कि कंटेनर पूल से नदी में गिरा है। बहुत जोर से आवाज हुआ है। चालक और उप चालक को बाहर निकाला गया है।

समस्तीपुर में करंट लगने से मिस्त्री की मौत :रॉड लगाते समय लगा बिजली का झटका, घर का हो रहा था निर्माण

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीन नगर चांदनी चौक बाजार मोहल्ले में करंट लगने से एक मिस्त्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान इसी मोहल्ले के और राजू पासवान के बेटा अविनाश पासवान (26) के रूप में की गई है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। शव का पोस्टमार्टम मंगलवार सुबह सदर अस्पताल में कराया गया है। अविनाश दो बेटियों का पिता था, जबकि उसकी पत्नी गर्भवती थी। घटना के संबंध में मृतक अविनाश के भाई राजू पासवान ने बताया कि उसका भाई राजमिस्त्री का काम करता था। मोहल्ला में ही एक घर का निर्माण चल रहा था। जहां पर पिलर के लिए रॉड वह लगा रहा था। इसी दौरान रॉड ऊपर से गुजर रही 11,000 बिजली के तार में सट गई। जिस कारण उसे करंट का जोड़ का झटका लगा। वह गंभीर रूप से झुलस गया।

मोहिउद्दीन नगर थाने में दर्ज होगी प्राथमिकी– हल्ला होने पर जुटे आसपास के लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए मोहिउद्दीननगर पीएसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी ने बताया कि करंट लगने से मजदूर की मौत हुई है । शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना को लेकर एक प्राथमिकी मोहिउद्दीन नगर थाने में दर्ज की जा रही है।

पूर्णिया में तीन बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता तीनों घर से खेलने निकले थे, परिजनों ने पुलिस से लगाई बरामदगी की गुहार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के मधुबनी से सोमवार को तीन मासूम बच्चे लापता हो गए। दोपहर करीब 12 बजे तीनों बच्चे रोज की तरह घर से खेलने के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर परिजन थाने पहुंचे। लिखित आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई। मामला मधुबनी थाना क्षेत्र के रहमतनगर का है।

बच्चों की पहचान शहर के मधुबनी इलाके के रहमतनगर निवासी पवन राउत के बेटे विशाल कुमार (8) और लालू कुमार (6) के रूप में हुई है। जबकि एक अन्य की पहचान मुखी राउत के बेटे विष्णु कुमार (5) के रूप में हुई है। तीनों बच्चे आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। जानकारी देते हुए पवन राउत और मुखी राउत ने बताया कि तीनों बच्चे रोजाना की तरह घर से बाहर खेलने निकले थे। बच्चे पास ही खेल रहे थे और दोपहर में घर से कुछ देर में लौटने की बात कहकर निकले थे। हमने सोचा थोड़ी देर में लौट आएंगे। लेकिन जब तीन घंटे तक बच्चे वापस नहीं आए, तब हम खोजने निकले। मोहल्ले, मैदान, सड़क, रिश्तेदारों के यहां सब जगह खोज लिया, मगर कहीं कुछ पता नहीं चला।

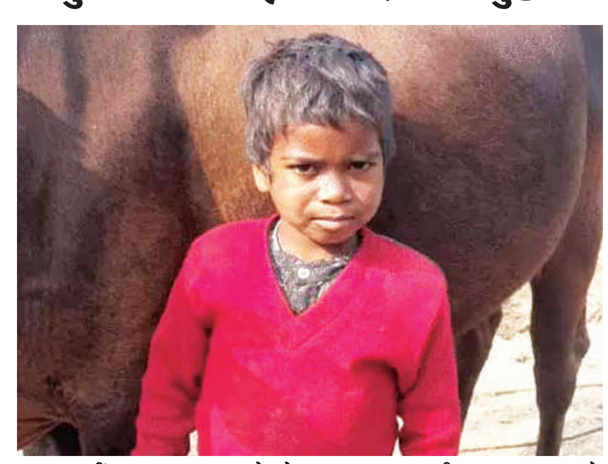

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस– विष्णु के पिता मुखी राउत ने कहा काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चे हमने पुलिस को सूचना दे दी है। सीसीटीवी कैमरे चेक हो रहे हैं। हम बस यही प्रार्थना करते हैं कि हमारे बच्चे सुरक्षित मिल जाएं। यह हम पर बहुत बड़ा दुख टूट पड़ा है।

थाना प्रभारी सूरज प्रसाद ने बताया कि बच्चों की गुमशुदगी की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम एक्टिव कर दी गई है। क्षेत्र के सभी संभावित स्थानों पर खोज की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। गश्ती बढ़ा दी गई है और दूसरे थानों को भी अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस ने बच्चों की तस्वीरें और जानकारी आसपास के क्षेत्रों में शेयर कर दी है, ताकि जल्दी पहचान हो सके।

साइबर ब्लैकमेलर गिरफ्तार, पति की आवाज बनाकर महिलाओं को फंसाता था

50 से ज्यादा पीड़िताओं का कबूलनामा

बेतिया, एजेंसी। बेतिया साइबर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए उस साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है, जो महिलाओं को वॉट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए ब्लैकमेल करता था। आरोपी महिलाओं के पति की आवाज बनाकर उन्हें धमकाता था और फिर वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करने के लिए मजबूर कर उनकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर लेता था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अब तक 50 से अधिक महिलाओं को इसी तरीके से जाल में फंसा चुका है।

पूरा मामला तब उजागर हुआ जब एक पीड़िता ने बेतिया साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में महिला ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके पति की आवाज बनाकर फोन किया और कहा कि उसका पति गलत काम करते हुए

पकड़ा गया है। आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और बाद में महिला को वॉट्सऐप वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करने के लिए मजबूर किया। इसके बाद आरोपी ने स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

घटना के आधार पर कांड संख्या 21/25, दिनांक 08 जून 2025 दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। तकनीकी अनुसंधान और कॉल डिटेल की मदद से पुलिस ने आरोपी की पहचान चनपटिया थाना क्षेत्र के जैतिया, पुड्डुकिया निवासी 27 वर्षीय सचिन कुमार तिवारी (पिता–मुरारी तिवारी) के रूप में की। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन बरामद किया ।

मुख्यमंत्री आवास के पास दो गाड़ियों में भीषण टक्कर, बाल–बाल बचे बच्चे, दोनों चालक गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। सोमवार सुबह पटना में मुख्यमंत्री आवास के पास तब हड़कंप मच गया जब दो गाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। यह हादसा मुख्यमंत्री आवास के पिछले गेट के पास उस समय हुआ, जब एक स्कूल वैन बच्चों को लेकर गुजर रही थी और अचानक सामने से आ रही एक कार से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। स्कूल वैन में कई बच्चे सवार थे, लेकिन गनीमत ये रही कि सभी बच्चे सुरक्षित रहे। चूँकि सुरक्षा कारणों से मुख्यमंत्री आवास के पास हमेशा पुलिस मुस्तैद रहती है, इसलिए मौके पर तुरंत पुलिस टीम पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस बीच स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों गाड़ियों के चालकों को हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों ही वाहन तेज रफ्तार में थे और एक वाहन चालक के अचानक मुड़ने के कारण यह टक्कर हुई। हालांकि इस संदर्भ में पुलिस द्वारा आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस की तीन सदस्यीय प्रदेश अनुशासन समिति का हुआ गठन

पटना, एजेंसी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा तीन सदस्यीय प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदेश अनुशासन समिति में वरिष्ठ नेता कपिलदेव प्रसाद यादव को अध्यक्ष, हसीब अनवर और संजय कुमार भारती को सदस्य के रूप में नामित किया है।

नवनिर्वाचित विधायकों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम से की मुलाकात– सोमवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में कांग्रेस पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम से मुलाकात की और आगे पार्टी की रणनीति को लेकर विचार विमर्श किया।

देशभर में 'सुशासन' मॉडल के प्रतीक हैं नीतीश कुमार: उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, एजेंसी। बिहार जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को जारी अपने बयान में नीतीश कुमार को 'सुशासन' मॉडल का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को कुशासन के अंधकार से निकालकर विकास और प्रगति की उस गगनचुंबी ऊँचाई पर पहुंचाया, जिसकी कल्पना भी पूर्ववर्ती दौर में असंभव मानी जाती थी। श्री कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार ने उम्मीद खो चुकी जनता के भीतर विश्वास और आशा की नई किरण जगाई। उन्होंने आगे कहा कि यही कारण है कि दो दशकों के ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सुशासन के बाद बिहार की जनता ने एक बार फिर भारी जनसमर्थन के साथ नीतीश कुमार पर अपना भरोसा जताया और उन्हें पुनः नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष ने पूरी ताकत लगाकर झूठ और दुष्प्रचार के सहारे जनता को बरगलाने का हर हतकंडा अपनाया, लेकिन अंततः नतीजा सच्चाई और सुशासन के पक्ष में ही आया। यह इस बात को सिद्ध करता है कि जनता का अटूट भरोसा न सिर्फ नीतीश कुमार पर कायम है, बल्कि दिनों-दिन और अधिक प्रगाढ़ होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार नए कार्यकाल में विकास की नई उड़ान भरने के लिए तैयार है। डबल इंजन की केंद्र और राज्य सरकार के साझा समन्वय से आने वाले पाँच वर्षों में बिहार देश के शीर्ष दस समृद्ध राज्यों में शामिल होगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 19 नवंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह के साथ संपन्न हुआ

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक चले सांस्कृतिक सत्र में छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। मुख्य प्रस्तुतियों में सांस्कृतिक नृत्य, संगीत, तबला, गिटार और गायन शामिल रहे। कशिश जायसवाल व समूह की गणेश वंदना, दीपिका राज का घूमर नृत्य विशेष रूप से सराहा गया। अनुष्का तिवारी की ओर से प्रस्तुत राजस्थानी लोक गीत और श्रुति व समूह का छठ गीत कार्यक्रम की प्रमुख आकर्षणों में रहा। वहीं विनायक सिंह की टीम की ओर से 'बेरोजगारी' पर प्रस्तुत सामाजिक सरोकारों से जुड़ी लघु नाटिका को दर्शकों ने पसंद किया। संचालन विनायक व परिणति ने किया। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि प्रो. अरूप चक्रवर्ती, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वी.के. शर्मा और अधिष्ठाता प्रबंधन संकाय ने किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा, शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक समृद्धि पर चर्चा की।

ध्यान व योग कार्यक्रम 28 को, राष्ट्रपति करेंगी शुभारंभ

लखनऊ, एजेंसी। मुजफ्फरनगर सुल्तानपुर मार्ग स्थित गुलजार उपवन में 28 नवंबर को एक दिवसीय विश्व एकता और विश्वास विषय पर ध्यान और योग कार्यक्रम होगा। इसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इसे लेकर सोमवार को गोमतीनगर के विपुलखंड में ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से केंद्र में सुबह 11 बजे प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी गई। उप अंचल प्रभारी राजयोगिनी राधा दीदी ने बताया कि इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व एकता और विश्वास को बढ़ावा देना है। 28 नवंबर को दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। वह पिछले 24 वर्षों से संस्था से जुड़ी हैं। माउंट आबू से आईं लीना दीदी ने बताया कि इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, राजयोग प्रशिक्षक और सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोग भाग लेंगे। भाई नथमल, मंजू दीदी आदि लोग मौजूद रहे।

बिहार चुनाव में भाजपा की स्थिति पूछना डॉक्टर को पड़ा भारी, मेडिकल स्टोर संचालक ने पीट दिया

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के चिनहट के मल्हौर में परिचित से बिहार चुनाव में भाजपा की सीटों की स्थिति पूछने पर मेडिकल स्टोर संचालक ने डॉक्टर को पीट दिया। एफआईआर दर्ज की गई है। निजामपुर निवासी श्रवण कुमार तिवारी दांतों के डॉक्टर हैं। शनिवार रात वह क्लीनिक बंद करके निकल रहे थे कि एक परिचित मिल गए। वह उससे चुनाव में भाजपा की सीटों के बारे में पूछ रहे थे कि तभी बगल के मेडिकल स्टोर से संचालक चंद्र प्रकाश यादव आया और पीटने लगा। उसका साथी भी धमकाने लगा। श्रवण ने आरोप लगाया कि चंद्र प्रकाश ने उनसे 50 हजार रुपये लिए थे। रकम वापस मांगने पर धमका रहा था। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक पीड़ित चंद्र प्रकाश के मेडिकल स्टोर की दवाएं नहीं लिखता था। इससे वह रंजिश रखता था।

सीएम योगी ने गोरखपुर में विधि विज्ञान प्रयोगशाला का किया उद्घाटन, 72.78 करोड़ की लागत से हुई तैयार

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में 72.78 करोड़ रुपये की लागत से बने क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। कहा, देश में तीन नए कानून लागू किए गए थे। मुख्य रूप से पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन नए कानून लागू किए गए थे, जिनकी अवधारणा प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को समय से न्याय देने की रही है।

यानि ब्रिटिश कालखंड की जो अवधारणा थी, दंड पर आधारित इससे अलग हटकर हर व्यक्ति को न्याय मिले और समय से न्याय मिले, इसी वजह से भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को पिछले वर्ष जुलाई में लागू किया गया था।

लागू होने के बाद ये अनिवार्य हो गया कि उन सभी अपराधों में फोरेंसिक साक्ष्य जुटाएं जाएंगे जिसमें सात वर्ष से ऊपर की सजा है। इसकी तैयारी हमने प्रदेश में पहले से ही कर ली थी। अक्सर अपराधी अपराध करता था और अपराध के बाद साक्ष्य के आभाव में अपराधी को सजा नहीं मिल पाती थी। क्योंकि लैब्स के आभाव के अपराधी बच जाते थे।

2017 में सूबे में सिर्फ 4 लैब थे। हमने उसी समय निर्देश जारी किया और कमिश्नरी स्तर पर

एक एक लैब तैयार कराया जाए, इसका प्रयास शुरू किया। पिछले 8 वर्ष में 4 लैब से बढ़कर 12 लैब हो गए हैं। सूबे के 18 कमिश्नरी में लैब बनाए होंगे। 6 कमिश्नरी में लैब का काम संचालित है।

यहां हर प्रकार को फोरेंसिग साइंस से अपराध के खिलाफ समय से ठोस साक्ष्य के साथ पीड़ित तो न्याय दिलवाने का काम किया जाएगा। हर जिले में मोबाइल फॉरेंसिक वैन भी जुटाए गए हैं। अब अपराध करने पर पीड़ित को भटकने की जरूरत नहीं।

अपराधी मौज मस्ती साक्ष्य नहीं होने से बच निकलता है, अब बचेगा नहीं। अपराध होने के कुछ ही घंटों के अंदर पुख्ता साक्षय होगा और लैब भी बता देगी कि ये अपराध व्यक्ति ने कारित किया है। युवाओं को भी रोजगार का माध्यम प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री योगी ने भरा एसआईआर प्रक्रिया का फॉर्म, इस प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 223 के हैं मतदाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सजग मतदाता के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया का फॉर्म भरा। मुख्यमंत्री गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र में झूलेलाल मंदिर के पास स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र के बूथ संख्या 223 के मतदाता हैं।

भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत मंगलवार सुबह बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एसआईआर प्रक्रिया का फॉर्म उपलब्ध कराया। फॉर्म भरकर मुख्यमंत्री ने उन्हें वापस हस्तगत किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, तहसीलदार सदर ज्ञान प्रताप सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, स्थानीय पार्षद एवं नगर निगम बोर्ड के उपसभापति पवन त्रिपाठी, जीडीए बोर्ड के सदस्य दुर्गेश बजाज आदि भी उपस्थित रहे।

सीएम योगी का सख्त निर्देश- पुलिस से जुड़े मामलों में करें सख्त कार्रवाई, की गोसेवा, मोर को भी दुलारा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि पुलिस से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है।

किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

खदान हादसाः बच्ची के कपड़ा खरीद लिहा, हम इतवार के दवाई लेके आइब... घटना से पहले पत्नी से फोन पर किया था वादा

सोनभद्र, एजेंसी। सोनभद्र जिले में खदान हादसे के बाद कृपाशंकर के परिवार के लोग हर शव को निहार रहे थे, लेकिन किसी से पहचान नहीं हो पाई। पोस्टमार्टम हाउस के सामने चबूतरे की ओट में बैठी सुरसती देवी की आंखों के आंसू सूख चुके थे। गोद में तीन माह की बेटी को लेकर वह निढाल पड़ी थी। कानों में बार-बार वही शब्द गूंज रहे थे, जो पति ने घटना से एक दिन पहले फोन पर हुई बातचीत में उससे कहा था। करीब 15 दिन पहले खदान में मजदूरी के लिए घर से निकले कृपाशंकर ने कहा था कि वह इस रविवार को घर जरूर आएगा।

शुक्रवार को फोन पर बातचीत में सुरसती ने उसे मासूम बच्ची की तबीयत के बारे में जानकारी दी थी। कहा था कि उसे दवा दिलानी होगी। तब पति ने भरोसा दिया था कि शनिवार को काम खत्म होने पर हिसाब होगा। पैसे लेकर वह सीधे घर आएगा। पत्नी से कहा था कि बेटी के लिए नए कपड़े खरीद लेना। वह दवा लेकर आएगा। पति के साथ इस अंतिम बातचीत का जिक्र करते हुए सुरसती देवी बिलखती रही। पास में उसके साथ उनकी छह साल की बेटी सरिता भी थी।

दोनों बच्चियों को निहारते हुए वह लोगों से पूछती रही कि अब उनकी परवरिश कैसे होगी। सुरसती देवी के मुताबिक कृपाशंकर घर पर रहकर ही खेती करता था। इस वक्त खेती का काम नहीं था, इसलिए वह खदान में काम करने चला गया था। सोचा था कि कुछ पैसे मिल जाएंगे। इसके बाद वह घर आकर धान की कटाई करेगा, मगर होनी को कुछ और ही मंजूर था।

राम खेलावन को ढूंढते पहुंची पत्नी, घटना के बाद से लापता : खदान के अंदर मलबे में छह मजदूरों के दबने की पुष्टि अब तक प्रशासन की ओर से की गई है। इसमें एक नाम राम खेलावन का भी है। प्रशासन की ओर से जारी सूची में पनारी ग्राम पंचायत के खड़ी टोला निवासी रामखेलावन (40) पुत्र सीताराम का उल्लेख है। सोमवार को दोपहर जुगैल के ढोसरी डांड टोला निवासी मानमति पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। वह अपने पति रामखेलावन को ढूंढ रही थी।

बताया कि पति 15 दिन पहले खदान में काम करने के लिए निकला था। दो दिन पहले क्षेत्र के एक व्यक्ति से मुलाकात होने पर बताया था कि शनिवार को मजदूरी का हिसाब करने के बाद रविवार को घर पहुंचेगा। पति के न पहुंचने पर चिंतित मानमति अपनी सास मितका देवी के साथ पहले खदान पहुंचीं। वहां से उन्हें पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया।

श्रावस्ती चीनी मिल में गन्ना पेराई शुरू

शिवपुर, एजेंसी। नानपारा की श्रावस्ती सहकारी चीनी मिल में नए पेराई सत्र का शुभारंभ मंत्रोच्चार के साथ किया गया। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने हवन-पूजन कर मिल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि गन्ना खरीद, तौल प्रक्रिया और भुगतान में किसी भी स्तर पर किसानों को असुविधा न हो। इस मौके पर किसानों का सम्मान भी किया गया।

उद्घाटन समारोह में पुरोहित मुकुंद राम मिश्रा ने जिलाधिकारी का तिलक किया और पूजा संपन्न कराई। डीएम ने डोंगे में गन्ना डालकर पेराई सत्र का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने तौल कराने आए गुलालपुरवा निवासी किसान मोती लाल का स्वागत करते हुए उन्हें गुड़ खिलाया और उनकी बैलगाड़ी पर टीका लगाया।

इसके बाद बैलगाड़ी में भरे 27 क्विंटल 50 किलो गन्ने की तौल कराई गई। दूसरे गेट पर खुदादभारी के किसान रामसुख के ट्रैक्टर का 99 क्विंटल 40 किलो गन्ना तौला गया और उन्हें पर्ची उपलब्ध कराई गई।

डीएम ने कहा कि किसान अपनी

सुविधा के अनुसार गन्ना मिल में लाएं। उन्होंने वादा किया कि तौल और पर्ची वितरण में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। कर्मचारियों को निर्देश दिया कि मिल संचालन समयबद्ध तरीके से करते हुए किसानों को भुगतान शीघ्र किया जाए।

शुभारंभ कार्यक्रम में पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गौड़, विधायक राम निवास वर्मा, सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष घनश्याम सिंह, भाजपा नेता ओम प्रकाश गुप्ता, आनंद प्रकाश श्रीवास्तव, राम वर्मा, जिला गन्ना अधिकारी आनंद शुक्ला, वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मनोज उपाध्याय, मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार, मुख्य रसायनविद गजेंद्र सिंह, गौतेंद्र कुमार, मुख्य लेखाकार गौरव द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

40 लाख क्विंटल पेराई का लक्ष्य

महाप्रबंधक महेश कैथल ने बताया कि इस पेराई सत्र में 40 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा करना मिल की प्राथमिकता है। साथ ही मिल तक आने-जाने वाले मार्गों की खराब स्थिति जल्द सुधारने की व्यवस्था की जाएगी।

यूपी के 70 हजार वक्फ के मुतवल्ली कौन...पता नहीं, वक्फ बोर्ड में दर्ज होने के बाद 37 साल से नहीं किया संपर्क

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के करीब 70 हजार वक्फ के मुतवल्ली कौन हैं? वर्तमान में जिंदा हैं या नहीं, इसकी जानकारी वक्फ बोर्ड के पास नहीं है। बोर्ड के रिकार्ड में करीब 37 साल पहले दर्ज होने के बाद से अधिकांश मुतवल्ली संपर्क में नहीं हैं। तमाम जिलों में 11 साल तक चले सर्वे के बाद वर्ष 1988 में गजट में इन अवकाफ को दर्ज किया गया था।

प्रदेश में वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराने के लिए नवंबर 1976 में शासनादेश जारी किया गया और वर्ष 1977 में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने सर्वे वक्फ कमिश्नर विभाग का गठन कर वर्ष 1977 से 1988 के बीच वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराया। गजट नोटिफिकेशन के बाद बोर्ड के दफा 37 रजिस्टर में एक लाख 11 हजार 418 संपत्तियां दर्ज की गई थीं।

सर्वे वक्फ विभाग ने कुछ समय बाद अपने स्तर से सर्वे कराकर कुल 1,33785 अवकाफ दर्ज किए थे। वर्तमान में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ

बोर्ड में करीब 1 लाख 26 हजार और उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड में करीब 7 हजार 785 संपत्तियां पंजीकृत हैं। दर्ज होने के बाद से करीब 80 फीसद सुन्नी और करीब 40 फीसद शिया वक्फ के मुतवल्लियों ने बोर्ड कार्यालय से कोई संपर्क नहीं रखा।

सुन्नी वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जुफर फारूकी ने बताया कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ का पंजीकरण अनिवार्य होने के बाद सबसे बड़ी चुनौती करीब 60 से 70 हजार वक्फ के मुतवल्लियों से संपर्क करने की है। इनमें ज्यादातर उन संपत्तियों के मुतवल्ली शामिल हैं जिनकी कोई आमदनी नहीं है।

उन्होंने बताया कि 37 साल पहले बने मुतवल्लियों में अधिकांश के जिंदा होने की उम्मीद भी नहीं है। समस्या के समाधान के लिए वेबसाइट पर जिलावार वक्फ की सूची और गजट की कॉपी अपलोड की गई है। शिया वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जीशान रिजवी ने बताया कि करीब 2 से 3 हजार वक्फ के मुतवल्ली कार्यालय के संपर्क में नहीं हैं।

रेलवे के खंडहर मकान में बेहोश मिली महिला...पास ही पड़ा था बैग, होश में आने पर बताई आपबीती

आगरा, एजेंसी। आगरा के कैंट रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह एक खंडहर मकान में इटावा की महिला बेहोश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह 6:30 बजे रेलवे कॉलोनी के एक व्यक्ति ने फोन कर

बताया कि एक महिला खंडहर मकान में बेहोश पड़ी है। पास ही उसका बैग भी रखा है। ऑटो वाले फेंक गए हैं। अस्पताल में दोपहर बाद होश आने पर महिला ने पुलिस को बताया कि वह हरियाणा जाने के लिए सहेली के घर से निकली थी। रास्ते में तबीयत खराब हो गई। महिला ने अपने पति का मोबाइल नंबर दिया। पुलिस ने पति से बात की। हालांकि परिजन देर रात तक नहीं आए।

एसीपी इमरान अहमद ने बताया कि महिला के मुताबिक वह इटावा के भरथना की है। बीमार रहती है। कई बार बेहोश हो जाती है। अक्सर इलाज के लिए आगरा आती रहती है। एक सप्ताह पहले घर से निकली थी। फिरोजाबाद में अपनी दोस्त के घर चली गई थी। वहां से आगरा दवा लेने आई थी।

इसके बाद हरियाणा नौकरी करने जाना चाहती थी। आगरा कैंट स्टेशन के पास तबीयत खराब हो गई। उसने किसी तरह की घटना से इन्कार किया है। वहीं पति ने फोन पर पुलिस को बताया कि उनके एक बच्चा है। परिजन के आने पर महिला को उनके सुपुर्द किया जाएगा।

कानपुर में दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस पलटने से तीन की मौत, दो दर्जन घायल

सुनील बाजपेई

कानपुर। नशे की हालत में तेज रफ्तार से वाहन चलाना लोगों की असमय मौत का कारण लगातार बना रहा है। इसी क्रम में दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस के पलटने से तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से ज्यादा घायल हो गए। उन्हें यहां के हैलट हालत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आज मंगलवार की सुबह हुई इस घटना में 15 लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। बताते हैं की घटना चालक को झपकी आ जाने की वजह से हुई। साथ ही वह नशे में भी बताया गया है। यहां पुलिस से प्राप्त विवरण के मुताबिक बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के दिल्ली से बिहार जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मौके पर ही तीन यात्रियों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब बस दिल्ली से बिहार की तरफ जा रही थी और बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर मोड़ के पास पहुंची। भोर का समय होने के कारण संभवतः चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। हादसा इतना भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को तत्काल सीएचसी ले गई। वहीं, 15 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

स्टार्टअप योद्धाः 80 करोड़ की वर्चुअल दुकानदार हैं वर्तिका पंजाबी, चिकनकारी को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाया

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ शहर की युवा उद्यमी वर्तिका पंजाबी ने लखनऊ की चिकनकारी को स्थानीय बाजारों से निकालकर दुनिया के हर कोने तक पहुंचा दिया है। उनकी ई-कॉमर्स वेबसाइट हर साल 80 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। बदलते व्यापारिक दौर को देखते हुए अब वह क्लिक कॉमर्स में भी कदम बढ़ा रही हैं, ताकि ग्राहक ऑर्डर करने के कुछ ही घंटों में चिकनकारी उत्पाद अपने घर पर पा सकें।

वर्तिका बताती हैं कि कंपनी से 30 हजार कारीगर और 15 हजार अन्य स्टाफ जुड़े हैं, जिनकी मेहनत ने लखनऊ की इस पारंपरिक कला को वैश्विक पहचान दिलाई है। डाटा एनालिटिक्स के सहारे उन्होंने कई शहरों में वेयरहाउस तैयार किए हैं, जहां लोगों की पसंद के हिसाब से माल स्टॉक होता है।

करीब 90 साल पुराने चिकनकारी व्यवसाय से जुड़े परिवार की बेटी वर्तिका

(चौथी पीढ़ी) ने परंपरा से हटकर 2008 में ई-कॉमर्स की राह पकड़ी थी। वह कहती हैं कि जब मैंने शुरुआत की, तब मेरे सामने कोई मिसाल नहीं थी। आज भी इतनी बड़ी रेंज वाली चिकनकारी कलेक्शन कहीं दिखाई नहीं देती। 2018 में जब चिकनकारी को ओडीओपी के तहत शामिल किया गया, तो उनका कारोबार और तेजी से फैलने लगा। इससे असली और मशीन की कढ़ाई में फर्क समझना आसान हुआ और ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा।

नवाबी दौर से निकली चिकनकारी की कहानीः वर्तिका बताती हैं कि नवाबी सल्तनत में दरबारी कारीगर जरदोजी और चिकनकारी का काम करते थे। नवाबी शासन खत्म होने पर ये कारीगर लखनऊ में ही बस गए और छोटे-छोटे कपड़ों पर कढ़ाई कर बाजार में लाने लगे। यही परंपरा आज भी पीढ़ियों से चली आ रही है।

सख्त चेकिंग के बीच पॉलीटेक्निक सेमेस्टर परीक्षा शुरू

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के राजकीय, अनुदानित और पीपीपी मॉडल पॉलीटेक्निक कॉलेजों में सोमवार से डिप्लोमा इंजीनियरिंग की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हुईं। दो पाली में आयोजित परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग की गई। प्रवेश पत्र के अलावा पर्स या किसी भी तरह के कागज ले जाने पर पाबंदी रही। चेकिंग के दौरान कुछ अभ्यर्थियों के पास कागज मिले, जिन्हें बाहर रखवाने के बाद परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई। प्राविधिक शिक्षा परिषद के संयुक्त सचिव विजय पाल ने बताया कि सघन चेकिंग के लिए जिला और कॉलेज स्तर पर कई टीमें तैनात रहीं। ऑनलाइन पेपर से नकल की संभावना बेहद कम रही। हीवेट पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य कुंदन सिंह के मुताबिक, दो पाली में आयोजित परीक्षा में एक हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। राजकीय महिला पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिंह ने बताया कि परिषद के कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 19 नवंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के माउंट आबू में पारा शून्य, बद्रीनाथ में झील-झरने जमे, एमपी के 26 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

नई दिल्ली। पहाड़ी इलाकों से आ रही बर्फीली हवाओं से उत्तर भारत ठिठुर रहा है। दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में तापमान तेजी से लुढ़क रहा है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में पारा माइनस 8 डिग्री चला गया है, जिससे वहां झरने और झीलें जम गई हैं। राजस्थान में साल 2021 के बाद पहली बार नवंबर में टेम्परेचर 5 डिग्री से नीचे आ गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान फतेहपुर में सबसे कम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राज्य के 15 शहरों में तापमान 5 से 10 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। माउंट आबू में 15 साल में पहली बार नवंबर में ही पारा शून्य पर पहुंच गया है। इससे ओस की बूंदें जम गई। पिछले साल माउंट आबू में पिछले साल ओस की बूंदें 10 दिसंबर 2024 को बर्फ बनी थीं। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर और राजगढ़ समेत 26 जिलों में मंगलवार को शीतलहर की चेतावनी दी गई है। इंदौर में आज से स्कूलों की टाइमिंग सुबह 9 बजे से कर दी गई है। भोपाल में नर्सरी से 8वीं क्लास तक स्कूलों की टाइमिंग सुबह 8:30 बजे के बाद लगाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में सोमवार को 3 साल की सबसे ठंडी सुबह रही। सोमवार सुबह दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले नवंबर में सबसे कम तापमान 29 नवंबर 2022 को 7.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। वहीं, मंगलवार को भी कोहरा छाया हुआ है।

अल फलाह यूनिवर्सिटी में डॉ निसार की पत्नी-बेटी हाउस अरेस्ट, 10 एमबीबीएस छात्रों के मोबाइल जब्त

फरीदाबाद। दिल्ली बम ब्लास्ट के बाद जांच एजेंसियां फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसती जा रही हैं। जांच एजेंसियों ने आतंकी मॉड्यूल से जुड़े डॉ. निसार उल हसन की डॉक्टर पत्नी और MBBS कर रही बेटी को यूनिवर्सिटी कैंपस में ही हाउस अरेस्ट किया है। इनके अलावा MBBS के 10 और छात्रों के यूनिवर्सिटी कैंपस से बाहर जो पर रोक लगाई गई है। इनके मोबाइल जांच एजेंसियों के पास हैं। मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्डिंग व अन्य डेटा चेक किया जा रहा है। डॉ नासिर हसन अल-फलाह यूनिवर्सिटी में मेडिसन विभाग के प्रोफेसर है। वह दिल्ली में लाल किले के सामने बम ब्लास्ट में खुद को उड़ाने वाले आतंकी डॉ उमर नबी, डॉ मुजम्मिल शकील और डॉ शाहीन सईद के संपर्क में था। 10 नंवबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट के बाद डॉ. नासिर फरार

हो गया। बाद में जांच एजेंसियों ने पश्चिमी बंगाल से गिरफ्तार किया। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि डॉ. निसार पहले से ही इस आतंकी नेटवर्क का हिस्सा था। वो जम्मू-कश्मीर में रहते हुए भी विवादों में आया था। तब वह श्रीनगर में SMHS अस्पताल में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वहां साल 2023 में जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा बर्खास्त किया गया। आरोप था कि उसकी गतिविधियां राज्य की सुरक्षा के खिलाफ थी। डॉ. निसार पहले से ही डॉ. उमर नबी, डॉ. आदिल और डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में था। जिसके कारण अल फलाह यूनिवर्सिटी में आसानी से नियुक्ति मिल गई और जॉइन से पहले उसका बैकग्राउंड तक चेक नहीं किया गया।

साबरमती जेल में 3 कैदियों ने आतंकी को पीटा, आंख में चोट लगी, कई जगह हमले की थी प्लानिंग

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने बीते 9 नवंब को गुजरात से तीन ISIS आतंकियों को गिरफ्तार किया था। फिलहाल तीनों साबरमती जेल में बंद हैं। मंगलवार को इनमें से एक आतंकी मारपीट के दौरान घायल हो गया। आंख में चोट आने से उसे सिविल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। जेल से मिली जानकारी के मुताबिक, घायल आतंकी का जेल के तीन अन्य कैदियों से विवाद हो गया था। इसी दौरान बात मारपीट तक जा पहुंची और तीनों कैदियों ने उस पर हमल बोल दिया। आतंकी का बयान दर्ज करने के बाद बाकी तीन कैदियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है। हथियार लेने अहमदाबाद आया था मोहिउद्दीन एटीएस के डीएसपी शंकर चौधरी और केके पटेल को 7 नवंबर की सुबह सूचना मिली थी कि हैदराबाद का एक आतंकी हथियार लेने अहमदाबाद आया था। इसके बाद टीम ने अडालज टोल प्लाजा से हैदराबाद के आतंकी डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद को गिरफ्तार किया था। उसकी कार से तीन विदेशी पिस्टल और 30 कारतूस भी जब्त किए गए थे। इसके अलावा अहमद को हथियार देने आए उत्तर प्रदेश के दो आतंकियों सुहैल और आजाद सुलेमान को भी गुजरात के पालनपुर से अरेस्ट किया गया था। सायनाइड से भी घातक राइजिन नामक केमिकल तैयार कर रहे थे डॉ. मोहिउद्दीन और उसके साथियों की टीम राइजिन नाम का जहरीला केमिकल तैयार कर रही थी, जो साइनाइड से भी ज्यादा घातक है। इस केमिकल के जरिए आतंकी बड़े नरसंहार की योजना बना रहे थे। वे इसे खाने-पीने की चीजों में पाउडर के रूप में और पानी में तरल रूप में मिलाकर बड़ा नरसंहार करना चाहते थे। सोशल मीडिया से संपर्क में आए थे तीनों आतंकी गांधीनगर और पालनपुर से गिरफ्तार किए गए तीनों ISIS आतंकियों के बारे में एक और खुलासा हुआ है कि तीनों आतंकी सोशल मीडियो के जरिए संपर्क में आए थे। वहीं, इनका आका इन्हें टुकड़ों में जानकारी देता था कि आगे क्या करना है।

तमिलनाडु के 200 किसानों को नर्मदापुरम में ट्रेन से उतारा, पुलिस के सामने हंगामा किया

नर्मदापुरम। चेन्नई से विरोध प्रदर्शन करने नई दिल्ली जा रहे एक किसान संगठन के लोगों को मंगलवार शाम नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर रोक लिया गया। ट्रेन से किसानों को जबरदस्ती उतारा जा रहा है। इस दौरान हंगामा भी हुआ। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए स्टेशन को छावनी में तब्दील कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, तमिलनाडु के 'राष्ट्रीय दक्षिण भारतीय नदी संपर्क किसान संगठन' के करीब 200 सदस्य सोमवार को जीटी एक्सप्रेस में सवार हुए हैं। किसानों की दिल्ली पहुंचकर आंदोलन करने की योजना थी। उन्हें दिल्ली से पहले रोकने के लिए नर्मदापुरम में उतारने की तैयारी की गई। कुछ किसान तमिलनाडु एक्सप्रेस से भी आ रहे हैं, जिन्हें इटारसी रेलवे स्टेशन पर उतारा जाएगा। यह ट्रेन शाम 6 बजकर 30 मिनट पर इटारसी पहुंचेगी। इटारसी जंक्शन पर भी पुलिस फोर्स लगाया गया है। सुरक्षा और कार्रवाई के लिए नर्मदापुरम, हरदा, रायसेन, सीहोर, भोपाल और छिंदवाड़ा समेत अन्य जिलों से पुलिस, आरपीएफ और जीआरपी का फोर्स बुलाया गया है। यह भारी पुलिस बल दोपहर 3 बजे से नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर तैनात था।

ट्रम्प रूस से बिजनेस करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाएंगे

कहा- इस पर कानून बन रहा, रूसी तेल खरीदने वालों पर 500% टैरिफ लग सकता है

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को चेतावनी दी है कि रूस के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर बेहद कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन और रिपब्लिकन पार्टी के नेता ऐसे कानून बना रहे हैं जिनका मकसद रूस पर दबाव बढ़ाना है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि रूस ही नहीं बल्कि ईरान के साथ भी बिजनेस करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर पहले ही 50% टैरिफ लगा रखे हैं, जो दुनिया में सबसे ऊंचे माने जा रहे हैं। इसमें 25% एक्स्ट्रा टैक्स सिर्फ इसलिए लगाया गया है क्योंकि भारत, रूस से तेल और गैस खरीदता है।

रूसी तेल खरीदने वालों पर 500% टैरिफ लग सकता है: हाल ही में सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक बिल पेश किया है जिसमें कहा गया है कि रूस के तेल को खरीदने वाले और फिर बेचने वाले देशों पर 500% टैरिफ लगाया जाए। सीनेटर ग्राहम और सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने मिलकर सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025 पेश किया है, जिसमें उन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की बात है जो रूस से बिजनेस कर यूक्रेन जंग में उसकी आर्थिक मदद कर रहे हैं। इस एक्ट को 100 में से 85 सीनेटर ने समर्थन दिया है।

जयशंकर बोले- भारत-रूस के विकास से दुनिया को फायदा: ट्रम्प का रूस से बिजनेस करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने वाला बयान तब आया है जब भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर रूस दौरे पर हैं। जयशंकर ने मंगलवार को रूस की राजधानी मॉस्को में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत-रूस संबंध लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में स्थिरता की वजह रहे हैं। जयशंकर ने कहा- भारत और रूस का विकास न सिर्फ दोनों देशों का आपसी हित है, बल्कि यह दुनिया के हित में भी है। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच कई द्विपक्षीय समझौते, परियोजनाएं और नई पहल शुरू होने वाली है, जिनसे 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' और मजबूत होगी। जयशंकर का बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को भारत के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रम्प ने इस साल अगस्त में रूस से क्रूड ऑयल खरीदने के कारण भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया था। हालांकि, भारत ने ट्रम्प की बार-बार आपत्तियों के बावजूद रूस से तेल खरीदना जारी रखा है।

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री के साथ बैठक के दौरान बताया कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश, अंतरिक्ष, विज्ञान और रक्षा सहित कई क्षेत्रों में नए समझौते और प्रोजेक्ट चर्चा के अंतिम चरण में हैं। दोनों देश जटिल वैश्विक हालात, जैसे यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान की स्थिति पर भी खुलकर चर्चा कर रहे हैं। बता दें कि जयशंकर PM नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारी को लेकर मॉस्को दौरे पर हैं।

आतंकी डॉ. उमर बोला-सुसाइड बॉम्बिंग शहीद होने का मिशन

दिल्ली धमाके से पहले बनाया वीडियो, श्रीनगर से गिरफ्तार जसीर को 10 दिन की एनआईए हिरासत

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में लाल किला के पास 10 नवंबर को आत्मघाती हमला करने वाले आतंकी डॉ. उमर का नया वीडियो सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो आतंकी ने ब्लास्ट से पहले बनाया था। इसमें वह आत्मघाती हमले को लेकर बात रख रहा है। इससे माना जा रहा है कि वह फिदायीन हमला पहले से प्लान कर रहा था।

VIDEO में उमर टूटी-फूटी अंग्रेजी में बात कर रहा है। उसने कहा- एक बात जो नहीं समझी गई कि यह शहीद होने के लिए ऑपरेशन (मार्टरडम ऑपरेशन) है, न कि सुसाइड हमला। इसको लेकर कई विरोधाभास हैं। दरअसल मार्टरडम ऑपरेशन के लिए माना जाता है कि कोई व्यक्ति निश्चित रूप से किसी जगह पर निश्चित समय पर जान देता है।

दरअसल, डॉ. उमर ने ही दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुंडई i20 कार से आत्मघाती धमाका किया था। इस धमाके से 15 लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल हुए थे। मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, इसमें से 6 डॉक्टर है। जांच एजेंसियां इस मॉड्यूल के बाकी सदस्यों और तकनीकी सपोर्ट नेटवर्क की पहचान में जुटी है।

शाह ने तय की थी नक्सली हिड़मा की डेडलाइन

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मरेडमिल्ली जंगल में मंगलवार सुबह हुए एनकाउंटर में मारा गया है। उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर कर दिया गया है। बस्तर रेंज IG सुन्दरराज पी ने पुष्टि की है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मारा गया।

हिड़मा पिछले 2 दशक में हुए 26 से ज्यादा बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2010 दंतेवाड़ा हमला भी शामिल है, जिसमें 76 CRPF जवान शहीद हुए थे।

इसके अलावा 2013 में झीरम घाटी हमले, 2021 सुकमा-बीजापुर हमले में भी हिड़मा की भूमिका रही है। इधर छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र में भी एक दूसरी मुठभेड़ हुई है, इसमें नक्सलियों के घायल होने की खबर है। दोनों जगहों पर सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन टीम से फोन पर बात कर उन्हें बधाई दी है। हिड़मा का जन्म1981 में छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में हुआ था। वह पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA) की एक बटालियन का कमांडर और माओवादी सेंट्रल कमेटी का सदस्य था। वह बस्तर क्षेत्र से इस शीर्ष नेतृत्व में शामिल होने वाला इकलौता आदिवासी माना जाता था।

दिल्ली की 3 अदालतों, 2 स्कूलों को बम की धमकी, पटियाला हाउस कोर्ट में ब्लास्ट से जुड़े

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की 3 जिला अदालतों और 2 स्कूलों को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। साकेत कोर्ट, पटियाला हाउस कोर्ट और द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने सभी अदालतों को खाली करवा लिया गया और जांच शुरू कर दी गई है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि धमकी भरा मेल जैश-ए-मोहम्मद नाम की मेल आईडी से भेजा गया था। इसके बाद तीनों कोर्ट कैंपस में बम स्क्वॉड जांच कर रहा है। गौरतलब है कि पटियाला हाउस कोर्ट में आज NIA दिल्ली लाल किला कार ब्लास्ट के एक आरोपी जसीर बिलाल वानी को पेश करने वाली है। इससे ठीक पहले सुबह 11 बजे यह मेल भेजा गया। इससे पहले सीआरपीएफ के दो स्कूलों को भी सुबह बम की धमकी मिली। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस

आरोपी की पेशी से पहले मेल आया, जांच जारी

को फोन करके दावा किया कि कैंपस में विस्फोटक रखे गए हैं। सुबह करीब 9 बजे प्रशांत विहार और द्वारका के स्कूलों को कॉल मिलने के बाद, टीमें दोनों जगहों पर पहुंच गईं और एहतियात के तौर पर स्कूल खाली करा लिया गया।

NIA दिल्ली ब्लास्ट केस से जुड़े आरोपी को पेश करेगी: NIA मंगलवार को आरोपी जसीर बिलाल उर्फ दानिश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश करने वाली है। इससे पहले वहां रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की गई। यह आरोपी हमले में मारे गए आतंकी डॉ. उमर का दोस्त बताया जा रहा है।

लंच के बाद शुरू होगी कोर्ट की कार्रवाई: साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव धीर सिंह कसाना ने कहा कि अदालती कार्यवाही लगभग दो घंटे के लिए स्थगित कर दी गई थी और लंच के बाद फिर से शुरू होगी। पटियाला हाउस अदालतों में नई दिल्ली बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नवनीत पंवार ने पुष्टि की अदालती कार्यवाही जारी है। केवल थोड़ी देर के लिए रुकी थी।

धमकी के बाद फोन बंद, जांच में कुछ नहीं मिला: दिल्ली पुलिस ने बताया कि स्कूलों को धमकी देने के बाद फोन करने वाले का फोन बंद हो गया और उसका पता लगाने की कोशिश जारी है। हालांकि फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने कहा, "हमने स्कूलों में जांच की। वहां कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। धमकी को एक अफवाह घोषित कर दिया गया है।"

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर चाकू लेकर दौड़ा युवक, टैक्सी ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की

एजेंसी, नई बेंगलुरु

बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक युवक ने टैक्सी ड्राइवर पर चाकू से हमले की कोशिश की है। घटना रविवार देर रात टर्मिनल-1 के इंट्रेंस की है। इसका CCTV फुटेज भी सामने आया है। CCTV में आरोपी युवक सोहेल अहमद तेजी से टैक्सी चालक की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा है और हमले की कोशिश करता है। इस दौरान वहां मौजूद लोग घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे। मौके पर मौजूद CISF के एएसआई सुनील कुमार और उनकी टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने दौड़कर हमलावर को जमीन पर गिराया और चाकू छीनकर उसे काबू में कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम में मामला दर्ज कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आरोपी का टैक्सी ड्राइवरों से झगड़ा हुआ था: पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी का टैक्सी ड्राइवरों से किसी बात पर झगड़ा हो गया था। इसी गुस्से में उसने लंबा चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस यह भी देख रही है कि क्या यह

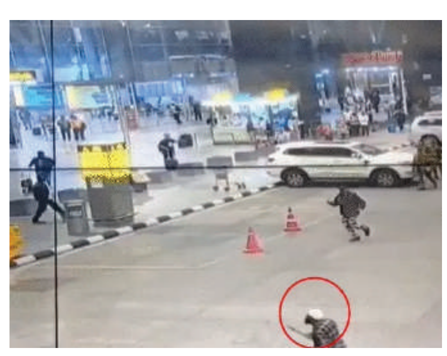

सिर्फ झगड़े की बात थी या इसके पीछे कोई और वजह छिपी है।

चाकू लेकर कैसे पहुंचा, इसकी जांच जारी: वहीं, पुलिस यह भी पता कर रही है कि आरोपी इतना बड़ा चाकू एयरपोर्ट के पास लेकर कैसे पहुंच गया, उसने चाकू कहां से खरीदा, वहां क्यों लेकर आया और उसकी असल मंशा क्या थी। इसके लिए पुलिस अब उसके पिछले रिकॉर्ड, काम-काज और हाल के दिनों में उसकी हरकतों की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंचे शिवसेना मंत्री

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी नगर निकाय चुनावों से पहले मंगलवार को महायुति सरकार की साप्ताहिक कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें शिवसेना के ज्यादातर मंत्रियों नहीं पहुंचे। इससे महाराष्ट्र में राजनीति हलचल बढ़ गई है। सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में केवल शिवसेना प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे। सोर्स ने बताया कि शिवसेना अपने सहयोगी भाजपा को यह संदेश देना चाहती है कि उसे भाजपा का शिवसेना के कार्यकर्ताओं और नेताओं को अपने पाले में लाना पसंद नहीं है। हाल ही में कल्याण-डोंबिवली में शिवसेना के नेताओं के भाजपा में जाने की घटनाओं को इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है। हालांकि इसके बाद शिवसेना के मंत्री मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले और डोंबिवली की घटनाओं पर नाराजगी जताई।

मंत्रालय में मौजूद मंत्री बैठक में नहीं गए: सोर्स ने बताया कि बैठक के दौरान शिवसेना के सभी मंत्री मंत्रालय में मौजूद थे। इसके बावजूद कैबिनेट मीटिंग का हिस्सा नहीं बने। बैठक के बाद शिवसेना के सभी मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत की।

भाजपा बोली- कोई एक-दूसरे के कार्यकर्ता नहीं लेंगे: इस दौरान शिवसेना मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि हमने फडणवीस से मुलाकात की। उन्हें नेताओं

♦ **सोर्स ने कहा- शिंदे की पार्टी भाजपा से नाराज, कार्यकर्ताओं को पाले में करने का आरोप**

और कार्यकर्ताओं को अपने साथ करने के मामले के बारे में बताया। वे बहुत सहयोगी हैं। ये गलतियां जमीनी स्तर पर होती हैं। इन्हें सुधारा जाएगा। वहीं, भाजपा नेता और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि यह तय हुआ है कि वे एक-दूसरे के कार्यकर्ताओं को नहीं लेंगे। कुछ नाराजगी हो सकती है। हमारे मंत्री स्थानीय चुनावों में व्यस्त हैं। भाजपा के आठ मंत्री भी कैबिनेट बैठक में नहीं आए। किसी भी मंत्री ने बैठक का बहिष्कार नहीं किया।

चीन-जापान के बीच भारी तनाव, जापानी पीएम बोलीं- हमला हुआ तो सेना भेजेंगे

एजेंसी, बीजिंग/टोक्यो

जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए बयान से चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ गया है। दरअसल साने ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब ओसाका में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- जापान की रक्षा करेंगे: बिगड़ते माहौल के बीच, रविवार को चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज जापान के कंट्रोल वाले सेनकाकू आइलैंड के पास दिखाई दिए थे। इसके बाद जापान के कोस्ट गार्ड ने उन्हें इलाके से बाहर किया था। अमेरिका ने क्लियर किया कि जापान-अमेरिका सुरक्षा समझौते के तहत अगर इन द्वीपों पर हमला होता है, तो अमेरिका जापान की रक्षा करेगा। वहीं, चीन के फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कुछ जापानी फिल्मों की रिलीज रोक दी है। चीनी सरकारी टीवी CCTV ने कहा कि यह घरेलू माहौल को देखते हुए यह फैसला सावधानी से लिया गया है।

चीन से जापान की 5 लाख फ्लाइट टिकटें कैंसिल: चीन और जापान के बीच बढ़ते तनाव का सबसे बड़ा असर अब हवाई यात्राओं पर दिख रहा है। बीजिंग की ओर से नागरिकों को जापान न जाने की सलाह देने के बाद चीन से जापान की करीब 5 लाख फ्लाइट टिकटें रद्द हो गई हैं। यह संख्या कुल बुकिंग्स का लगभग 32% है। एविएशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रविवार को टिकट कैंसिलेशन की संख्या नई बुकिंग्स से 27 गुना ज्यादा थी। 2020 में कोविड की शुरुआत के बाद पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में टिकटें रद्द हुई हैं। सबसे ज्यादा कैंसिलेशन शंघाई-टोक्यो और शंघाई-ओसाका रूट पर हुए हैं। एयरलाइंस का अनुमान है कि रिफंड की वजह से अरबों युआन का नुकसान हो सकता है, क्योंकि लगभग 70% टिकटें

राउंड-ट्रिप थीं।

चीनी मीडिया बोला- ताइवान मुद्दे में जापान बेवजह दखल दे रहा: चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका

♦ **चीनी राजदूत बोले- दखल देने वालों की गर्दन काट देंगे**

उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्त्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। साथ ही, जापान में दुनिया में सबसे बड़ा अमेरिकी सेना का विदेशी ठिकाना भी मौजूद है।

चीन-जापानी ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की: जापानी सरकार ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने को कहा है। जापान के कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि हाल के डिप्लोमेटिक विवादों के बाद चीनी मीडिया में जापान को लेकर माहौल खराब हुआ है, इसलिए यह नया सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। जापान के सुरक्षा अलर्ट में कहा गया है कि अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतें, अकेले ट्रैवल न करें, बच्चों के साथ बाहर जाते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध इंसान या ग्रुप को देखकर तुरंत दूर चले जाएं। वहीं, चीन ने भी रविवार को जापान पढ़ने जाने वाले चीनी छात्रों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। चीन का कहना है कि जापान में इन दिनों सुरक्षा स्थिति ठीक नहीं है और वहां रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए खतरा बढ़ गया है। चीन के मुताबिक, जापान में हाल ही में अपराध बढ़े हैं और चीनी छात्रों के लिए माहौल पहले जैसा सुरक्षित नहीं रहा।

चीन-जापान में सेनकाकू आइलैंड को लेकर विवाद: जापान के दक्षिण पश्चिम इलाके में ही सेनकाकू या डियाओयू आइलैंड है। यही चीन के साथ जापान के विवाद की वजह है। फिलहाल यहां जापान का कब्जा है, लेकिन चीन पर इस पर अपना दावा करता है। यह दक्षिण चीन सागर के पास है। इस आइलैंड के पास 12 मील का इंटरनेशनल एयर रूट भी है। हालांकि, चीन इसे नहीं मानता और अक्सर जापान के एयर स्पेस में घुस आता है। इसे देखते हुए जापानी एयरफोर्स को हमेशा अलर्ट रहना होता है।

दूसरे टेस्ट में शुभमन का खेलना तय नहीं, नितीश किये जा सकते हैं शामिल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट में खेलने की संभावना कम है। ऐसे में इस मैच में ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को शामिल किया जा सकता है। शुभमन की गर्दन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान जकड़न आ गयी थी। इस कारण वह अस्पताल में भी भर्ती थे हालांकि अब वह होटल वापस आ गये हैं पर अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हुए है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनका दूसरे टेस्ट में गुवाहाटी में खेलना तय नहीं है। वहीं रेड्डी को ईडन गार्डन्स टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया था पर अब उनकी वापसी होने की संभावना है। नितीश कोलकाता टेस्ट मैच से पहले बीसीसीआई ने रिलीज कर भारत ए के के लिए खेलने के लिए कहा था। वहीं शुभमन के फिट नहीं होने के कारण बोर्ड ने उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए शामिल किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वह 18 नवंबर को ईडन गार्डन्स में वैकल्पिक सत्र में अभ्यास भी करेंगे. रेड्डी ने भारत ए की ओर से दो लिस्ट ए मैच खेले और जबकि उन्हें दूसरे मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने पहले मैच में 37 रन बनाए थे 18 रन देकर एक विकेट लिया था। टेस्ट टीम में फिर से शामिल पर वह 19 नवंबर को होने वाले भारत ए के तीसरे मैच में नहीं खेलेंगे। वहीं शुभमन के बाहर होने से टीम की बल्लेबाजी कमजोर हुई है और इसी कारण रेड्डी जोड़ा जा रहा है। शुभमन अभी गर्दन के दर्द से उबर रहे हैं। बोर्ड उनके कार्याभार प्रबंधन पर भी ध्यान रखे हुए है। भारतीय टीम के पास अन्य विकल्प के तौर पर बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन भी हैं प रेड्डी को अंतिम ग्यारह में शामिल करने से निचले क्रम में बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी कमजोर पड़ने से पहला टेस्ट तीन दिनों के अंदर ही समाप्त हो गया था।

जर्मनी ने स्लोवाकिया को 6-0 से हराकर किया फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई

एजेंसी, लीपज़िग

जर्मनी ने सोमवार को अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में स्लोवाकिया को 6-0 से करारी शिकस्त देकर अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप 2026 के लिए जगह पक्की कर ली। पहले हाफ में ही चार गोल दागकर जर्मनी ने मैच पर पूरी तरह कब्ज़ा जमा लिया और स्लोवाकिया को मार्च में होने वाले प्लेऑफ में धकेल दिया। चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी, जो पिछली दो विश्व कप (2018 और 2022) में पहले दौर से बाहर हो गई थी, ने ग्रुप में 15 अंकों के साथ टॉप किया। स्लोवाकिया 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। मैच में जीत या ड्रॉ किसी भी परिणाम से जर्मनी को क्वालिफिकेशन मिल सकता था, लेकिन टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। 18वें मिनट में निक वोल्टेमाडे ने लगातार तीसरे मैच में चौथा गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 29वें मिनट में सर्ज ग्नाब्री ने लियोन गोरेत्स्का के शानदार पास पर गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। 36वें मिनट में फ्लोरियन विट्र्ज़ के पास पर लेरॉय साने ने शानदार कर्लिंग शॉट के साथ तीसरा गोल किया। मात्र पाँच मिनट बाद विट्र्ज़ ने एक और असिस्ट देकर साने को उनका दूसरा गोल दिलाया, जिससे जर्मनी हाफ टाइम तक 4-0 की मजबूत बढ़त ले चुका था। स्लोवाकिया, जिसने सितंबर में ब्रातिस्लावा में जर्मनी को हराया था, इस बार जर्मन टीम के दबदबे के आगे पूरी तरह असहाय दिखा। वोल्टेमाडे ने मैच के बाद कहा, "हमने शुरुआत से अंत तक बेहतरीन खेल दिखाया। डिफेंस में कुछ भी मौका नहीं दिया और अटैक में रचनात्मक रहे। जर्मनी के लिए खेलना शानदार है, और अब हम विश्व कप में हैं।" दूसरे हाफ में जर्मनी की गति थोड़ी धीमी हुई, लेकिन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों रिडले बाकू और असान ओएद्राओगो ने एक-एक गोल दागकर स्कोर 6-0 कर दिया। 19 वर्षीय ओएद्राओगो अपने डेब्यू मैच में जर्मनी के लिए गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। जर्मनी ने विश्व कप के लिए 21वीं बार क्वालिफाई किया है, जो ब्राज़ील (23) के बाद दूसरा सर्वाधिक है। टीम ने साफ कर दिया है कि उसका लक्ष्य फीफा विश्व कप 2026 जीतकर 2018 और 2022 की निराशाजनक प्रदर्शन की भरपाई करते हुए अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पाना है। टीम 2014 में खिताब जीतने के बाद से किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंची है।

वेस्टइंडीज़ वनडे सीरीज़ से बाहर हुए डेरिल मिचेल

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल वेस्टइंडीज़ के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह दूसरे वनडे के लिए नामित किए गए हेनरी निकोल्स अब पूरी सीरीज़ में टीम का हिस्सा बने रहेंगे। पहले वनडे में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ हैगले ओवल में खेले गए मैच में शतक जमाने के दौरान मिचेल को जांघ में खिंचाव महसूस हुआ था। उनकी शतकीय पारी की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने यह मैच 7 रन से जीता था। चोट के कारण वे दूसरी पारी में मैदान पर नहीं लौट सके। स्कैन में हल्की ग्रोइन इंजरी (माइनर टियर) की पुष्टि हुई है, जिसके लिए दो सप्ताह के रिहैब की आवश्यकता होगी। टीम प्रबंधन के अनुसार, मिचेल के 2 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा,"इंजरी के कारण किसी खिलाड़ी का सीरीज़ से जल्दी बाहर होना हमेशा मुश्किल होता है, खासकर जब वह शानदार फॉर्म में हो। डेरिल इस समर में हमारे सबसे बेहतरीन वनडे खिलाड़ी रहे हैं, और उनकी कमी तय है। अच्छी बात यह है कि चोट मामूली है और वह टेस्ट सीरीज़ के लिए उपलब्ध रहेंगे।" निकोल्स की वापसी पर उन्होंने कहा,"हेनरी फोर्ड ट्रॉफी में बेहतरीन फॉर्म में हैं और अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऐसे खिलाड़ियों को मौका देना हमेशा खुशी की बात होती है, और हमें भरोसा है कि मौका मिलने पर वे अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।"

नाओमी ओसाका ने ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से नाम वापस लिया, अब यूनाइटेड कप में जापान के लिए खेलेंगी

एजेंसी, वेलिंगटन

चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने जनवरी में होने वाले ऑकलैंड के एएसबी क्लासिक डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ओसाका अब न्यूज़ीलैंड के बजाय ऑस्ट्रेलिया में होने वाले यूनाइटेड कप 2026 में जापान का प्रतिनिधित्व करेंगी। ओसाका ने सितंबर में घोषणा की थी कि वह अपनी 2026 सीज़न की शुरुआत ऑकलैंड से करेंगी, जहाँ उन्होंने इस साल की शुरुआत में फाइनल तक पहुंचकर शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन अब उन्होंने टूर्नामेंट निदेशक निकोलस लैम्पेरिन को सूचित किया कि वह अपना प्री-ऑस्ट्रेलियन ओपन तैयारी चरण ऑस्ट्रेलिया में ही शुरू करना चाहती हैं। यूनाइटेड कप में ओसाका जापान की टीम में शिंटारो मोचिज़ुकी के साथ खेलेंगी। टूर्नामेंट 2 से 11 जनवरी तक पर्थ में होगा, और ग्रुप स्टेज में जापान का सामना ब्रिटेन और ग्रीस से होगा। गौरतलब है कि साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 18 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा।

आईपीएल 2026 सत्र में टीम के भरोसे को सही साबित करना रहेगा मार्कराम का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं। उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज़्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले। ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे। फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा।

संक्षिप्त

कैफ ने गंभीर पर निशाना साधा, लगातार बदलावों से टीम में डर का माहौल

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। कैफ ने कहा है कि जिस प्रकार से लगातार टीम में बदलाव हो रहे हैं। उससे खिलाड़ियों में डर का माहौल है और वे असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं। कैफ के अनुसार गंभीर के कोच बनने के बाद लगातार टीम बदल रही है और किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं दिख रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की 30 रन की हार के दौरान बल्लेबाज़ों की शारीरिक भाव भंगिमा से ऐसा नजर आ रहा था और बल्लेबाज विकेट बचाने का प्रयास कर रहे थे। भारतीय टीम इस मैच में124 रनों के छोटे से लक्ष्य को भी नहीं पा सकी थी। मेहमान टीम के स्पिनरों साइमन हार्मर और केशव महाराज ने भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। वहीं जबकि तेज़ गेंदबाज़ मार्को जैनसन ने शुरुआती विकेट लिए। केवल. वाशिंगटन सुंदर ही लंबी पारी खेलने का प्रयास करते दिखे। अन्य बल्लेबाज़ सहज नहीं दिखे। कैफ ने कहा, खिलाड़ी अपने पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। जब असुरक्षा का माहौल हो और आप टर्निंग ट्रैक पर खेले तो जाहिर है अच्छा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में लगातार अवसर नहीं दिए जा रहे। उन्होंने कहा कि सरफराज खान को पिछले साल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शतक लगाने के बाद भी टीम से बाहर कर दिया गया। इसके अलावा साई सुदर्शन को वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले टेस्ट में 87 रन बनाने के बाद भी अगले मैच में अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर को नंबर 3 पर उतारा और टीम चार स्पिनरों सहित छह गेंदबाज़ों के साथ उतरी। ध्रुव जुरेल भी ऋषभ पंत के साथ प्लेइंग अंतिम ग्यारह में थे, जिससे बल्लेबाज़ी क्रम में कई बदलाव रहे।

सुंदर को तीसरे नंबर पर भेजने के खिलाफ है कार्तिक

गेंदबाजी भी प्रभावित होगी

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। कार्तिक के अनुसार ये प्रयोग कितना नुकसानदेह है ये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में साफ हो गया है। इससे सुंदर गेंदबाजी पर भी अपना ध्यान नहीं दे पा रहे। पहले टेस्ट में सुंदर दोनो ही पारियों में कुल मिलाकर 60 रन ही बना पाए। इसके अलावा उनकी गेंदबाजी भी प्रभावी नहीं रही। वह पूरे मैच में केवल एक ओवर ही कर पाये। कार्तिक ने कहा कि सुंदर को शीर्ष क्रम में भेजने से उनकी गेंदबाजी क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। कार्तिक ने कहा, अगर आप सुंदर को नंबर-3 भेज रहे हैं, तो आप उन्हें बता रहे हैं कि अब उन्हें बल्लेबाजी पर अधिक ज़्यादा ध्यान देना होगा। ऐसे में वह वह बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देंगे जिससे उनकी गेंदबाजी कमजोर होगी क्योंकि एक साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शीर्ष पर बने रहना संभव नहीं है। साथ ही कहा कि लंबे वक्त में इससे उनके गेंदबाजी कौशल पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस पूर्व विकेटकीपर के अनुसर सुंदर ने साई सुदर्शन की जगह नंबर-3 बल्लेबाज़ की की थी जबकि ये जगह विशेषज्ञ बल्लेबाज के लिए रहती है। उन्होंनें का कि सुंदर ने सीमित ओवर क्रिकेट में निचले क्रम पर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई है पर टेस्ट में यह भूमिका उकने लिए एकदम अलग है। ऐसे में गुवाहाटी) में होने वाले दूसरे टेस्ट में उन्हे तीसरे नंबर पर नहीं भेजना चाहिये। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 1-0 से पीछे हैं ऐसे में उसे अब अधिक प्रयोग नहीं करने चाहिये। पहले टेस्ट में पिच दोनों टीमों के बल्लेबाज़ों के लिए कठिन रही। ऐसे में भारतीय टीम को तीसरे नंबर पर एक बल्लेबाज रखना चाहिये। वहीं सुंदर को गेंदबाजी पर अधिक ध्यान देने का अवसर देना चाहिये। पहले टेस्ट में भारतीय टीम बढ़त लेने के बाद भी लक्ष्य का पीछा करने में असफल रही थी।

बॉडीबिल्डर वंदना ने इंडोनेशिया में बढ़ाया तिरंगे का मान, जुनून और जज्बे से जीता स्वर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की बुलंद आवाज बनकर बॉडीबिल्डर वंदना ठाकुर इंडोनेशिया से गोल्ड लेकर लौटी हैं। यह सिर्फ पदक नहीं, बल्कि इसमें संदेश छिपा है कि भारत की बेटियां जब ठान लेती हैं, तो इतिहास का रुख भी बदल देती हैं। रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया के बाटम शहर रियाउ प्रांत में 11 से 17 नवंबर तक आयोजित 16वीं वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में वंदना ठाकुर ने दुनिया भर के दिग्गज बॉडीबिल्डर्स के बीच भारत का प्रतिनिधित्व किया। वंदना ने अकेले ही पूरे राष्ट्र की उम्मीदों का भार अपने कंधों पर उठाकर उसे स्वर्णिम अंजाम तक पहुंचाया। स्वर्णिम मंच तक पहुंचने का उनका सफर कठिन था, लेकिन वंदना एक ही बात पर अड़ी हुई थीं "रार नहीं ठानूंगी, हार नहीं मानूंगी।" सुबह की पहली किरण से पहले उठना, घंटों की कड़ी ट्रेनिंग, चोटों से लड़ना और फिर भी मुस्कुराते हुए आगे बढ़ना वन्दना की यही कहानी उन्हें आज भारत का स्वर्णिम गर्व बनाती है। यह जीत सिर्फ उनके मजबूत शरीर की नहीं, बल्कि उनके अटूट मनोबल, आत्मअनुशासन और देश के प्रति निःस्वार्थ और बेबाक प्रेम की जीत है। जीत को लेकर भावुक वंदना ठाकुर ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, "जब मैं मंच पर गई, तो मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात थी, तिरंगे के लिए जीतना। भारत का तिरंगा इस मंच पर लहराना है, यही मेरा लक्ष्य था और इसे सच करने के लिए जो भी करना पड़े, उसके लिए मैं तैयार थी। मैंने कई महीनों पहले से ही देश के लिए गोल्ड लाने की जिद के साथ तैयारी कर दी थी। मैं हर महिला से, हर लड़की से यही कहना चाहती हूं कि कुछ भी हासिल करने की ललक यदि मन में हो, तो उसे पूरा करने की जिद पर अड़ जाओ। तुम्हें जीतने से कोई भी नहीं रोक सकता, खुद तुम भी नहीं। यह गोल्ड मेडल सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि हर उस महिला का है, जिसे कभी बताया गया था कि वह कुछ नहीं कर सकती, लेकिन फिर भी उसने कर दिखाया। मैं चाहती हूं कि यह मेडल भारत की हर एक बेटी के सपनों में सुनहरा रंग भरे और उन्हें सबसे आगे रहने की प्रेरणा दे।" वंदना ठाकुर की यह ऐतिहासिक उपलब्धि इसलिए भी विशेष है, क्योंकि वे भारत की पहली महिला बॉडीबिल्डर बन गई हैं, जिन्होंने महिला बॉडीबिल्डिंग कैटेगरी में भारत के लिए गोल्ड जीतकर दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया है। वंदना की इस उपलब्धि ने न सिर्फ भारत के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है, बल्कि करोड़ों महिलाओं को यह भरोसा भी दिया है कि सपनों के साथ चलने वाले कदम कभी व्यर्थ नहीं जाते। ऐसे में, वंदना आज सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की प्रेरणा, उम्मीद और साहस की प्रतीक बन चुकी हैं। सिल्वर और गोल्ड की कहानी से परे, असल में वंदना जैसी महिलाएं ही भारत का गोल्ड हैं।

युवराज सिंह के पिता बोले– मैं अकेलेपन से जूझ रहा हूं, मर भी सकता हूं

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, अभिनेता और कोच योगराज सिंह, जो दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता हैं, वह अपने जीवन में छाए गहरे अकेलेपन का शिकार है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैं शाम को अकेला बैठा रहता हूं, घर पर कोई नहीं होता। खाने के लिए मुझे अजनबियों पर निर्भर रहना पड़ता है, कभी एक, कभी दूसरा। हालांकि, मैं किसी को परेशान नहीं करता। अगर मुझे भूख लगती है तो कोई न कोई मेरे लिए खाना ले आता है। मैंने घर में नौकर और रसोइया रखे हैं, वे खाना परोसकर चले जाते हैं। 62 वर्षीय योगराज सिंह ने कहा कि वह अपने होम टाउन में अकेले समय बिता रहे हैं और साथ उन्होंने कहा कि उनके जीवन में देखने या अनुभव करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी मां, बच्चों, बहू, नाती-पोतों, परिवार के सभी लोगों से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन, मैं कुछ नहीं मांगता। मैं मरने को तैयार हूं। मेरा जीवन पूरा हो गया है, भगवान जब चाहें, मुझे अपने साथ ले जा सकते हैं। मैं भगवान का बहुत आभारी हूं, मैं प्रार्थना करता हूं और वह देते रहते हैं। योगराज का निजी जीवन उनके क्रिकेट करियर जितना ही जटिल रहा है। उन्होंने सबसे पहले शबनम कौर से शादी की, जिनसे उनके दो बेटे, युवराज और जोरावर, हुए। लगातार वैवाहिक कलह के बीच यह शादी अंततः टूट गई। युवराज सिंह ने खुद बताया कि उन्होंने तलाक का सुझाव इसलिए दिया, क्योंकि उनके माता-पिता हमेशा झगड़ते रहते थे। इसके बाद योगराज ने नीना बुंदेल (जिन्हें सतबीर कौर के नाम से भी जाना जाता है) से दूसरी शादी की, जिनसे उनका एक बेटा विक्टर और एक बेटी अमरजोत है। योगराज सिंह कहते हैं कि निर्णायक क्षण तब आया जब शबनम और युवराज उनका घर छोड़कर चले गए। योगराज ने कहा कि वह असहाय थे और सोच रहे थे कि जिन लोगों से वह प्यार करते थे, वे उन्हें क्यों छोड़ रहे हैं। योगराज ने आगे बताया, जब बात इतनी बढ़ गई कि युवी और उसकी मां मुझे छोड़कर चले गए, तो मुझे सबसे बड़ा झटका लगा। जिस औरत के लिए मैंने अपनी पूरी जिंदगी, अपनी पूरी जवानी लगा दी, वो मुझे छोड़कर कैसे जा सकते हैं? बहुत सी चीजें इसी तरह बर्बाद हो गईं। मैंने भगवान से पूछा कि ये सब क्यों हो रहा है, जबकि मैंने सबके साथ सब कुछ सही किया था। हो सकता है मुझसे कुछ गलतियां हुई हों, लेकिन मैं एक निर्दोष इंसान हूं, मैंने किसी का कुछ बुरा नहीं किया।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट के समय में नजर आयेंगे बदलाव

एजेंसी, गुवाहाटी

भारत और इंग्लैंड के बीच 22 नवंबर से गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में समय के साथ ही अन्य कुछ बदलाव भी नजर आयेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां के मौसम को देखते हुए समय में ये बदलाव किया गया है। इसके तहत ही ये मैच सुबह 9 बजे शुरु होगा जबकि आमतौर पर भारत में मैच 9.30 पर शुरु होते हैं। पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त जल्दी होने के कारण समय में बदलाव किया है। इसी के तहत ही गुवाहाटी में टॉस सुबह 8:30 बजे कराया जाएगा और फिर पहली गेंद 9 बजे फेंकी जाएगी। पांचों दिन पहला सत्र 9 से 11 बजे तक होगा। इसके बाद 20 मिनट का चाय का ब्रेक होगा। दूसर सत्र 11.20 बजे से 1.20 बजे तक चलेगा। दूसरे सत्र की समाप्ति के बाद 40 मिनट का लंच ब्रेक रहेगा। फिर दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक अंतिम सत्र होगा। यदि तय समय में पूरे ओवर नहीं होते हैं तो खेल को आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा। इस प्रकार मुकाबला शाम 4.30 बजे तक आगे बढ़ सकता है.

ये पहली बार होगा जब किसी टेस्ट में पहले टी ब्रेक और फिर लंच ब्रेक होगा। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह व्यावहारिक फैसला है। सर्दियों के समय पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त बहुत जल्दी हो जाते हैं। शाम 4 बजे तक रोशनी काफी कम हो जाती है और उसके बाद ज्यादा खेलनो संभव नहीं हो पाता है। इसी चलते हमने इस टेस्ट मैच को जल्दी शुरू करने का फ़ैसला लिया है। इस सीरीज का पहला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने 30 रनों से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ली है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा।

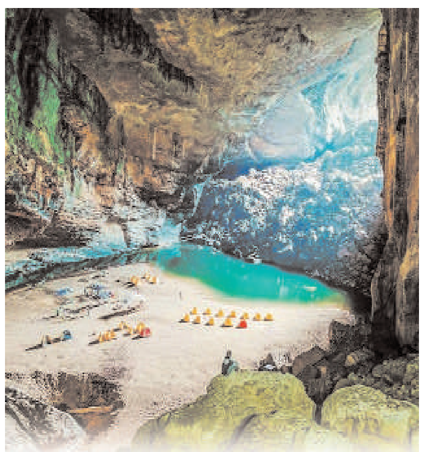

प्राकृतिक का अनमोल खजाना है दुनिया की यह जादुई गुफा

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज हैं, जो अपने आप में अनोखी है। ऐसी चीज लोगों को हैरान कर देती है। हर चीज के पीछे कोई ना कोई कारण भी अवश्य छुपा होता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी गुफा के बारे में बताएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस गुफा के अंदर एक रहस्यमई दुनिया भी है, जो यकीन से परे है। यहां के रास्ते, गहराई और अनदेखे नजारे आपको हैरान कर देंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चमत्कारिक गुफा मानी जाती है। आज हम आपको उस गुफा के बारे में बताएंगे, जो इतनी विशाल है कि उसके अंदर एक अलग सी दुनिया बसी हुई है। यहां का रहस्य काफी अलग है। यहां हर किसी को जाने की इजाजत भी नहीं मिलती है।

ऐसे पड़ा गुफा का नाम

दरअसल, इस गुफा का नाम सॉन डूंग गुफा है जो कि वियतनाम और लाओस की सीमा पर स्थित है। यहां फॉन्ग न्हाके बांग नेशनल पार्क भी है, जो कि 9 किलोमीटर लंबी है। इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है। इसके पास एक छोटा सा गांव बसा है, जिसका नाम डूंग है। इसी नाम के आधार पर इस गुफा का नाम रखा गया है।

किसान ने की थी खोज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यहां आस-पास रहने वाले किसान हो खान ने 1991 में इस गुफा को ढूंढा था, लेकिन वह इसे भूल गया। फिर साल 2009 में ब्रिटिश गुफा अनुसंधान संघ ने इसे दोबारा खोजा, जिसे देख सभी हैरान रह गए थे। इस गुफा के अंदर 80 मीटर तक ऊंचे चूने के स्टैलेग्माइट्स है। इस रहस्यमई गुफा में कई बड़े-बड़े मोती मिलते हैं, जो पानी और चूने से बने होते हैं। लंबाई और चौड़ाई की बात करें, तो यह 150 मीटर चौड़ी और 200 मीटर ऊंची है और 9 किलोमीटर लंबी है। जिसमें एक पूरा शहर या फिर हवाई जहाज भी समा सकता है।

बसी है अलग दुनिया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें एक अलग दुनिया भी बसी है। यहां बारिश होती है, जंगल है, नदी बहती है। जिस कारण यहां अलग जलवायु बन चुकी है। साल 2013 में वियतनाम सरकार द्वारा इसे खोला गया, जहां केवल चुनिंदा पर्यटकों को ही जाने की इजाजत मिलती है। वह भी केवल चार दिन के लिए.. ऑक्जेलिक एडवेंचर कंपनी परमिट से लेकर गाइड तक सब कुछ संभालती है, ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो। यह जादुई दुनिया प्राकृतिक का अनमोल खजाना है।

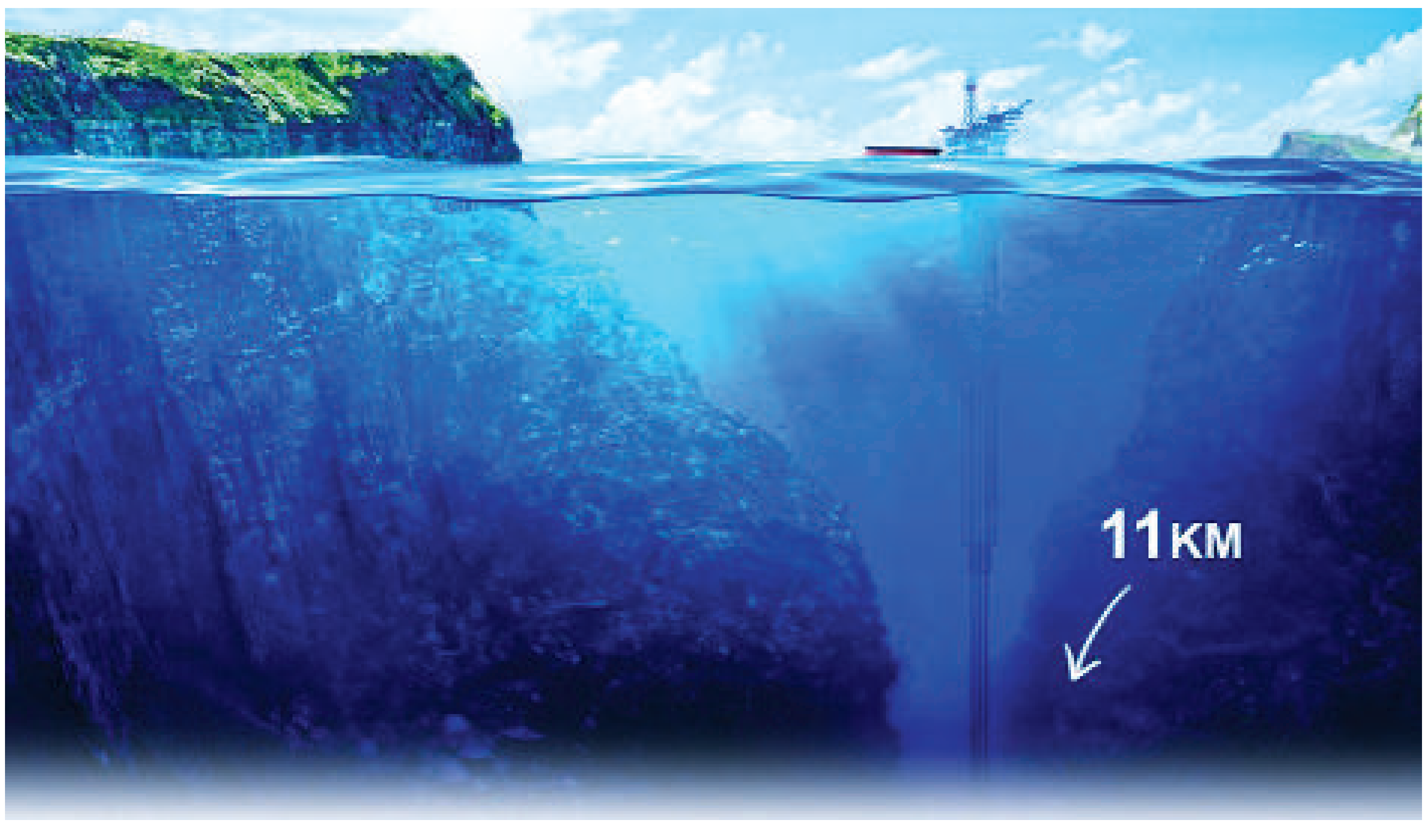

समुद्र रहस्यमय जगह मारियाना ट्रेंच

सूरज की रोशनी जहां कभी नहीं पहुंची। कहीं बर्फीला पानी तो कहीं उबाल देने वाले स्प्रिंग्स। प्रेशर इतना कि इंसान की हड्डियां पल में चकनाचूर हो जाएं। पानी की सतह से 11 हजार मीटर नीचे बसती है एक दुनिया जिसने समेट रखी हैं कई पहेलियां और होश उड़ा देने वाले नजारे। जिसकी तुलना चांद की सतह से की जाती है और जहां दूसरे ग्रहों की तरह वैज्ञानिक जीवन की खोज में जुटे रहे- ये है कहानी दुनिया के सबसे गहरे पॉइंट मारियाना ट्रेंच की।

धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक मारियाना ट्रेंच की गहराई इसे धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बनाती है। यहां सूरज की रोशनी पहुंचती नहीं और अंधेरे की चादर हमेशा कायम रहती है। उस पर से शून्य डिग्री सेल्सियस का जमा देने वाला तापमान। सबसे भयानक होता है पानी का दाब जो इंसानी हड्डियों को पल में चकनाचूर कर सकता है। यहां हर स्क्वेयर इंच पर 8 टन का दबाव होता है जो गहराई के साथ और भी ज्यादा बढ़ता जाता है। पानी का यह दबाव इंसानी शरीर पर इस तरह असर करता है कि ऐसा कोई भी हिस्सा जहां हवा भरी हो, वह बाकी नहीं रह जाता। धीरे-धीरे फेफड़े धंस जाते हैं और हड्डियां टूट जाती हैं। मारियाना ट्रेंच धरती की सबसे बाहरी सतह, क्रस्ट की सबसे गहरी जगह है। यह कितना गहरा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट को ट्रेंच के सबसे गहरे पॉइंट पर रख दिया जाए तो भी उसकी चोटी समुद्र स्तर से 7 हजार फीट नीचे ही रह जाएगी। दो टेक्टॉनिक प्लेटों- पैसिफिक और मारियाना- की टक्कर से मारियाना ट्रेंच बना है। इसमें एक प्लेट दूसरी के नीचे दब गई जिसकी वजह से पुराना और घना क्रस्ट नीचे की सतह मैंटल में धंस गया।

गहरे समंदर की इस अंजान दुनिया में पहली बार कदम रखा था ओशियनॉग्रफर जैक पीका और लेफ्टिनेंट डॉन वॉल्श ने। 23 जनवरी 1960 को Trieste नाम की सबमर्सिबल की खिड़की से बाहर झांकते हुए दोनों ऐसे नजारों के गवाह बने जो पहले किसी ने नहीं देखे थे। उनके अनुभव जानने के बेताब दुनिया के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि

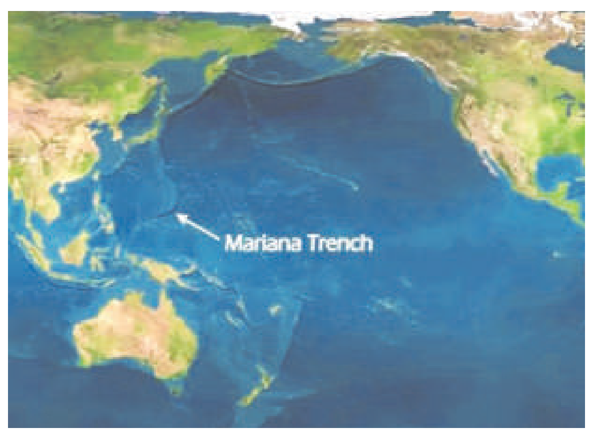

क्या इतनी गहराई, ठंडे पानी और भयानक दबाव में जीवन की संभावना है? चार घंटे और 47 मिनट में सतह पर पहुंचने पर रेत में हुई हलचल की वजह से दोनों कोई तस्वीर नहीं ले सके लेकिन उनकी आंखों ने जो देखा उस पर लंबे वक्त तक बहस चलती रही। जैक ने खिड़की को खिड़की से बाहर एक फ्लैटफिश नजर आई। उन्होंने फौरन वॉल्श को बताया। वॉल्श ने भी इस मछली को देखा और तभी नीचे से निकली रेत उनकी खिड़की के सामने आ गई। हालांकि, मरीन बायॉलजिस्ट्स ने दावा किया कि इतने दबाव में मछलियों का होना नामुमकिन है और पीका और जैक्स ने जो देखा वह कुछ और रहा होगा लेकिन अमेरिकी नौसेना के इन अनुभवी अफसरों ने साफ-साफ कहा कि जब तक वैज्ञानिक उन्हें गलत साबित नहीं कर देते वे यह मानते रहेंगे कि उन्होंने जो देखा वह मछली ही थी। इस मिशन के बाद भी यह सवाल बना रहा कि क्या मारियाना ट्रेंच में जीवन मुमकिन है।

...तो क्या यहां मुमकिन है जीवन?

मारियाना ट्रेंच पर जीवन के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन जीवन जरूर फल-फूल रहा है। वह बताते हैं, बिना रोशनी, एसिड, तापमान और दबाव जैसी स्थितियों में भी हैरान कर देने वाली संख्या में जीव यहां पाए जाते हैं। 200 से ज्यादा सूक्ष्मजीवियों से लेकर क्रस्टेशियन और ऐंफपॉड समेत सी क्युकूंबर, ऑक्टोपस और मछलियां यहां मौजूद हैं। साल 2014 में गुआम के पास सबसे गहराई में 8000 मीटर नीचे पाई जाने वाली स्नेलफिश की खोज की गई। जेम्स कैमरन ने जो तस्वीरें लीं उनमें एकदम गहराई में भी समुद्री जीवन देखा जा सका। इन पर वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि आखिर यहां जीवन कैसे मुमकिन है।

इन परिस्थितियों में भी कैसे पनप रहा है जीवन?

माना जाता रहा कि दबाव की वजह से कैल्शियम, जिससे हड्डियां बनती हैं, वह रह ही नहीं सकता है। बिना हड्डियों के मछलियों के जीवन पर भी सवाल बना रहा। हालांकि, डॉ. राम करन बताते हैं कि प्रकृति विज्ञान को हैरान करती रही है और मारियाना में स्नेलफिश का पाया जाना इसका सबूत है। उन्होंने बताया है, सतह के पास रहने वाली मछलियों में तैरने के लिए ब्लैडर होता है जिसमें हवा भरी होती है। इसकी मदद से वे ऊपर-नीचे करती हैं लेकिन गहराई में रहने वाली मछलियों में ये एयर-बैग नहीं होते हैं। इसलिए दबाव का इन पर असर नहीं होता। यही नहीं, यहां पाए जाने वाले जीवों में हड्डियों के अलावा कार्टिलेज पर ज्यादा निर्भरता होती है। इनके खोपड़ों में भी जगह खाली रहती है ताकि टूटने का खतरा कम हो। सबसे बड़ा बदलाव जेनेटिक स्तर पर हुआ है। किसी भी प्रक्रिया के लिए उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन अपनी संरचना स्थिरता के साथ बदल सकें, इसके लिए जरूरी TMAO (ट्राईमिथिलअमीन-ऑक्साइड) को बनाने वाले जीन की स्नेलफिश में ज्यादा कॉपी पाई गईं। बर्फीले पानी में रहने के लिए इन जीवों में ऐसे फैट होते हैं जो जमते नहीं हैं।

इसके अलावा अंधेरा होने के बावजूद के बाद कुछ जीव तेज नजर पर भरोसा करते हैं तो कुछ स्पर्श और वाइब्रेशन की मदद लेते हैं। कुछ खुद की रोशनी पैदा करते हैं जिससे शिकार को पकड़ा जाता है और खुद शिकार होने से बचा जाता है। सूरज की रोशनी के बिना होने वाली खाने की कमी ऊपर से आने वाले मृत जीवों के अवशेषों से लेकर लकड़ी के टुकड़ों तक पर निर्भर करते हैं।

यहां रिसर्च में क्यों जुटे हैं वैज्ञानिक?

किसी भी ट्रेंच में छिपे रहस्यों को उजागर करने से दवाओं, खाद्य, ऊर्जा स्रोत जैसे उत्पाद तो मिल ही सकते हैं, भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से बचने की तैयारी की जा सकती है। सबसे बड़े जिस सवाल का जवाब यहां छिपा हो सकता है वह है धरती के पर्यावरण में हो रहा बदलाव। इतने गहरे पानी, अंधेरे, दबाव और तापमान के हालात में रह रहे जीवों का विज्ञान हमें बता सकता है कि उनमें विकास कैसे हुआ। रिसर्चर्स को गहरे समुद्र में रहने वाले ऐसे सूक्ष्मजीवी मिले हैं जो ऐंटीबायॉटिक और ऐंटी-कैंसर दवाओं के काम आ सकते हैं। ऐसे में यहां रिसर्च से डायबिटीज के इलाज से लेकर लॉन्ड्री डिटर्जेंट जैसी जरूरतों तक को पूरा किया जा सकेगा।

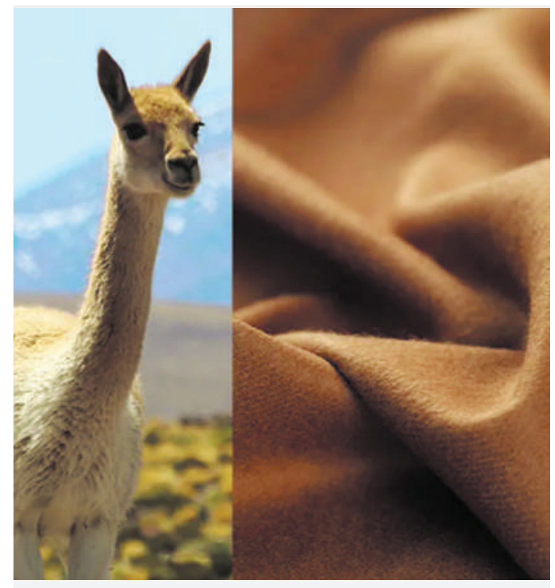

दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक विकुना

इस दुनिया में सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी चीज मौजूद है। इसे खरीदने वाले भी अलग-अलग बजट के लोग होते हैं। कुछ लोग महंगी चीज खरीदना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को सस्ती और बजट के अंदर मिलने वाली चीज पसंद आती है। कुछ ब्रांड ऐसे हैं जिनकी वैल्यू बहुत ज्यादा होती है इसलिए यह महंगे मिलते हैं। आपने अब तक सस्ती से महंगी कई चीजों के बारे में सुना होगा। आप में से सभी लोगों ने सस्ते से महंगी हर तरह की चीजों की खरीदी की होगी और उनका उपयोग भी किया होगा। इस दौरान क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगा कपड़ा कौन सा होगा। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक के बारे में बताते हैं। यह इतना ज्यादा महंगा है कि अगर आप इसके मोजे भी खरीदना चाहे तो आपको अपनी गाड़ी बेचनी पड़ सकती है।

विकुना है सबसे महंगा फैब्रिक

दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक की बात करें तो यह कोई और नहीं बल्कि विकुना है। इसकी कीमत का अंदाजा इससे बने हुए कपड़ों से आसानी से लगाया जा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इससे बने हुए मोजे की कीमत 80000 रुपए से शुरू होती है। अगर आपको इससे बनी टी-शर्ट खरीदनी है तो आपको लाखों रुपए चुकाने पड़ सकते हैं। शर्ट खरीदना हो तो यह कीमत 5 लाख से ऊपर जा सकती है। पैंट की कीमत 8 लाख से ज्यादा हो सकती है। वहीं अगर कोट खरीदना है तो शायद 11 लाख रुपए से ऊपर चुकाना होंगे।

कहां मिलता है

दुनिया का सबसे महंगा कपड़ा विकुना एक दुर्लभ ऊन है, जो दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वतों में मिलता है। ये बहुत ही मुलायम, महीन और गर्म होता है। हालांकि, इससे बने कपड़े आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

क्यों है महंगा

दुनिया का यह सबसे महंगा फैब्रिक ऊंट के ऊन से तैयार होता है। यह ऊंट आम नहीं होते बल्कि बहुत ही खास प्रजाति के होते हैं, जो धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं। 1960 में इन्हें दुर्लभ प्रजाति घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद इन्हें पालने के नियम भी सख्त बना दिए गए थे। इस ऊंट से जो ऊन निकलता है वह 12 से 14 माइक्रोन मोटा होता है। यह इतना ज्यादा गर्म होता है कि सर्दी आपको छू भी नहीं सकती। हालांकि, एक कोट बनाने के लिए कम से कम 35 ऊंटों का ऊन निकलेगा तब जाकर कोट तैयार होगा। दुर्लभ प्रजाति के ऊंट के ऊन से तैयार होने के कारण ही यह फैब्रिक इतना महंगा है।

दुनिया का इकलौता देश जहां नहीं है एक भी अस्पताल

दुनिया में कई ऐसी अनोखी जगह हैं, जिनके बारे में बहुत सारे लोग नहीं जानते हैं। इनमें से एक ऐसा देश भी है, जहां पिछले 96 साल से एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। यह बात चौंकाने वाला है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। घर में बच्चों की किलकारी ना गुंजे, तो घर सुना-सुना लगता है। कई बार अपने बड़े बुजुर्गों से हम दो, हमारे दो वाली कहावत भी सुनी होगी, लेकिन इस देश में आजतक कोई बच्चा जन्म नहीं लिया, तो आप बहुत सारी बातों को सोचने पर मजबूर हो गए होंगे कि आखिर बीमार पड़ने पर लोग क्या करते होंगे मन में यह भी सवाल उठ रहे होंगे कि यदि यहां पर अस्पताल नहीं है, तो क्या यहां के लोग बीमार नहीं पढ़ते होंगे। यदि कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो फिर यहां क्या होता है। किसी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है तो जनसंख्या वृद्धि कैसे होगी। आइए आपको इसका जवाब बताते हैं।

वेटिकन सिटी

दरअसल, इस देश का नाम वेटिकन सिटी है, जो दुनिया का सबसे छोटा देश है। जनसंख्या की बात करें, तो यह करीब 800 के आसपास है। जिसे कैथोलिक चर्च द्वारा संभाल गया है। यहां रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धर्मगुरु रहते हैं। इस देश की स्थापना 11 फरवरी साल 1929 में किया गया था, तब से लेकर आज तक यहां पर एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ और ना ही यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति यहां पर बीमार पड़ जाता है या फिर इमरजेंसी हेल्थ केयर की जरूरत होती है, तो उन्हें इटली के अस्पतालों में भेज दिया जाता है।

किसी बच्चे का नहीं हुआ जन्म

यह देश रोम सिटी के बीचो-बीच है, जिसका क्षेत्रफल मात्र 111 एकड़ है। कई बार अस्पताल बनाने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन हर बार इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ऐसे में यहां कोई बीमार हो जाए या फिर कोई महिला गर्भवती होती है, तो उन्हें रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है। यही कारण है कि यहां अब तक किसी भी बच्चे ने जन्म नहीं लिया, क्योंकि यहां पर प्रसव कक्ष की कोई सुविधा नहीं है।

कैसे होता है बीमार लोगों का इलाज

वेटिकन सिटी में स्थानीय नागरिकता नहीं मिलती। यहां चर्च के अधिकारी, कार्डिनल्स, पादरी और स्विस गॉड्स रहते हैं, जिन्हें ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। वहीं, जो लोग यहां काम करते हैं, वह भी अस्थाई रूप से ही यहां रहते हैं। जिनका परिवार आमतौर पर इटली या फिर अन्य देशों में रहता है। यही कारण है कि पिछले 96 सालों से कोई जन्म नहीं हुआ। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान वेटिकन सिटी के अंदर एंबुलेंस की टीम मौजूद रहती है, जो रोम के अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचाती है। इसके अलावा, यहां पर एक छोटा सा मेडिकल डिस्पेंसरी है, जहां प्राथमिक उपचार दिया जाता है। इसके साथ ही यहां दुनिया की सबसे पुरानी फार्मेसी स्थित है।

दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन

दुनिया का सबसे छोटा देश होने के साथ ही यहां का रेलवे स्टेशन भी सबसे छोटा है, जहां केवल दो ट्रैक है। इसकी लंबाई मात्र 300 मीटर है और एक स्टेशन है, जिसका नाम सिट्टा वेटिकनो है। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है। यहां लोगों के लिए ट्रेन नहीं चलाई जाती है।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी। हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, हिंदी सिनेमा के लिए हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं हैं, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त में महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था।

बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं। दिल्ली क्राइम सीजन-3 14 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जबकि महारानी का नया सीजन 7 नवंबर को रिलीज हो गई थी। सीरीज को ऐसे मौके पर रिलीज किया गया, जब बिहार में जनता नई सरकार चुनने की तैयारी में थी। महारानी-4 बिहार की राजनीति पर बनी सीरीज है, जिसके शुरुआती तीन सीजन जबरदस्त रहे हैं। चौथे सीजन में कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस बार पीएम पद की लड़ाई देखने को मिली है।

बॉलीवुड में सब बस अपना फायदा देखते हैं, यहां कोई किसी के लिए नहीं लड़ता

सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में वो नेगेटिव रोल में हैं। उन्होंने बताया कि ने देखा कि कुछ असिस्टेंट डायरेक्टर्स रात के डेढ़ बजे फुटपाथ पर बैठकर कैब की राह देख रही थीं। जॉली एलएलबी 2, फोर मोर शॉट्स प्लीज, पगलैट जैसी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रहीं ऐक्ट्रेस सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में सयानी नेगेटिव भूमिका निभा रही हैं।

किसी को तो विलन बनना पड़ेगा

खुद एक फेमिनिस्ट होने के बावजूद सीरीज में बच्चियों के साथ हिंसा करने जैसे सीन करने को लेकर सयानी कहती हैं, हम ऐक्टर हैं और ऐक्टर होने के नाते आप हर तरह का रोल करना चाहते हैं। किसी को तो विलन बनना पड़ेगा। किसी को तो बुरे इंसान का रोल भी करना पड़ेगा और कन्विंसिंग तरीके से करना होगा। मैंने अपने 14 साल के करियर में दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया है और मुझे बहुत मजा आया क्योंकि मैं इसमें बहुत ही बदमाश हूं, जबकि असल जिंदगी में बिल्कुल भी बदमाश नहीं हूं। पर्सनली मुझे हिंसा से नफरत है, मैं ट्रिगर हो जाती हूं, पर इसमें मारपीट करने, गंदी-गंदी भाषा में गाली देने में बहुत मजा आया, क्योंकि जो आप नहीं रियल में नहीं कर सकते, वह ऐक्टर के तौर पर करने में भी एक मजा है। फिर, देखा जाए तो कोई भी इंसान पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं होता। शो में ही मेरे किरदार कुसुम की बात करें तो वह खुद दबाई गई है, इसलिए क्रूर बन गई है।

वो मुद्दे परेशान करते हैं वो दिखाना पसंद

लेकिन क्या लड़कियों की बेबसी का फायदा उठाने, उनकी सौदेबाजी जैसे सीन उन्हें झकझोरते या परेशान करते हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे असल में उल्टा लगता है कि हम ऐक्टर्स के पास ये हथियार है कि जो चीजें या मुद्दे हमें परेशान करते हैं, उनको दिखाकर हम लोगों को सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। मतलब, जो मुद्दे मुझे परेशान करते हैं या सोच में डालते हैं, मैं उन कहानियों का हिस्सा जरूर बनना चाहूंगी, क्योंकि अगर हम किसी फिल्म या शो के जरिए उसे मेनस्ट्रीम में ला पाएं और उस पर चर्चा हो तो इससे बेहतर क्या होगा। वे लड़कियां इतनी रात में घर कैसे जाएंगी। मुझे लगता है कि हम ऐक्टर उस जगह पर हैं जहां उन लोगों के लिए बोल सकते हैं, जिनकी नहीं सुनी जाती तो आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है।

हमारे यहां कोई दूसरे के लिए नहीं लड़ता

सयानी को फिल्म सेट पर टीम संग गैरबराबरी से जुड़ी कई चीजें भी परेशान करती हैं। शूटिंग की शिफ्ट तय होने की चर्चा छिड़ने पर वह बेबाकी से कहती हैं, हमारे यहां ऐक्टर की मजबूत यूनियन ही नहीं है। जैसे हॉलिवुड में एआई को लेकर इतनी बड़ी हड़ताल हुई। पूरी इंडस्ट्री के ऐक्टर, डायरेक्टर वो चाहे कितने भी अनुभवी या नए थे, हर कोई साथ आया, काम बंद किया। हमारे यहां ऐसा नहीं है। यहां सब अपना-अपना सोचते है। कोई किसी के लिए नहीं लड़ता। हम भारतीयों की सोच यही है कि हमारा काम नहीं जाए। मैं क्यों लड़ूं, यहां हर कोई ओवरटाइम करता है जिसका उन्हें कोई एक्स्ट्रा पैसा नहीं मिलता। देखिए, बतौर ऐक्टर मैं 20 घंटे भी काम हुआ तो करूंगी, पर जो लाइटमैन सबसे पहले आता है और सबसे बाद में जाता है और वो ट्रेन से जाएगा। उसके पास गाड़ी नहीं है। ऐसे सैकड़ों लोग सेट पर होते हैं, जिनके लिए बेसिक सुविधाएं नहीं होतीं।

ब्रेक के बाद निर्देशक दानिश असलम की फिल्म से वापसी करेंगे इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान 10 साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। वह अपने पुराने दोस्त और निर्देशक दानिश असलम के साथ एक नई फिल्म बना रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने 15 साल पहले ब्रेक के बाद बनाई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में इमरान ने अपनी वापसी और इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी आगामी फिल्म ब्रेक के बाद की तरह ही है। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे और दानिश के जीवन के अनुभवों से बनी है। दानिश की शादी हो चुकी है, और मेरा तलाक हो गया है। यह एक निजी प्रोजेक्ट है, जो दोस्तों के साथ मिलकर कहानी कहने की इच्छा से शुरू हुआ। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। जल्द ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज डेट की घोषणा होगी।

ब्रेक के बाद की कहानी

इमरान ने बताया कि उन्होंने पहले ब्रेक के बाद फिल्म के लिए मना कर दिया था। उस समय वह आई हेट लव स्टोरीज की शूटिंग कर रहे थे। दानिश ने उन्हें कहानी सुनाने की कोशिश की, लेकिन इमरान को कहानी सुनना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने मना कर दिया। बाद में एक पार्टी में दानिश से मुलाकात हुई और उनकी बातचीत से इमरान का मन बदल गया। दानिश ने उन्हें स्क्रिप्ट भेजी, जो इमरान को पसंद आई, और फिर उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की।

इमरान का करियर

आखिरी बार इमरान 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद उन्होंने अभिनय छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें मिलने वाले किरदार पसंद नहीं आ रहे थे। अब वह वापसी कर रहे हैं, लेकिन वह अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं।

मां वंदे में पीएम मोदी की मां का किरदार निभाएंगी रवीना

रवीना टंडन हमेशा अपने दमदार और संवेदनशील अभिनय के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म पटना शुक्ला और लॉयर में उनके प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब खबर है कि रवीना एक और महत्वपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक मां वंदे का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में रवीना, प्रधानमंत्री की दिवंगत मां हीराबेन मोदी की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन क्रांति कुमार करेंगे, जबकि दक्षिण भारतीय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रवीना इस किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमेशा से हीराबेन की सादगी, संघर्ष और कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने की क्षमता की प्रशंसक रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि यह फिल्म मां-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड भावनात्मक फिल्म होगी। इसमें हीराबेन के त्याग, उनकी दृढ़ता और मोदी के जीवन में उनके योगदान को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। रवीना, हीराबेन के जीवन की इन्हीं बातों से प्रभावित होकर इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। साउथ इंडस्ट्री के एक्टर उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे।

लक्ष्मण उतेकर की फिल्म ईथा में दिखाई देंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी नई फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं। 2024 में रिलीज हुई स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद श्रद्धा अब एक बार फिर अलग अंदाज में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने पहले छावा जैसी फिल्म बनाई थी। ताजा जानकारी के अनुसार... फिल्म में श्रद्धा के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब श्रद्धा और रणदीप स्क्रीन पर दिखेंगे। दोनों के बीच लगभग 11 साल की उम्र का अंतर है। शूटिंग महीने के अंत तक मुंबई में शुरू होने वाली है। रणदीप और श्रद्धा दोनों को लेकर निर्माता बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों ही कलाकारों में गहराई और बहुमुखी प्रतिभा है, जो निर्देशक की सोच से पूरी तरह मेल खाती है।

कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। श्रद्धा इस किरदार के लिए लावणी डांस की ट्रेनिंग ले रही हैं।

हैवान में अक्षय को चेज करते दिखेंगे सैफ

अक्षय कुमार के काम की स्पीड एक बार फिर चर्चा में है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म हैवान की शूटिंग हाल ही में मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास पूरी हुई। इसमें अक्षय और सैफ अली खान ने लगातार पांच देर रातों तक शूटिंग कर फिल्म का क्लाइमेक्स सीक्वेंस कंप्लीट किया। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इस सीन में करीब 30-40 कारें और 100 जूनियर आर्टिस्ट शामिल थे, जिसे एक्शन डायरेक्टर स्टंट सिल्वा ने कोरियोग्राफ किया। रात के समय आउटडोर शूटिंग को लेकर प्रियदर्शन ने कहा कि... मुंबई जैसे व्यस्त शहर में इतनी बड़ी यूनिट के साथ शूट करना आसान नहीं था लेकिन अक्षय और सैफ ने बेहद प्रोफेशनल अंदाज में साथ दिया।

मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है ये फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि अक्षय आमतौर पर जल्दी सोने के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इस लेट-नाइट शूट में पूरी तन्मयता से काम किया। फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 2016 की मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है। जहां मूल फिल्म में मोहनलाल ने लीड निभाया था, वहीं हिंदी वर्जन में सैफ ने एक नेत्रहीन व्यक्ति के किरदार में हैं, जिसकी सूंघने और सुनने की शक्ति बेहद तीव्र है। वे अक्षय के विलन किरदार से भिड़ते हैं।

अगस्त में शुरू हुआ था शूट

प्रियदर्शन ने बताया... हैवान एक कॉमेडी थ्रिलर है जिसमें नायक और खलनायक के बीच चूहे-बिल्ली की पकड़म-पकड़ाई जैसे खेल चलता है। फिल्म का बड़ा हिस्सा अगस्त 2025 में शूट होना शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है।

बता दें कि अक्षय ने दुबई में वेलकम टू द जंगल की शूटिंग शुरू करने से पहले अपना हिस्सा खत्म कर लिया था, जबकि सैफ के कुछ सीन्स बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फिल्माए जा रहे हैं। प्रियदर्शन के लिए 2025 काफी प्रोडक्टिव रहा है। 69 साल की उम्र में उन्होंने भूत बंगला और हैवान जैसी दो बड़ी फिल्में पूरी की हैं। हैवान 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी और इसे प्रियदर्शन की सबसे बड़ी हिंदी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

बैक-टू-बैक कई प्रोजेक्ट हैं अक्षय के पास

अक्षय, प्रियदर्शन की एक और कॉमेडी-हॉरर फिल्म भूत बंगला में भी दिखेंगे। इसमें उनकी जोड़ी तबु के साथ 25 साल बाद बनेगी। साथ ही परेश रावल और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कॉमेडियन भी फिल्म में नजर आएंगे। वहीं 2027 में ही रिलीज होने वाली उनकी ओह माय गॉड फिर एक बार सामाजिक और धार्मिक पाखंड पर व्यंग्य करेगी, जिसमें अक्षय एक बार फिर गॉड के मैसेंजर बनेंगे।

वहीं 2027 साइको में आने वाली है जो एक साइकोलॉजिकल एक्शन थ्रिलर है। यह अक्षय को एक डार्क और गहन अवतार में दिखाएगी। इसके अलावा रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का अगला अध्याय सूर्यवंशी 2 है, जिसमें अक्षय, अजय देवगन और रणवीर सिंह एक साथ फिर से धमाकेदार एक्शन अवतार में लौटेंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने भी पूरी की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने भी हैवान की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। श्रिया ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े दिख रही हैं, जिस पर फिल्म का नाम हैवान लिखा है। श्रिया ने लिखा... मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक सौभाग्य रहा, जिसका नेतृत्व निर्देशक प्रियदर्शन ने किया।